नई दिल्ली । गुरुवार, 25 जून, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष दशमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :170/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल फीफा वर्ल्ड कपः कोलंबिया ने बनाई नॉकआउट...
@ विचार कैसे भूलें वो सालः थोपा गया आपातकाल...
@ व्यापार भारत-अमेरिका ने द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने...

'होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर नहीं लगेगा शुल्क' - ट्रंप

ईरान को खाद्य मदद का भी ऐलान

एजेंसी ■ तेहरान

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों को लेकर बड़ा दावा किया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान ने अमेरिका को स्पष्ट कर दिया है कि होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से कोई टोल, बीमा शुल्क या अन्य किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जा रहा है। ट्रंप ने यह भी कहा कि यदि इस संबंध में सामने आ रही खबरें गलत साबित होती हैं तो अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत तत्काल खत्म हो सकती है।

ट्रंप ने एक बयान में कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्टों में यह दावा किया गया था कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की तैयारी कर रहा है। हालांकि, ईरान ने अमेरिका को बताया है कि ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। ट्रंप ने कहा कि होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर न कोई टोल लिया जा रहा है, न कोई बीमा शुल्क और न ही किसी प्रकार का अन्य चार्ज वसूला जा रहा है।

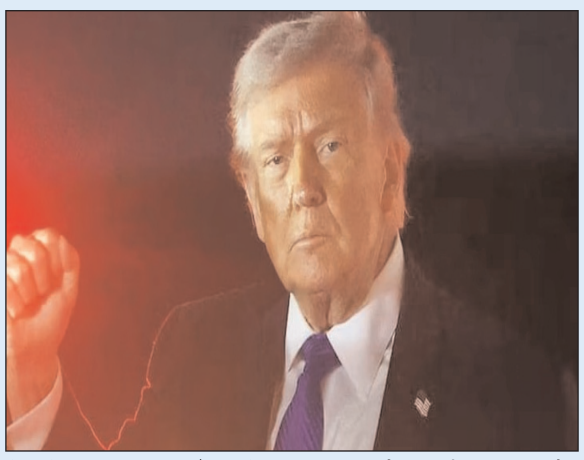

क्या ट्रंप ने बातचीत खत्म करने की चेतावनी दी ?

ट्रंप ने कहा कि यदि यह जानकारी गलत साबित होती है तो अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत तुरंत समाप्त कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर किसी भी तरह की गलत जानकारी या भ्रामक रिपोर्टिंग से स्थिति और जटिल हो सकती है।

क्या अमेरिका ने ईरान को कोई धनराशि दी है ?

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका ने ईरान को कोई पैसा नहीं दिया है और न ही ईरान की किसी धनराशि को सीधे जारी किया गया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान को लेकर इस तरह की खबरें भी गलत हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के नियंत्रण में मौजूद कुछ धन का उपयोग अमेरिकी किसानों और पशुपालकों से कृषि उत्पाद खरीदने के लिए किया जाएगा।

ईरान के लिए क्या खरीदने की बात कही गई ?

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका मक्का, गेहूं, सोयाबीन और अन्य खाद्य सामग्री खरीदेगा, क्योंकि ईरान में खाद्य पदार्थों की सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह खरीदारी केवल अमेरिका से ही की जाएगी। ट्रंप के अनुसार, इससे एक ओर अमेरिकी किसानों को लाभ मिलेगा, वहीं दूसरी ओर ईरान की खाद्य जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

होर्मुज जलडमरूमध्य क्यों है अहम ?

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक माना जाता है। खाड़ी क्षेत्र से निकलने वाला बड़ा हिस्सा कच्चे तेल और गैस का इसी रास्ते से होकर गुजरता है। ऐसे में इस मार्ग से जुड़ी किसी भी खबर का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर पड़ सकता है।

ICC रैंकिंग- शुभमन गिल वनडे में नंबर-2 बल्लेबाज बने

ईशान किशन की 21 स्थान का फायदा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में टॉप स्कोरर रहे भारतीय कप्तान शुभमन गिल की ICC रैंकिंग में उछाल आया है। वह वनडे में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। इससे पहले वह पांचवें नंबर पर थे।

बुधवार को जारी हुई साप्ताहिक रैंकिंग में गिल वनडे नंबर-1 पर काबिज न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल से सिर्फ 24 रेटिंग अंक पीछे हैं। गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ हालिया तीन मैचों की वनडे सीरीज में 238 रन बनाए थे।

वहीं, ईशान किशन 21 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 43वें नंबर पर पहुंच गए हैं। भारतीय बॉलर प्रसिद्ध कृष्णा को 34 और अर्शदीप सिंह को 16 स्थान का फायदा मिला है।

टेस्ट रैंकिंग में न्यूजीलैंड के मैट हैनरी भारत के जसप्रीत बुमराह के साथ संयुक्त रूप से नंबर-1 गेंदबाज बन गए हैं। यह 36 साल बाद है, जब न्यूजीलैंड का कोई गेंदबाज पहले स्थान पर आया है। इससे पहले 1990 में रिचर्ड हैडली टेस्ट के टॉप गेंदबाज थे।

रोहित चौथे नंबर पर बरकरार, विराट को एक पायदान का नुकसान

विराट कोहली हैमस्ट्रिंग चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई सीरीज से बाहर हो गए थे। विराट की रैंकिंग पर इसका असर पड़ा है। पिछले हफ्ते वह दूसरी पोजिशन पर थे, इस बार खिसक कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं। जबकि रोहित शर्मा चौथे स्थान पर बने हुए हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज में उन्होंने 143 रन बनाए थे, जिसमें एक फिफ्टी शामिल है।

तीन भारतीय गेंदबाजों को भी फायदा

वनडे में गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत के तीन खिलाड़ियों ने बड़ी छलांग लगाई है। अर्शदीप सिंह 16 स्थान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

एयर इंडिया का विमान पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में पहुंचा, जांच के आदेश

एजेंसी ■ नई दिल्ली

टाटा समूह की एयरलाइन एयर इंडिया ने एक बयान में कहा कि दिल्ली से अमृतसर जा रही उसकी एक उड़ान सोमवार को अमृतसर हवाई अड्डे पर लैंडिंग के दौरान 'गो-अराउंड' प्रक्रिया अपनाते समय कुछ समय के लिए पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गई।

एयरलाइन के अनुसार, यह घटना एयर इंडिया की फ्लाइट एआई479 के साथ हुई, जब विमान अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरने की तैयारी कर रहा था।

एयर इंडिया ने अपने बयान में कहा, '22 जून को दिल्ली से अमृतसर जा रही फ्लाइट एआई479 के चालक दल ने अमृतसर हवाई अड्डे पर गो-अराउंड प्रक्रिया के दौरान सीमित रूप से पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया था।'

एयरलाइन ने बताया कि इस घटना की जानकारी संबंधित नियामक एजेंसियों को दे दी गई है और कंपनी भी अपने स्तर पर इसकी आंतरिक जांच कर रही है।

बयान में कहा गया, 'इस घटना की सूचना नियामक अधिकारियों को दे दी गई है और इसकी आंतरिक जांच जारी है। एयर इंडिया में यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।'

वर्तमान में पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र भारतीय पंजीकरण वाले, भारतीय स्वामित्व वाले या भारतीय कंपनियों द्वारा लीज पर लिए गए सभी विमानों के लिए बंद है, जिसमें नागरिक और सैन्य दोनों प्रकार के विमान शामिल हैं।

यह प्रतिबंध अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में भारतीय पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले और उसके बाद बढ़े सीमा तनाव के बाद लगाया गया था।

मोदी- वांग यी वार्ताः रिश्तों की नई राह तलाशते दो पड़ोसी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और कहा कि चीन भारत के साथ मिलकर दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को लागू करने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों को आपसी भरोसा बढ़ाने, गलतफहमियां दूर करने, संवेदनशील मुद्दों को समझदारी से संभालने, पारस्परिक लाभ वाले सहयोग को गहरा करने और द्विपक्षीय संबंधों की सकारात्मक गति को बनाए रखने के लिए साथ काम करना चाहिए। साथ ही, दोनों देश अपने-अपने आधुनिकीकरण के लक्ष्यों को आगे बढ़ा सकते हैं।

बैठक के दौरान वांग यी ने कहा कि चीन और भारत को ग्लोबल साउथ के देशों के बीच एकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में उदाहरण पेश करना चाहिए।

भारत में चीन के राजदूत शू फीहोंग ने सोशल मीर्ड?या प?लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए लिखा,

'चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य और केंद्रीय विदेश मामलों आयोग के कार्यालय के निदेशक वांग यी ने नई दिल्ली में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वांग ने कहा कि चीन और भारत, दुनिया के दो सबसे बड़े विकासशील देश और ग्लोबल साउथ के महत्वपूर्ण सदस्य होने के नाते, ग्लोबल साउथ देशों के बीच एकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। चीन, ब्रिक्स के घूर्णन अध्यक्ष के रूप में भारत की जिम्मेदारियों का समर्थन करता रहेगा और ब्रिक्स सहयोग को मजबूत बनाने के लिए भारत के साथ काम करेगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'चीन भारत के साथ मिलकर दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को लागू करने, आपसी विश्वास बढ़ाने, संदेह दूर करने, संवेदनशील मुद्दों को सही तरीके से संभालने, आपसी लाभ वाले सहयोग को और मजबूत करने तथा भारत-चीन संबंधों की सकारात्मक दिशा को बनाए रखने के लिए तैयार है। यह दोनों देशों की जनता के मूल हितों के अनुरूप है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा अपेक्षाओं के भी अनुकूल है।'

चीनी विदेश मंत्री ने सोमवार को ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल से भी मुलाकात की। बातचीत के दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों में हाल की प्रगति की समीक्षा की और माना कि संबंधों के सामान्य होने की दिशा में धीरे-धीरे प्रगति हो रही है।

इस बैठक में विदेश सचिव विक्रम मिस्री, राजदूत शू फीहोंग और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

चीन के राजदूत की ओर से सोशल मीर्ड?या प?लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी बयान के अनुसार, वांग यी ने कहा कि भारत और चीन, दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं।

तारातला में निर्माणाधीन गोदाम की छत ढही, 5 मजदूरों की मौत ,कई फंसे

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के तारातला इलाके में बुधवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक निर्माणाधीन गोदाम का हिस्सा अचानक ढह गया, जिससे कई मजदूर मलबे के नीचे दब गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और राहत एवं बचाव कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया। इस घटना में पांच मजदुरों की मौत हो चुकी है।

प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, तारातला क्षेत्र में ब्रेस ब्रिज के पास ट्रांसपोर्ट डिपो रोड पर एक गोदाम का निर्माण कार्य चल रहा था। बुधवार दोपहर मजदूर रोजाना की तरह निर्माण कार्य में जुटे हुए थे। इसी दौरान गोदाम की छत का एक बड़ा हिस्सा अचानक भरभराकर गिर पड़ा। भारी मलबा गिरते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई और कई लोग उसके नीचे दब गए। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय कई मजदूर निर्माण स्थल पर मौजूद थे। आशंका जताई जा रही है कि अभी भी काफी लोग मलबे के नीचे फंसे हो सकते हैं। इसी वजह से बचाव अभियान युद्ध स्तर पर चलाया जा रहा है।

वहीं, हादसे को लेकर भाजपा नेता राकेश सिंह ने कहा कि इस दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा, 'पांच लोगों की जान चली गई है। कुछ घायलों को अस्पताल भेजा गया है।' हालांकि, प्रशासन की ओर से मृतकों की संख्या को लेकर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है ।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और आपदा राहत टीमें मौके पर पहुंच गईं। बचावकर्मी मलबा हटाकर फंसे लोगों को निकालने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

'पापा मैं जिंदगी की जंग हार गई'

पंखे से झूलता मिला आप नेता नंदिनी का शव

एजेंसी ■ राजकोट

गुजरात के राजकोट शहर से एक बेहद सनसनीखेज और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां आम आदमी पार्टी की स्थानीय महिला नेता और पूर्व नगरपालिका प्रत्याशी नंदिनी बोस्मिया की उनके फ्लैट में संदिग्ध परिस्थितियों में पंखे से लटकी हुई लाश बरामद हुई है। नंदिनी यहां असलम हुसैन समा नाम के एक व्यक्ति के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थीं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मृतका के पिता ने लिव-इन पार्टनर असलम हुसैन पर हत्या कर शव को फंदे से लटकाने और इसे आत्महत्या का रूप देने का बेहद गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया है और मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है।

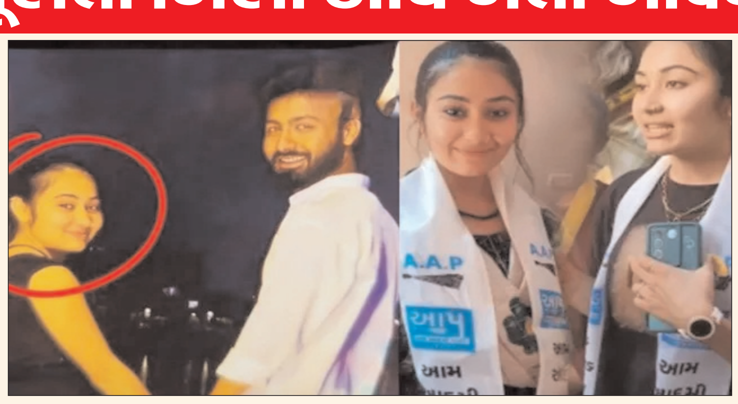

शादीशुदा असलम के साथ लिव-इन में रहती थीं नंदिनी, अक्सर होता था विवाद

मूल रूप से राजकोट के जेतपुर की रहने वाली नंदिनी बोस्मिया आम आदमी पार्टी की सक्रिय कार्यकर्ता थीं और जेतपुर से निकाय चुनाव भी लड़ चुकी थीं। वह पेशे से एक मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के रूप में भी काम करती थीं। पुलिस जांच के अनुसार, जूनागढ़ में रहने के दौरान नंदिनी की पहचान असलम हुसैन से हुई थी, जो पहले से शादीशुदा है और मादक पदार्थों की तस्करी के मामलों में भी लिप्त बताया जा रहा है। इसके बाद दोनों राजकोट के एक फ्लैट में लिव-इन में रहने लगे। असलम अक्सर जूनागढ़ अपनी पहली पत्नी से मिलने जाता था, जिसे लेकर दोनों के बीच अक्सर भारी विवाद और झगड़ा होता था।

दरवाजा खुला था और अंदर झूल रहा था शव; पिता ने खोले पुराने राज

घटना का खुलासा तब हुआ जब गत सोमवार की शाम नंदिनी की बेटी रूपल ने उन्हें कई फोन किए, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अनहोनी की आशंका होने पर जब उनके परिचित रवि जोशी फ्लैट पर पहुंचे, तो वहां का दरवाजा खुला हुआ था और अंदर कमरे में नंदिनी का शव पंखे से लटका हुआ था। मौके पर पहुंची मेडिकल टीम ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

केतन हत्याकांडः मां ने दोषियों के लिए मांगी फांसी

एजेंसी ■ पुणे

पुणे में चर्चित केतन अग्रवाल हत्याकांड को लेकर मृतक के पिता विशाल अग्रवाल ने कहा है कि उन्हें देश की न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है और मामले में शामिल सभी आरोपियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उनके बेटे को न्याय मिलने से ही उसकी आत्मा को शांति मिलेगी। विशाल अग्रवाल ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'मुझे न्याय व्यवस्था पर पूरा विश्वास है। इस मामले में सिया गोयल, चेतन चौधरी और अन्य जो भी लोग शामिल हैं, उन्हें सख्त से सख्त और जल्द से जल्द सजा मिलनी चाहिए'।

सिया ने बेटे की मौत की सच्चाई छिपाई- विशाल उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के बाद सिया गोयल ने लोगों को बताया था कि केतन ऊपर से फिसलकर गिर गया था। उनके अनुसार, मामले की सच्चाई को शुरुआत में छिपाने की कोशिश की गई। विशाल अग्रवाल ने यह भी दावा किया कि सिया गोयल के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारियां उनके परिवार से छिपाई गई थीं। वहीं, अपने बेटे के हत्यारों के लिए केतन की मां ने दोनों आरोपियों सिया गोयल और चेतन चौधरी के लिए फांसी की सजा की मांग की है। उन्होंने कहा मेरे बेटे की मौत की जिम्मेदार सिया और उसका प्रेमी है। मैंने सिया को बहू की तरह माना था, उसने बहुत बड़ा मुझे धोखा दिया है।

उपराष्ट्रपति ने 'वीआईपी कल्चर इन इंडिया: पावर, प्रिविलेज एंड द डिस्टेंस फ्रॉम डेमोक्रेसी' नामक पुस्तक का विमोचन किया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति भवन में 'वीआईपी कल्चर इन इंडिया: पावर, प्रिविलेज एंड द डिस्टेंस फ्रॉम डेमोक्रेसी' नामक पुस्तक का विमोचन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश के पूर्व राज्यसभा सांसद नबाम रेबिया और सह-लेखक संदीप कुमार द्वारा इस पुस्तक में उठाया गया विषय भारत में लोकतांत्रिक शासन और सार्वजनिक जीवन के मूल को छूता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि संविधान न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व पर आधारित समाज की परिकल्पना करता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि लोकतंत्र का सार नागरिकों और सार्वजनिक सत्ता के प्रभारी व्यक्तियों के बीच संबंधों में निहित है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब सार्वजनिक पद को विशेषाधिकार के बजाय एक उत्तरदायित्व के रूप में देखा जाता है।

उपराष्ट्रपति ने महान तमिल संत-कवि तिरुवल्लुवर को संदर्भित करते हुए कहा कि सच्चा नेतृत्व सुलभता, करुणा और जवाबदेही से पहचाना जाता है। उन्होंने कहा कि जो नेता जनता के प्रति सुलभ और सम्मानजनक बने रहते हैं, वे स्थायी विश्वास और प्रशंसा अर्जित करते हैं।

सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि पुस्तक में जिन विषयों पर चर्चा की गई है, वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस विजन के अनुरूप हैं जिसमें वे सार्वजनिक पद को विशेषाधिकार के बजाय सेवा का साधन मानते हैं। प्रधानमंत्री द्वारा विशिष्ट व्यक्तियों के लिए लाल बत्ती समाप्त करने के निर्णय और हाल ही में नीट परीक्षार्थियों को यातायात प्रतिबंधों से होने वाली असुविधा से बचाने के लिए अपने प्रस्थान में विलंब करने के उनके कदम का उल्लेख करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसे कार्य नागरिक-केंद्रित शासन का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और इस सिद्धांत को सुदृढ़ करते हैं कि सार्वजनिक प्राधिकरण नागरिकों की सेवा के लिए ही अस्तित्व में है। प्रधानमंत्री के शब्दों का स्मरण करते हुए, उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय विशेष है। प्रत्येक भारतीय एक वीआईपी है। उन्होंने कहा कि सेवा ही परम धर्म है।

उपराष्ट्रपति ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री और अन्य विशिष्ट व्यक्तित्वों की सादगी तथा जनसेवा की भावना का उल्लेख करने के लिए पुस्तक की सराहना की। उन्होंने कहा कि लेखकों ने उपनिषदों, रामचरितमानस, भगवान बुद्ध की शिक्षाओं और पंचतंत्र सहित भारत की सभ्यतागत और बौद्धिक परंपराओं के संदर्भों के माध्यम से अपने विश्लेषण को समृद्ध किया है।

सड़क दुर्घटनाओं में युवाओं की मृत्यु चिंताजनक: ओम बिरला

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर एवं कोटा बूंदी के सांसद ओम बिरला ने बुधवार को संसद भवन स्थित कार्यालय में अपने संसदीय क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक की। सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में कार्यरत संस्था 'सेव लाइफ फाउंडेशन' के प्रतिनिधियों के साथ हुई इस बैठक का उद्देश्य कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र में 'जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम' को प्रभावी ढंग से लागू कर सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु को न्यूनतम स्तर तक लाना तथा दीर्घकालिक रूप से शून्य मृत्यु दर (जीरो फेटेलिटी) सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करना था।

बैठक के दौरान स्पीकर ओम बिरला ने सड़क दुर्घटनाओं में हो रही मौतों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सड़क हादसों में सबसे अधिक जानें युवाओं की जाती हैं, जो न केवल परिवारों के लिए अपूरणीय क्षति है बल्कि राष्ट्र की उत्पादक शक्ति का भी नुकसान है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासनिक विषय नहीं बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का विषय है और इसे जन आंदोलन का स्वरूप देने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना नहीं, बल्कि कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र को एक आदर्श 'जीरो फेटेलिटी मॉडल' के रूप में विकसित करना है। उन्होंने कहा कि यदि समन्वित प्रयास किए जाएं तो आने वाले वर्षों में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों में 70 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है और अंतत: इसे शून्य के करीब पहुंचाया जा सकता है।

बैठक में 'सेव लाइफ फाउंडेशन' द्वारा प्रस्तुत विस्तृत अध्ययन और आंकड़ों पर चर्चा की गई। फाउंडेशन ने बताया कि कोटा-बूंदी क्षेत्र में प्रतिवर्ष औसतन 400 से अधिक लोगों की मृत्यु सड़क दुर्घटनाओं के कारण होती है।

गृह मंत्री अमित शाह जम्मू और गुवाहाटी में एनसीबी के जोनल कार्यालयों का उद्घाटन करेंगे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 26 जून को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनकॉर्ड) की 10वीं शीर्ष-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा आयोजित यह बैठक, प्रधानमंत्री मोदी के नशामुक्त भारत के विजन को साकार करने के सरकार के प्रयासों को और मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। यह बैठक हाइब्रिड मोड में 44 केन्द्रीय मंत्रालयों और विभागों के प्रमुख हितधारकों के साथ-साथ राज्य सरकारों और ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसियों के 108 प्रतिनिधियों को एक साथ लाएगी।

इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री 'मादक पदार्थ नियंत्रण पर विजन डॉक्यूमेंट (2026-2029)' जारी करेंगे। केन्द्र सरकार के संबंधित विभागों, मादक पदार्थ प्रवर्तन एजेंसियों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया यह विजन डॉक्यूमेंट, ड्रग की समस्या से निपटने के लिए मांग कम करने, आपूर्ति कम करने और नुकसान कम करने के पहलुओं पर एक साझा रोडमैप प्रदान करेगा। इस रोडमैप में नेटवर्क-केंद्रित प्रवर्तन अप्रोच की परिकल्पना की गई है। साथ ही, इसमें अगले तीन वर्षों के दौरान सिंथेटिक ड्रग्स और डार्कनेट के जरिए होने वाली तस्करी की चुनौतियों से निपटने, युवाओं को ड्रग्स से दूर रखने, और ड्रग्स का इस्तेमाल करने वालों के लिए इलाज व पुनर्वास केंद्रों की पहुंच बढ़ाने जैसे उपाय भी शामिल हैं, जिन्हें समन्वित और निरंतर तरीके से लागू किया जाएगा। यह दस्तावेज सभी हितधारकों की जिम्मेदारियों, समय-सीमाओं एवं लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करते हुए, प्रवर्तन, मांग में कमी, पुनर्वास, जन-जागरूकता, क्षमता निर्माण और अंतर-एजेंसी समन्वय को एकीकृत करता है। यह विजन डॉक्यूमेंट देश भर में ड्रग्स की समस्या से निपटने के लिए नीति बनाने, उसे लागू करने और संस्थागत मजबूती लाने के काम में एक मार्गदर्शक रूपरेखा के तौर पर काम करेगा।

इस अवसर पर अमित शाह एनसीबी वार्षिक रिपोर्ट - 2025 जारी करेंगे और जम्मू एवं गुवाहाटी में नवनिर्मित एनसीबी आंचलिक कार्यालयों का उद्घाटन करेंगे। 'ड्रग डिस्पोजल फोर्टनाइट कैंपेन' नशीले पदार्थों को नष्ट करने का एक विशेष अभियान है। इस पखवाड़े के दौरान, देशभर में अलग-अलग केन्द्रीय और राज्य कानून-प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा कानून के अनुसार लगभग 2,09,500 किलोग्राम नशीले पदार्थ नष्ट किए जाने की उम्मीद है, जिनकी कीमत 6,000 करोड़ रुपए है।

पंजाब में कल से शुरू होगा घर-घर मतदाता गणना का पहला चरण: मुख्य चुनाव अधिकारी आनंदिता मित्रा

विश्व केसरी ■

चंडीगढ़। पंजाब में आगामी चुनावों की तैयारियों को अमली जामा पहनाते हुए मुख्य चुनाव अधिकारी आनंदिता मित्रा ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। राज्य में कल, 25 जून से 24 जुलाई 2026 तक विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत घर-घर जाकर मतदाता गणना का पहला चरण शुरू होने जा रहा है। इस महा-अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए चुनाव अमले की ट्रेनिंग समेत सभी आवश्यक प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

इस व्यापक अभियान के तहत राज्यभर में करीब 24 हजार बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) तैनात किए गए हैं, जो पंजाब के 2.14 करोड़ से अधिक मतदाताओं की गणना करेंगे। मुख्य चुनाव अधिकारी ने बताया कि इनमें से 86 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं की मैपिंग का काम पहले ही पूरा किया जा चुका है। अभियान के दौरान बीएलओ हर घर का दौरा करेंगे, वहां प्री-प्रिंटेड फॉर्म बांटेंगे और उन्हें भरकर वापस इकट्ठा करेंगे। यदि कोई नागरिक अपने घर पर उपलब्ध नहीं मिलता है, तो बीएलओ कुल तीन बार उसके घर जाएंगे। इसके बावजूद मुलाकात न होने पर वे दरवाजे पर इस संबंध में एक स्टिकर लगाएंगे ताकि संबंधित नागरिक को सूचना मिल सके।

3 अगस्त को जारी होगा ड्राफ्ट, अक्टूबर में आएगी अंतिम मतदाता सूची

निर्धारित आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार, इस गणना के बाद 3 अगस्त 2026 को मतदाता सूची का ड्राफ्ट (प्रारूप) प्रकाशित किया जाएगा। इसके बाद आम जनता को आपत्तियां और दावे दर्ज कराने के लिए पर्याप्त समय दिया जाएगा, जिसकी अंतिम तिथि 2 सितंबर होगी। सभी दावों के निपटारे के बाद 1 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी जाएगी। मुख्य चुनाव अधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिन लोगों की मैपिंग नहीं हो सकी है, उन्हें नोटिस देकर दस्तावेज जमा करने का पूरा मौका मिलेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी योग्य नागरिक का वोट काटा नहीं जाएगा।

विदेशी पासपोर्ट धारकों के लिए सख्त चेतावनी: दो जगह वोट रखने पर होगी जेल

पंजाब में प्रवासी समुदाय (एनआरआई) की बड़ी संख्या को देखते हुए चुनाव आयोग ने विदेशी पासपोर्ट धारकों के संबंध में कड़े नियम साझा किए हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी ने साफ तौर पर कहा कि विदेशी पासपोर्ट धारक भारत में मतदान नहीं कर सकेंगे। इसके अलावा, यदि कोई व्यक्ति दो अलग-अलग जगहों पर वोट रखता है या विदेशी नागरिकता लेने के बाद भी अवैध रूप से भारतीय वोट रखता है, तो उसे कानूनन एक साल की कैद की सजा हो सकती है।

इस पूरी चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सभी राजनीतिक दलों के साथ बैठकें की जा चुकी हैं। साथ ही ग्राउंड रिपोर्ट की समीक्षा के लिए अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लगातार जमीनी फीडबैक लेते रहने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी ने राज्य के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने लोकतांत्रिक अधिकार को मजबूत करने के लिए बीएलओ का पूरा सहयोग करें।

भारत-यूके व्यापार संबंधों को मिलेगी नई ऊंचाई, 25-27 जून तक तीन दिवसीय ब्रिटेन दौरे पर जाएंगे पीयूष गोयल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 25 से 27 जून 2026 तक ब्रिटेन यानी यूनाइटेड किंगडम (यूके) के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। यह दौरा भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) और डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन (डीसीसी) के 15 जुलाई 2026 से लागू होने से पहले हो रहा है। इस यात्रा को दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह जानकारी बुधवार को एक आधिकारिक बयान में दी गई है।

बयान के अनुसार, दौरे के दौरान पीयूष गोयल ब्रिटेन के बिजनेस एंड ट्रेड सचिव पीटर काइल के साथ उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य सीईटीए और डीसीसी को प्रभावी ढंग से लागू करने की तैयारियों की समीक्षा करना और दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को और मजबूत बनाना है।

बैठक में नियामकीय प्रक्रियाओं के समन्वय, सीमा शुल्क व्यवस्था को सरल बनाने और समझौतों के सुचारू क्रियान्वयन के लिए आवश्यक प्रशासनिक तंत्र को अंतिम रूप देने पर चर्चा की जाएगी। दोनों पक्ष सीईटीए के तहत टैरिफ उदारीकरण की तैयारियों की भी समीक्षा करेंगे, जिससे भारतीय निर्यातकों को ब्रिटेन के बाजार में अधिक अवसर मिलने की उम्मीद है।

इसके अलावा, डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन (डीसीसी) के कार्यान्वयन के रोडमैप पर भी चर्चा होगी। यह समझौता अस्थायी रूप से विदेश में काम करने वाले पेशेवरों और कर्मचारियों के लिए दोहरी सामाजिक सुरक्षा अंशदान की समस्या को कम करेगा, जिससे व्यवसायों और पेशेवरों की वैश्विक आवाजाही को बढ़ावा मिलेगा।

बयान में आगे कहा गया है कि भारत और ब्रिटेन के बीच होने वाली वार्ता में विभिन्न सेवा क्षेत्रों में बाजार पहुंच से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा होगी। दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को और मजबूत बनाने के उपायों पर विचार करेंगे। यह पहल 'विकसित भारत' के विजन के अनुरूप वैश्विक आर्थिक अवसरों का विस्तार करने और नियम आधारित पारदर्शी व्यापार व्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

अपने दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल कई महत्वपूर्ण गवर्नमेंट-टू-बिजनेस (जीटूबी) कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे। वह इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। इस दौरान उनका विषय 'कैपिटल, इनोवेशन एंड द यूके-इंडिया मोमेंट' होगा। इस सत्र में भारत-यूके सीईटीए लागू होने के बाद वैश्विक कारोबार के लिए उभरते अवसरों पर चर्चा होगी।

पीयूष गोयल ब्रिटेन दौरे के दौरान कई प्रमुख वैश्विक कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों से भी अलग-अलग बैठकें करेंगे, जिनमें एचएसबीसी (ग्लोबल ट्रेड सॉल्यूशंस) और रोल्स-रॉयस जैसी कंपनियां शामिल हैं।

पंजाब में सरपंचों को अब हर महीने मिलेगा 10,000 रुपये मानदेय, मुख्यमंत्री भगवंत मान का बड़ा एलान

विश्व केसरी ■

पंजाब। पंजाब में चुनावी सरगर्मियां तेज होते ही भगवंत मान सरकार पूरी तरह से एक्शन मोड में आ गई है। महिलाओं के लिए मासिक भत्ते की घोषणा करने के बाद, अब सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के सबसे मजबूत स्तंभ यानी पंचायत सरपंचों को बड़ा तोहफा दिया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बठिंडा में आयोजित सरपंचों की एक अहम बैठक के दौरान एलान किया कि राज्य के सरपंचों को अब हर महीने 10,000 रुपये का मानदेय दिया जाएगा। राजनीतिक गलियारों में सरकार के इस कदम को आगामी चुनावों से पहले ग्रामीण वोट बैंक को मजबूत करने की एक बड़ी रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

15 अगस्त से लागू होगी योजना, मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर साधा निशाना

इस ऐतिहासिक फैसले की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि 15 अगस्त से राज्य के सभी सरपंचों के खातों में यह राशि आनी शुरू हो जाएगी। उन्होंने पिछली सरकारों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश की आजादी के दशकों बाद भी आज तक किसी भी दल या सरकार ने सरपंचों के आर्थिक सशक्तिकरण के बारे में गंभीर विचार नहीं किया। मान ने कहा, 'अगले साल देश की आजादी के 80 साल पूरे होने जा रहे हैं, लेकिन इतने लंबे समय में सरपंचों की सुध किसी ने नहीं ली। हमारी सरकार इस व्यवस्था को बदल रही है।'

कम आय वाली पंचायतों को मिलेगा संबल

मुख्यमंत्री ने पंचायतों की आर्थिक स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि पंजाब के कई गांवों के पास पंचायत की जमीनें हैं, जिससे उन्हें अच्छी आमदनी हो जाती है। इसके विपरीत, राज्य में कई ऐसे गांव भी हैं जिनकी पंचायतों के पास आय का कोई स्वतंत्र जरिया या वित्तीय स्रोत नहीं है। ऐसे गांवों के सरपंचों को अपनी जेब से या दिक्कतों का सामना करते हुए विकास कार्य और प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी करनी पड़ती हैं। सरकार का यह नया फैसला विशेष रूप से उन कम आय वाली ग्राम पंचायतों के सरपंचों के लिए एक बड़ा संबल साबित होगा।

महाराष्ट्र में 'नो योर डॉक्टर' क्यूआर सिस्टम लॉन्च, अब मिनटों में होगी डॉक्टर की पहचान

विश्व केसरी ■

मुंबई । राज्य के नागरिकों को असली और पंजीकृत डॉक्टरों की पहचान करने में मदद देने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ ने बुधवार को विधानसभा में बताया कि महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल ने 'नो योर डॉक्टर' नाम से एक क्यूआर कोड आधारित प्रणाली शुरू की है।

इस क्यूआर कोड को स्कैन करके नागरिक तुरंत यह जांच सकते हैं कि कोई डॉक्टर कानूनी रूप से पंजीकृत है या नहीं। इस पहल का उद्देश्य राज्य में फर्जी डॉक्टरों पर रोक लगाना भी है।

मंत्री ने यह जानकारी प्रश्नकाल के दौरान विजय देशमुख द्वारा सोलापुर जिले में फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ की गई कार्रवाई से जुड़े प्रश्न के जवाब में दी।

राज्य की चिकित्सा व्यवस्था के बारे में जानकारी देते हुए मंत्री ने बताया कि महाराष्ट्र में वर्तमान में लगभग 1.40 लाख पंजीकृत डॉक्टर स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। इसके अलावा, हर वर्ष करीब 12,824 नए एमबीबीएस स्नातक राज्य की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली से जुड़ते हैं।

मंत्री ने बताया कि 'फर्जी डॉक्टर' वे लोग हैं, जो आवश्यक पंजीकरण के बिना चिकित्सा सेवा देते हैं। इसमें एमबीबीएस और स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा, आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी तथा दंत चिकित्सा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में बिना अनुमति के प्रैक्टिस करने वाले लोग शामिल हैं।

वर्ष 2015 से 2026 के बीच राज्य में ऐसे अवैध चिकित्सकों के खिलाफ कुल 89 आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। इस समस्या पर नियंत्रण के लिए सरकार ने निगरानी समितियां बनाई हैं। जिला स्तर पर जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में और तहसील स्तर पर तहसीलदार की अध्यक्षता में समितियां काम कर रही हैं।

मंत्री ने बताया कि इन समितियों का जल्द पुनर्गठन किया जाएगा और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाएगा ताकि निगरानी और सख्त हो सके।

भारत डायनामिक्स को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स से मिला 1,348 करोड़ रुपए का ऑर्डर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । भारत डायनामिक्स को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से 1,347.71 करोड़ रुपए का सैन्य ऑर्डर मिला है, जिसमें हेलीकॉप्टर पर लगने वाले मिसाइल लॉन्चर भी शामिल हैं। यह जानकारी सरकारी कंपनी की ओर से बुधवार को एक्सचेंज को दी गई।

इस ऑर्डर में 1,109.37 करोड़ रुपए के हेलिना लॉन्चर और लाइन रिप्लेसेबल यूनिट्स (एलआरयू) और 238.34 करोड़ रुपए के काउंटर मेजर्स डिस्पेंसिंग सिस्टम एलआरयू शामिल हैं।

भारत डायनामिक्स ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि यह कॉन्ट्रैक्ट 24 से 60 महीनों में पूरा किया जाएगा।

हेलिना (हेलीकॉप्टर से लॉन्च होने वाली एनएजी) भारत के डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित एक स्वदेशी, तीसरी पीढ़ी की 'फायर-एंड-फॉरगेट' एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम) है। हेलिना लॉन्चर खास तरह के ट्विन-ट्यूब स्टब-विंग माउंट होते हैं जिन्हें भारतीय सैन्य हेलीकॉप्टरों (जैसे एचएएल रुद्र और एलएएल प्रचंड) पर लगाया जाता है, ताकि दुश्मन के भारी बख्तरबंद लक्ष्यों के खिलाफ इन मिसाइलों का इस्तेमाल किया जा सके।

काउंटर मेजर्स डिस्पेंसिंग सिस्टम एलआरयू (लाइन रिप्लेसेबल यूनिट्स) मॉड्यूलर, स्टैंडर्ड हार्डवेयर कंपोनेंट होते हैं जो एयरक्राफ्ट के डिफेंसिव सेल्फ-प्रोटेक्शन सुइट का हिस्सा होते हैं। इनका मुख्य काम हेलीकॉप्टर की ओर आ रही रडार-गाइडेड या इन्फ्रारेड-सीकिंग मिसाइलों को भ्रमित करने और नाकाम करने के लिए अपने आप या मैन्युअल रूप से चैफ और फ्लेयर्स छोड़ना है।

भारत डायनामिक्स मुख्य रूप से डीआरडीओ के साथ मिलकर मिसाइलें और टॉरपीडो बनाती है।

वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में बीडीएल के मुनाफे में सालाना आधार पर 58.5 प्रतिशत की कमजोरी देखने को मिली थी, जिससे मुनाफा घटकर 113 करोड़ रुपए रह गया था, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 273 करोड़ रुपए पर था।

इस दौरान कंपनी की आय सालाना आधार पर 73 प्रतिशत घटकर 480 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 1,777 करोड़ रुपए थी।

वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में कंपनी एबिटा सालाना आधार पर 81.5 प्रतिशत कम होकर 55.2 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 299 करोड़ रुपए पर था। इस दौरान कंपनी का मार्जिन कम होकर 11.5 प्रतिशत हो गया है,जो कि एक साल पहले समान अवधि में 16.5 प्रतिशत था।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को साड़ी खरीदी की राशि सीधे खातों में मिलेगी

विश्व केसरी

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने लिया बड़ा फैसला

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सुशासन की संकल्पना को साकार करने के लिए लगातार बड़े सुधारात्मक कदम उठा रही है। राज्य सरकार अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य करते हुए शासन की व्यवस्थाओं को अधिक पारदर्शी, सरल और जनहितैषी बनाने के लिए निरंतर नवाचार कर रही है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं पसंद की साड़ी चयन करने की स्वतंत्रता

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने विभाग में एक महत्वपूर्ण और दूरगामी सुधार का निर्णय लेते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के लिए साड़ी की संचालनालय स्तर पर होने वाली केंद्रीकृत खरीदी व्यवस्था को समाप्त कर दिया है। अब साड़ी खरीदी के लिए निर्धारित राशि सीधे कर्मचारियों के बैंक खातों में अंतरित की जाएगी। हाल के दिनों में साड़ी खरीदी प्रक्रिया को लेकर सामने आए विभिन्न मुद्दों तथा प्राप्त सुझावों का गंभीरता से परीक्षण करने के बाद यह निर्णय लिया गया है। यह कदम न केवल व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा बल्कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को अपनी पसंद और आवश्यकता के अनुरूप साड़ी चयन करने की स्वतंत्रता भी प्रदान करेगा।

डायरेक्ट बेनिफिट के माध्यम से राशि का ट्रांसफर

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्पष्ट सोच है कि शासन की राशि अधिकतम रूप से डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से सीधे लक्षित व्यक्ति तक पहुंचे, ताकि बिचौलियों और अनावश्यक प्रक्रियाओं की कोई गुंजाइश न रहे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी प्रदेश में अनेक पारदर्शी और तकनीक आधारित सुधार लागू कर सुशासन का नया मॉडल प्रस्तुत किया है। विभाग का यह निर्णय उसी सोच का विस्तार है।

साड़ी का रंग एवं डिज़ाइन विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी

मंत्री राजवाड़े ने विभाग को निर्देशित किया है कि साड़ी का डिज़ाइन पूर्ववत रखा जाए तथा अंतिम स्वरूप आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं से परामर्श के बाद निर्धारित किया जाए। साड़ी का रंग एवं डिज़ाइन विभागीय स्तर पर निर्धारित कर उसकी जानकारी विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि पूरे प्रदेश में एकरूपता बनी रहे। वहीं साड़ी के कपड़े जैसे कॉटन, सिंथेटिक अथवा अन्य विकल्पों का चयन स्थानीय स्तर पर स्वयं कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं कर सकेंगी।

अभनपुर की गलियों में रात गुजार रहे जिला अध्यक्ष

विश्व केसरी

रायपुर। कांग्रेस ने अब अपना पूरा फोकस सीधे गांवों की चौपाल पर शिफ्ट कर दिया है। रायपुर के अभनपुर और कुरूद विधानसभा क्षेत्र के गांवों में इन दिनों कुछ अलग ही हलचल है। पार्टी के नए जिला अध्यक्ष अब दफ्तरों में नहीं, बल्कि गांव वालों के घरों में रात गुजार रहे हैं।

बता दें कि 20 जून से रायपुर में चल रहे जिला अध्यक्षों के ट्रेनिंग कैंप के बाद अब उन्हें फील्ड ट्रेनिंग पर भेज दिया गया है।

अभनपुर के नवागांव, कोलियारी, घोंट-सोंठ और थानौद जैसे गांवों में मंगलवार की शाम को ही 20 जिला अध्यक्षों की टीमें पहुंच गई थीं। उन्होंने आम ग्रामीणों के घरों में रात्रि विश्राम किया। इनका मकसद साफ है किताबी ट्रेनिंग के बजाय सीधे जनता के बीच जाकर समस्याओं को समझना।

बुधवार की सुबह होते ही ये नेता गांवों के चौक-चौराहों पर नजर आए। चाय के ठेले-गुमटियों पर कांग्रेस के कार्यकर्ता ग्रामीणों से छत्तीसगढ़ की वर्तमान सरकार के काम-काज पर राय लेते नजर आए।

सूत्रों की मानें तो इस पूरी कवायद के पीछे पार्टी के बड़े नेताओं का बड़ा एजेंडा है। हाल ही में इस शिविर में राहुल गांधी खुद पहुंचे थे। उन्होंने जिला अध्यक्षों को जनता से जुड़ने का सीधा मंत्र दिया है। प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट और प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज लगातार इन नेताओं की निगरानी कर रहे हैं।

5-5 लोगों की टीमें बनाई गई हैं ताकि हर एक छोटी समस्या पर बारीकी से काम हो सके। अगर अभनपुर और कुरूद का यह रात्रि प्रवास प्रयोग सफल रहा, तो कांग्रेस इसे पूरे छत्तीसगढ़ में लागू कर सकती है।

खाद संकट पर जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी का कलेक्टर कार्यालय घेराव

विश्व केसरी

राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन, किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने की मांग

रायपुर। प्रदेश में खाद की कमी और किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक नहीं मिलने के विरोध में बुधवार को जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी एवं छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के कार्यकर्ताओं ने रायपुर कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रतीकात्मक रूप से अर्थी निकालकर अपना विरोध दर्ज कराया और राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन के दौरान पार्टी पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ को देश का धान का कटोरा कहा जाता है, लेकिन किसानों को खेती के लिए आवश्यक खाद समय पर और पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। उनका कहना था कि खाद वितरण व्यवस्था में अव्यवस्था के कारण किसानों को घंटों कतारों में खड़ा रहना पड़ रहा है, जबकि कई किसानों को बिना खाद लिए ही वापस लौटना पड़ रहा है।

पार्टी नेताओं ने दावा किया कि किसानों को प्रति एकड़ दिए जाने वाले खाद की मात्रा में कटौती की जा रही है, जिससे खेती-किसानी प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है।

शहादत देने वालों के परिवार को कब मिलेगा न्याय?

विश्व केसरी

पुनर्वास नीति-2025 का लाभ नहीं मिलने पर विधानसभा अध्यक्ष से लगाई गुहार

रायपुर। नक्सल हिंसा से प्रभावित एक परिवार ने पुनर्वास नीति का लाभ नहीं मिलने पर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से हस्तक्षेप की मांग की है। परिवार का आरोप है कि शासन द्वारा नक्सल पीड़ितों के लिए बनाई गई राहत एवं पुनर्वास नीति-2025 के तहत आवेदन करने के बावजूद उन्हें अब तक लाभ नहीं मिल पाया है।

राजनांदगांव जिले के निवासी धीरेंद्र कुमार साहू ने विधानसभा अध्यक्ष को दिए आवेदन में बताया है कि उन्होंने 14 मई 2026 को नक्सलवादी आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत पुनर्वास नीति-2025 के तहत सहायता प्राप्त करने के लिए आवेदन किया था। आवेदन के बाद पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव द्वारा मामले की जांच कर अनुशंसा की गई तथा पुलिस महानिरीक्षक, राजनांदगांव रेंज ने भी 27 मई 2026 को आवश्यक कार्यवाई के लिए जिला प्रशासन को पत्र प्रेषित किया।

परिवार का कहना है कि पुलिस विभाग की ओर से सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी किए जाने के बावजूद जिला प्रशासन स्तर पर प्रकरण लंबित है। इससे पीड़ित परिवार को राहत और पुनर्वास सहायता मिलने में देरी हो रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि नक्सल हिंसा में अपने परिजनों को खोने वाले परिवारों को आखिर कब तक सरकारी प्रक्रियाओं और कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ेंगे।

आवेदन में कहा गया है कि पुनर्वास नीति का उद्देश्य नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों को समय पर सहायता और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है, लेकिन लाभ मिलने में हो रही देरी से नीति की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

धीरेंद्र कुमार साहू ने विधानसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया है कि वे मामले में हस्तक्षेप कर जिला प्रशासन को लंबित प्रकरण पर शीघ्र निर्णय लेने के निर्देश दें, ताकि पात्र परिवार को शासन की पुनर्वास नीति का लाभ मिल सके।

पीड़ित परिवार ने कहा कि उनकी मांग किसी विभाग या अधिकारी के खिलाफ नहीं है, बल्कि नक्सल प्रभावित परिवारों को उनके अधिकार और न्याय दिलाने से जुड़ी है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांग को राजधानी तक पहुंचाने के लिए आंदोलन का रास्ता अपनाने पर विवश होंगे।

52 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन, सड़क-नाली समेत सात कार्य जल्द होंगे शुरू

विश्व केसरी

रायपुर। ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर निगम जोन-9 के महात्मा गांधी वार्ड क्रमांक 8 में लगभग 52 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू के प्रतिनिधि मैकमिलन साहू ने नगर निगम एमआईसी सदस्य खेम कुमार सेन, वार्ड पार्षद सावित्री धीवर तथा स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में भूमि पूजन कर कार्यों का शुभारंभ किया।

जानकारी के अनुसार वार्ड के विभिन्न सात स्थानों पर सड़क निर्माण, नाली निर्माण, पाइप लाइन विस्तार, गार्डन मरम्मत सहित अन्य जनसुविधा से जुड़े विकास कार्य कराए जाएंगे। भूमिपूजन कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता, युवा, महिलाएं, वार्डवासी एवं नगर निगम जोन-9 के अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर मैकमिलन साहू ने कहा कि क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वीकृत सभी विकास कार्यों को तत्काल प्रारंभ कराया जाए तथा गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी ताकि आम जनता को जल्द से जल्द इन सुविधाओं का लाभ मिल सके। स्थानीय लोगों ने भी वार्ड में लंबे समय से लंबित विकास कार्यों के शुरू होने पर खुशी जताई और जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

संयुक्त नियंत्रक संचार लेखा, छत्तीसगढ़ परिमंडल द्वारा 'पेंशन संवाद' का सफल आयोजन

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पेंशनभोगियों की समस्याओं के त्वरित समाधान और पेंशन सेवाओं को अधिक प्रभावी व पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से रायपुर स्थित संयुक्त नियंत्रक संचार लेखा, छत्तीसगढ़ परिमंडल कार्यालय में 'पेंशन संवाद' कार्यक्रम का आज आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त नियंत्रक संचार लेखा श्री प्रेम प्रकाश ने की। इस महत्वपूर्ण संवाद कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ दूरसंचार विभाग के अनेक पेंशनभोगियों ने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया। इसके साथ ही, छत्तीसगढ़ परिमंडल के भारत संचार निगम लिमिटेड के विभिन्न कार्यालयों के अधिकारी भी ऑनलाइन माध्यम से इस कार्यक्रम से जुड़े।

कार्यक्रम के दौरान पेंशनभोगियों द्वारा पारिवारिक पेंशन, सेवानिवृत्ति लाभ, डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र, 'संपन्न' (SAMPANN - System for Accounting and Management of Pension) पोर्टल से संबंधित मुद्दों तथा अन्य पेंशन मामलों से जुड़ी शिकायतें एवं सुझाव प्रमुखता से प्रस्तुत किए गए। विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पेंशनभोगियों की इन समस्याओं और शिकायतों का तत्परता से निवारण किया गया तथा उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

पेंशनभोगियों को संबोधित करते हुए संयुक्त नियंत्रक संचार लेखा श्री प्रेम प्रकाश ने पेंशन संबंधी विभिन्न प्रक्रियाओं, आवश्यक सावधानियों और समय-समय पर अपने अभिलेखों को अद्यतन (update) रखने के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न डिजिटल सुविधाओं से भी सभी को अवगत कराया तथा उनका अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया।

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में शुरू होगी 'हॉर्नबिल सफारी

विश्व केसरी

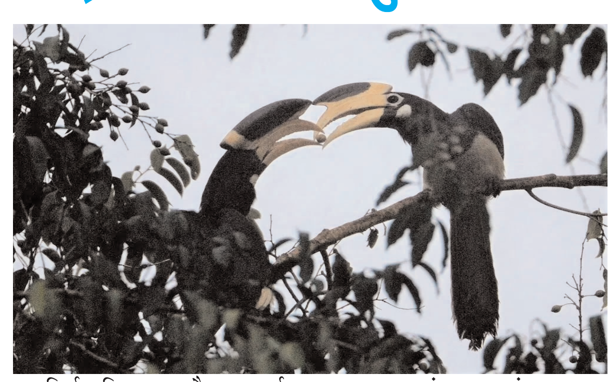

रायपुर। 'हॉर्नबिल' से संबंधित प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों से संबंधित 'हॉर्नबिल' पक्षी देखने के लिए जाने वाली वाली 'साराचित्र' या 'हॉर्नबिल' से संबंधित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हैं। हॉर्नबिल मुख्य रूप से जंगल, रेगिस्तान पश्चिमी घाट और मध्य भारत के नाम परनापति और सदाबहार वनों में रहना पसंद करते हैं।

'हॉर्नबिल धनु' की शुरुआत का लिया गया फैसला

छत्तीसगढ़ के उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में पोर्टफोलियो संरक्षण और सोलर डेवलपमेंट को नई दिशा देने वाली एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। वन मंत्री केदार कश्यप के फर्स्ट पर रिजर्व मैनेजमेंट द्वारा विशेष रूप से ड्रॉफ वन जातीय ग्रुप (पीवीटीजी) के क्षेत्र ओढ़, अमलोर और आमामोरा में 'हॉर्नबिल सहारिन' शुरू करने का निर्णय लिया गया है। यह दुर्लभ मॅलाबार पाइड हॉर्नबिल के संरक्षण को स्थानीय अध्ययन के साथ-साथ रोजगार और आय के नए अवसरों के लिए भी प्रदान करता है।

संरक्षण और फसल को साथ लेकर आगे बढ़ रहा वन विभाग

वन मंत्री केदार कश्यप की सोच के अनुरूप वन विभाग वन एवं नमूनों के संरक्षण कार्य में स्थानीय समुदायों की भागीदारी और उत्पादों से जुड़ाव की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख अरुण कुमार पांडे और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणि) ओ.पी. यादव के निर्देशन में उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में कई नवाचार किये जा रहे हैं, रेलवे संरक्षण और ग्रामीण विकास को एक साथ बढ़ावा दिया जा रहा है।

चार सालों में भव्य हॉर्नबिल की आबादी

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में पिछले चार वर्षों के दौरान मंगलबार पाइड हॉर्नबिल की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। यह सफलता एंटी-पॉचिंग अभियान, स्क्वाड रिमूवल की कार्रवाई, फलदार वृक्षों के संरक्षण एवं संवर्धन और 'हॉर्नबिल रेस्तरां' जैसे नवोन्वेषी पहल का परिणाम है। स्थानीय स्थानीय लोगों की सक्रियता भागीदारी ने भी इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हॉर्नबिल टीम ने निभाई अहम भूमिका

हॉर्नबिल संरक्षण के लिए गठित विशेष ट्रैकिंग टीम लगातार पक्षियों की गतिविधियों, घोंसलों और आवास क्षेत्रों की निगरानी कर रही है। वन विभाग के कर्मचारियों के साथ स्थानीय ट्रैकर्स भी इस अभियान से जुड़े हुए हैं। उनके सतत प्रयासों से ओढ़, अमलोर और आमामोरा के आसपास का वन क्षेत्र आज हॉर्नबिल के सुरक्षित आवास और आकर्षक बर्डिंग स्थल के रूप में विकसित हो चुका है।

रिश्तों में बढ़ती हत्याओं का प्रमुख कारण सामाजिक दूरी

विश्व केसरी

प्रेम, विश्वास, और अपराध

(विशेष रपट आर.पी. दुबे)

रायपुर। रायपुर हाल के वर्षों में देश में ऐसे कई मामले सामने आए है। जिनमें प्रेम संबंध, विवाह, या सगाई के बाद हत्या जैसी गंभीर घटनाएं हुई है। मध्य प्रदेश के चर्चित सोनम रघुवंशी प्रकरण और पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड जैसे मामलों ने समाज को झकझोर कर रख दिया है। इन घटनाओं ने यह सवाल खड़ा किया है कि आखिर रिश्तों में यह विश्वास और प्रेम की जगह हिंसा क्यों स्थान ले रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इन घटनाओं का केवल महिला या पुरुष अपराध के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि बदलते सामाजिक ढांचे, व्यक्तिगत महत्वकांक्षाओं और मानसिक दबावों के संदर्भ में समझना होगा। आधुनिक समाज में युवाओं को अपने जीवन साथी चुनने की अधिक स्वतंत्रा मिली हुई है। लेकिन इसके साथ ही रिश्तों में अपेक्षाएं भी बढ़ी है । जब अपेक्षाएं पूरी नहीं होती, तो कई बार विवाद गंभीर रूप ले लेते है। संभवतय उपरोक्त दोनो घटनाक्रम उन विवादो के कारण हुई है ऐसा माना जा सकता है।

समाजशास्त्रियों के अनुसार, प्रेम संबंधों और विवाह में बढ़ती असहिष्णुता एक बड़ा कारण है। पहले परिवार और समाज रिश्तों को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे, लेकिन अब व्यक्तिगत निर्णयों का दायरा बढ़ गया है । ऐसे में कई युवा भावनात्मक संकटों का सामना अकेले कर रहे होते है। असफल प्रेम, विवाहेतर संबंध, आर्थिक स्वार्थ, सामाजिक प्रतिष्ठा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की चाह कई बार अपराध की पृष्ठभूमि तैयार करती है।

मनोवैज्ञानिक मानते है कि सोशल मीडिया और डिजिटल संस्कृति ने भी रिश्तो की जटिलता बढ़ाई है। लोगों की निजी जिंदगी अधिक सार्वजनिक हो गई है। ईर्ष्या,शक, असुरक्षा,और नियंत्रण की भावना रिश्तों में तनाव पैदा करती है। कई मामलों में अपराध अचानक नहीं होते, बल्कि लंबे समय से चल रहे तनाव, विवाद और अविश्वास का परिणाम होते है।

हालांकि कुछ मामलों में महिलाएं आरोपी के रूप में सामने आई है, लेकिन राष्ट्रीय अपराध आंकड़े बताते है कि घरेलु और वैवाहिक अपराधों में पुरुष और महिलाएं दोनों अलग अलग परिस्थितियों में अपराधी या पीड़ित बनते है। इसलिए यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि केवल लड़कियां ही पति या मंगेतर की हत्या कर रही हैं। वास्तविक

ता यह है कि रिश्तों में अपराध का स्वरूप दोनों पक्षों से जुड़ा हुआ है । विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए परिवारों में संवाद, भावनात्मक परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। युवाओं को यह समझना होगा कि किसी भी रिश्ते में मतभेद स्वाभाविक है,लेकिन उनका समाधान हिंसा नहीं हो सकता शिक्षा संस्थानों और समाज को भी स्वयं रिश्तें में भावनात्मक संतुलन और विवाद समाधान को बढ़ावा देना होगा।

व्यक्तिगत स्वतंत्रता की आदत प्रमुख कारण डॉ परियल

उपरोक्त मामलों में रायपुर के जाने माने मनोचिकित्सक डॉ परियल का कहना है युवाओं में व्यक्तिगत स्वतंत्रता एक प्रमुख कारण हो सकता है क्योंकि युवाओं को आर्थिक सक्षम माहौल मिल रहा है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के विषयों को मीडिया भी अधिक महत्व न दें। उनका कहना था कि गरीब ही अपराधी हो सकते है ऐसा नही है पैसे वाले भी अपराधी हो सकते है इस प्रकार की घटना के कारण बचपन से ही युवा में दिखने लगती है जिसे परिवार इग्नोर करता है एक वजह यह भी है यह एक सामाजिक विकृति है जिसे माता पिता समाज में भूमिका अधिक बढ़कर रोक सकते है इसके युवाओं का माता पिता से अलग होकर जीवन जीने की प्रवृति से भी यह घटनाएं सामने आ रही है।

आगामी कार्यक्रमों की डिजिटल रणनीति पर मंथन

विश्व केसरी

भाजपा आईटी सेल की प्रदेश कार्यसमिति बैठक संपन्न

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी आईटी सेल की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक बुधवार को प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में संपन्न हुई। बैठक में संगठनात्मक विषयों के साथ आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा बूथ स्तर तक संगठन को डिजिटल रूप से और अधिक सशक्त बनाने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती, सरल एप में आवश्यक जानकारी अद्यतन करने, सोशल मीडिया समूहों के गठन, बूथ समितियों के सत्यापन, जिला एवं मंडल स्तर पर आईटी टीमों के गठन सहित विभिन्न कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने संबंधी आवश्यक जानकारी पदाधिकारियों को दी गई।

संपादकीय

लखनऊ कोचिंग अग्निकांडः क्या हमारे बच्चों की सुरक्षा सिर्फ खबर बनकर रह जाएगी?

डॉ. सत्यवान सौरभ

लखनऊ में हुए हालिया कोचिंग अग्निकांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। धुएँ से घिरी इमारतें, चीखते-बिलखते विद्यार्थी, घबराए हुए अभिभावक और राहत-बचाव दलों की भागदौड़—ये दृश्य केवल एक दुर्घटना की तस्वीर नहीं हैं, बल्कि हमारी व्यवस्था की उन कमजोरियों का आईना हैं जिन्हें हम वर्षों से अनदेखा करते आ रहे हैं। हर बार किसी बड़े हादसे के बाद कुछ दिनों तक शोक, संवेदना औरआक्रोश दिखाई देता है, फिर सब कुछ सामान्य हो जाता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हमारे बच्चों की सुरक्षा केवल कुछ दिनों की खबर बनकर रह जाएगी? क्या हम तब तक जागेंगे नहीं, जब तक अगली त्रासदी किसी और शहर में, किसी और कोचिंग संस्थान या हॉस्टल में घटित नहीं हो जाती?

आज भारत में लाखों विद्यार्थी अपने घरों से दूर रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। कोटा, दिल्ली, लखनऊ, प्रयागराज, पटना, जयपुर और चंडीगढ़ जैसे शहर शिक्षा के बड़े केंद्र बन चुके हैं। अभिभावक अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए बड़ी उम्मीदों के साथ उन्हें इन संस्थानों में भेजते हैं। वे फीस भरते हैं, हॉस्टल का खर्च उठाते हैं और यह भरोसा करते हैं कि जहां उनका बच्चा पढ़ रहा है, वहां उसकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। दुर्भाग्य से यह भरोसा कई बार टूट जाता है।

ऐसे हादसे अचानक नहीं होते। इनके पीछे वर्षों की लापरवाही, नियमों की अनदेखी और जवाबदेही की कमी होती है। जब किसी इमारत में पर्याप्त आपातकालीन निकास नहीं होते, जब बिजली की वायरिंग मानकों के अनुरूप नहीं होती, जब फायर एक्सटिंग्विशर केवल दिखावे के लिए लगाए जाते हैं, जब भवन निर्माण नियमों को ताक पर रखकर व्यावसायिक गतिविधियां चलाई जाती हैं, तब किसी भी दिन एक छोटी-सी चिंगारी बड़ी त्रासदी का रूप ले सकती है।

इस घटना के बाद सबसे पहला प्रश्न अभिभावकों को स्वयं से पूछना चाहिए कि क्या उन्होंने कभी अपने बच्चे के कोचिंग संस्थान, हॉस्टल या पीजी की सुरक्षा व्यवस्था की वास्तविक जांच की है? अक्सर हम संस्थान की प्रतिष्ठा, परिणाम और सुविधाओं के बारे में पूछते हैं, लेकिन सुरक्षा संबंधी प्रश्नों को नजरअंदाज कर देते हैं। यह प्रवृत्ति बदलनी होगी। बच्चे के भविष्य जितना महत्वपूर्ण है, उसका जीवन और सुरक्षा उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

अभिभावकों को सबसे पहले आपातकालीन निकास की स्थिति की जांच करनी चाहिए। किसी भी भवन में आग लगने की स्थिति में सुरक्षित निकास जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर साबित हो सकता है। कई संस्थानों में आपातकालीन सीढ़ियां या तो बंद रहती हैं या उनमें सामान भरा रहता है। कुछ जगहों पर सुरक्षा द्वारों पर ताले लगे होते हैं। ऐसी स्थिति में भगदड़ और अफरा-तफरी के दौरान बाहर निकलना लगभग असंभव हो जाता है। यदि किसी भवन में आपातकालीन निकास स्पष्ट रूप से चिन्हित नहीं हैं या उनके उपयोग में कोई बाधा है, तो उसे गंभीर चेतावनी समझना चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता और कार्यशीलता है। फायर एक्सटिंग्विशर केवल दीवारों पर टांग देने से सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो जाती। उनकी नियमित जांच, रखरखाव और समय-समय पर रिफिलिंग आवश्यक है। अभिभावकों को यह जानने का अधिकार है कि संस्थान में कितने अग्निशमन यंत्र हैं, उनकी वैधता क्या है और क्या स्टाफ को उनके उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया है। यदि कोई संस्थान इन सवालों के स्पष्ट उत्तर नहीं देता, तो उसकी सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर संदेह होना चाहिए।

तीसरा मुद्दा फायर एनओसी यानी अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाणपत्र का है। हमारे देश में अक्सर देखा गया है कि कागजों पर सभी नियम पूरे दिखाई देते हैं, लेकिन वास्तविक स्थिति अलग होती है। कई बार निरीक्षण केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है। इसलिए केवल एनओसी की प्रति देखना पर्याप्त नहीं है। उसकी वैधता, निरीक्षण रिपोर्ट और सुरक्षा मानकों की वास्तविक स्थिति की भी जांच आवश्यक है। प्रशासन को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि फायर एनओसी केवल कागजी प्रक्रिया न रह जाए, बल्कि वास्तविक सुरक्षा का प्रमाण बने।

इमारत की संरचना भी सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू है। कई कोचिंग संस्थान संकरी गलियों में स्थित बहुमंजिला इमारतों में संचालित होते हैं। इनमें पर्याप्त वेंटिलेशन नहीं होता, खिड़कियां सीमित होती हैं और भीड़ क्षमता से कहीं अधिक होती है। ऐसी इमारतें दुर्घटना की स्थिति में मौत के जाल में बदल सकती हैं। इसलिए भवन निर्माण मानकों का पालन सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

सुरक्षा केवल उपकरणों से नहीं आती, बल्कि तैयारी से भी आती है। क्या संस्थान नियमित फायर ड्रिल आयोजित करता है? क्या विद्यार्थियों को बताया जाता है कि आपातकाल की स्थिति में क्या करना है? क्या स्टाफ को प्राथमिक आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया है? इन प्रश्नों के उत्तर अक्सर नकारात्मक होते हैं। जबकि विकसित देशों में स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में नियमित सुरक्षा अभ्यास अनिवार्य होता है। भारत में भी यह व्यवस्था लागू की जानी चाहिए।

कैसे भूलें वो साल : थोपा गया आपातकाल!

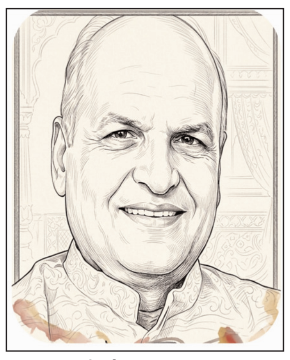

गिरीश पंकज

25 जून, 1975 को भूल पाना संभव है, जब इस देश पर आपातकाल थोपा गया था. नागरिक स्वतंत्रता खत्म हो गई थी आपातकाल के दौर को याद करने का मतलब है उस अराजक-आततायी दौर को याद करना, जिसने आज़ाद भारत को दुबारा गुलाम बना दिया था. इसीलिए अगर यह कहा जाता है कि वह 'दूसरी आजादी' थी तो गलत नहीं। उन दिनों जब देश में आपातकाल लगा, मैं सत्रह वर्ष का था.साहित्य और समाज में सक्रिय होने की प्रक्रिया में था. बाल कविताएं लिखा करता था. राष्ट्रवादी सोच से जुड़ कर चीज़ों को देख-समझ रहा था. उस दौर ने मेरे अनगढ़ लेखन को सोच की दिशा देने में महती भूमिका भी अदा की, यह मैं भूल नहीं सकता . उस वक्त जब लोकनायक जयप्रकाश नारायण का आन्दोलन उफान पर था. तब मैं ग्यारहवीं का छात्र था। अखबारों से पता चलता था कि देश वैचारिक आन्दोलन से उद्वेलित है. केंद्र में बैठी सत्ता जेपी के लोक जागरण को बर्दाश्त नहीं कर पा रही थी. जिस नेहरू ने आजादी की लड़ाई में सक्रिय भाग लिया, उसी नेहरू की बेटी आजादी की हत्या कर रही थी। हमारे जैसे अनेक किशोर-युवा तब ठीक-ठीक समझ नहीं पा रहे थे कि आखिर ऐसा क्या हो गया कि देश में अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता पर अंकुश लगा दिया गया है, ये कैसा भारत है जो अचानक अपने ही लोगों द्वारा फिर से गुलाम कर दिया गया ? क्या सत्ता का नशा इतना भयानक होता है ? और उस दौर के प्रगतिशील साहित्यकार क्या कर रहे थे ?

शर्म आती है, जब मैं उन दिनों के इतिहास से गुजरता हूँ। अपने आपको प्रगतिशील' कहने वाले साहित्यकार 'पतनशील' साहित्यकार बन चुके थे और ''राग दरबारी' गा रहे थे, बीस सूत्री कार्यक्रम के पक्ष में प्रस्ताव पारित कर रहे थे। आश्चर्य हुआ कि कुछ स्वनामधन्य व्यंग्यकार भी आपातकाल को महिमा-मंडित कर रहे थे. ये कैसे व्यंग्यकार थे, जो घुटने टेक कर बैठे थे? ये कैसी प्रगतिशीलता थी, जो शरणागत होने को अपना धर्म बता रही थ?.? विकलांग सोच के लोग सरकार के प्रति श्रद्धा से भरे हुए थे। कहा जा सकता है की वह दौर विकलांग श्रद्धा का दौर बन गया था। कुछ लेखक संगठन और अखबार भी ''इन्दिराशरणम गच्छामि' हो गए थे.लालकृष्ण आडवानी जी का यह कथन मशहूर है कि ''जब इंदिरा गाँधी ने अखबार वालों से कहा कि झुक जाओ तो वे लेट गए''.

उस वक्त मैं विवेकान्द महाविद्यालय, मनेन्द्रगढ़ में प्रथम वर्ष का छात्र था. लिखने-पढ़ने का शौक था. लेकिन आपातकाल के बाद सारे अखबार मज़बूरी में निकल रहे थे, सही खबरे मिल नहीं पा रही थी। प्रतीकों में बाते होती थी. गुप्त रूप से सरकार की तानाशाही के विरुद्ध काम किया जा रहा था. मुझे इस बात का गर्व है की उस दौर में मैं भी भूमिगत हो कर आन्दोलन का हिस्सा था. हालाँकि मेरे घर पर भी पुलिस ने छापा मारा था, लेकिन पिताजी को भनक लग गयी तो उनहोंने जयप्रकाश नारायण पर केन्द्रित पुस्तक सहित मेरे पास रखे क्रांतिकारी साहित्य को ले जा कर कहीं छिपा दिया. उस वक्त मैं शाखा भी जाता था, इसलिए प्रशासन की नज़र में था. छापेमारी के बाद पिताजी ने कहा, ''सावधान रहना, अगर पकडे गए, तो जेल चले जाओगे और अपना काम नहीं कर सकोगे'' पिताजी की सलाह के बाद में कुछ मित्र भूमिगत हो कर काम करने लगे.

सरकार के अन्याय के खिलाफ पर्चे तैयार करना, उन्हें चुपचाप

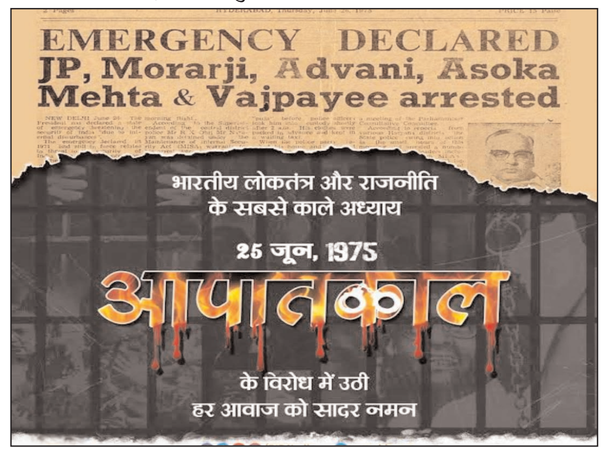

पोस्ट करना. हम कुछ युवाओं का प्रतिदिन का काम था. हम लोग कुछ मैटर अपने मन से बनाते, कुछ हमें प्राप्त होते. मुझे याद आते हैं कि तपस्वी-पुरुष प्रचारक बाबा साहेब पुराणिक भेष बदल-बदल कर भ्रमण करते थे, वे मनेन्द्रगढ़ आते और कुछ न कुछ साहित्य हमें दे जाते थे. हम लोग उसकी 'स्टेंसिल' काट कर उसी छापते और इधर-उधर बाँट देते थे. ये सब काम करते हुए मेरे युवा मन को बेहद सुकून मिलता था. मुझे महसूस होता की मैं भी भगत सिंह चंद्रशेखर आज़ाद जैसा कुछ काम कर रहा ह?. क्रांतिकारी भी भूमिगत हो कर देश की आजादी के लिए काम करते रहे.

दूसरी आजादी के संघर्ष के दौरान जब कुछ सक्रिय नेताओं की जब गिरफ्तारी होती तो हम लोग उनके साथ थाने तक जाते और 'भारत माता की जय'', वन्देमातरम ' के नारे लगाते. पुलिस हमें खदेड़ती, फिर भी हम डटे रहते. पुलिस की दिमागी दिवालियापन देखकर बड़ी कोफ़्त होती थी । खीझ कर हंसते भी थे। शरीर से काफी मोटे नेता सत्यनारायण अग्रवाल और रंगलाल जी को बिजली के खम्भे पर चढ़ कर तार कटाने के आरोप मे गिरफ्तार किया गया था। अनेक फूहड़ और हास्यास्पद आरोप लगा कर प्रशासन नेताओं को गिरफ्तार कर रहा था। पिछले दिनों जैसा दमन अन्ना हजारे और रामदेव बाबा का किया गया, लगभग वैसा दमन उस दौर में जे पी का किया गया। उनका सर तक फोड़ दिया था सरकार ने।

सरकार के दमन से विचलित हो कर तब मैंने भी एक कविता लिखने की कोशिश की थी-

कब तक अत्याचार करेगी
दिल्ली तू
फिर से हम आज़ाद हो जायेंगे
सूरज बंदी नहीं रहा अंधियारे
का,
फिर हम गीत गायेंगे उजाले के.

उस वक्त कविता लेखन के शिल्प को पकड़ने की कोशिश चल रही थी, अपनी और दूसरे लोगों की क्रांतिकारी कवितायेँ हम लोग डाक के द्वारा सरकारी आफरों तक पहुंचा दिया करते थे। प्रशासन के लोग हैरान थे कि ये काम करता कौन है? हम लोगों को सरकार विरोधी जागरण के काम को करनेमें बड़ा आनंद आता था। कालेज की पढ़ाई चौपट हो रही थी, मगर इतनी तैयारी रहती थी कि पास हो जाएँ। और पास हुए भी .उस वक्त हम लोग रंगमंच के माध्यम से भी प्रतिकार कर लेते थे। देश प्रेम जगाने वाले फ़िल्मी गीत प्रस्तुत किया करते थे कुछ नाटक भी ऐसे होते जिनमें देश के लिए बलिदान की कथा होती। प्रशासन की खूनी नज़र हम पर थी, इसलिए हमें सावधान रहना था. उस दौर में सरकार के संरक्षण में पूंजीवाद भी अपने चरमोत्कर्ष पर था,. तब मैंने एक कविता लिखी थी
-

हर सेठ खुशहाल मियाँ
नोंच देश की खाल मियाँ .
घर भर ले 'सरकार' भरोसे,
बना हमें कंगाल मियाँ .

आखिर वो सुबह आयी, जिसका पूरे देश को इंतज़ार था। लोक तंत्र की जीत हुई, विश्व के दबाव के कारण देश से आपातकाल हटा और देश ने चैन की सांस ली। हम सब ने इसे 'दूसरी आजादी' का नाम दिया।

उसके बाद तानाशाह इंदिरा गांधी को अपनी करतूत का अंजाम भुगतना पडा। वे सत्ता से बेदखल हो गयी। देश की राजनीति को एक सन्देश मिला कि अगर देश के लोगों का दमन होगा तो उसका पतन तय है. देश में अघोषित आपातकाल तब नज़र आता है, जब अभिव्यक्ति पर पहरे लगे दिखते है . अन्याय के खिलाफ आंदोलित लोगो पर तरह-तरह के अंकुश लगाये जाते हैं .खैर, जो भी हो, देश की विभिन्न सत्ताओं ने दुबारा आपातकाल लगाने की सोची नहीं. भविष्य में भी इसकी संभावना नहीं है, लेकिन मेरे जैसे छोटे-मोटे लेखक उसी दौर की उपज हैं.

आज मेरी कलम व्यंग्य विधा में सक्रिय है तो मैं इसका सारा ''श्रेय'' इमरजेंसी को ही दूंगा, जिसने मेरे मन में अन्याय के खिलाफ प्रतिरोध की भावना भरने का काम किया. व्यंग्य विसंगतियों से उपजता है. उस दौर की विसंगतियाँ आज भी रूप बदल-बदल कर आती रहती है। दूसरी आजादी के लिए किये गए संघर्ष के दौरान जवान हुई पीढ़ी को देश के प्रति जीने-मरने के संस्कार आपातकाल के कारण ही मिले इसे कम से कम इन पंक्तियों का लेखक तो नहीं भूल सकता. उसी दौर में मैंने ये कविता भी लिखी थी- ''हर हाल में हम सच का बयान करेंगे/ बहरे तक सुन लें वो गान करेंगे/ खुद को अल्लाह जो मानने लगे/ ऐसे हर शख्स को इंसान करेंगे.''

आजादी के बाद भारत देश में अनेक ऐसे अवसर आये जब देश की आजादी कलंकित हुयी, लेकिन आपातकाल लगाना सर्वाधिक कलंकित करने वाली घटना थी. आज पचास साल बाद भी उस दौर की याद हृदय को शोक से भर देती है।

हम यह सोचने पर विवश हो जाते हैं कि सत्ता प्रतिरोध क्यों नहीं सहन कर पाती? अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता प्राप्त देश में अभिव्यक्ति का संकट क्यों उपजता है? अब वे काले दिन दुबारा न देखने को मिले, हर भारतीय यही चाहता है. दोबारा किसी दल ने आपातकाल जैसी स्थिति लादने की कोशिश की, तो उस दल का भी वही हश्र होगा, जो कांग्रेस का हुआ था।

girishpankajv@gmail.com

ईरान, होर्मुज और बदलती विश्व व्यवस्था

महेन्द्र तिवारी

विश्व राजनीति में शक्ति का अर्थ समय के साथ निरंतर बदलता रहा है। इतिहास के विभिन्न कालखंडों में शक्ति के मानक बदलते रहे हैं। कभी विशाल और अजेय सेनाएँ किसी साम्राज्य या देश की ताकत का सबसे बड़ा प्रतीक मानी जाती थीं, तो कभी औद्योगिक क्रांति के बाद औद्योगिक उत्पादन और आर्थिक क्षमता को वैश्विक शक्ति का मुख्य आधार समझा गया। 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में, विशेषकर शीतयुद्ध के दौर में, परमाणु हथियारों को सर्वोच्च शक्ति और संप्रभुता का प्रतीक माना जाने लगा। ऐसा माना जाता था कि परमाणु क्षमता से संपन्न देश ही वैश्विक व्यवस्था की दिशा तय कर सकते हैं। किंतु 21वीं शताब्दी के आगमन ने इन सभी पारंपरिक धारणाओं को पीछे छोड़ दिया है। आज के दौर में वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति, तकनीकी नेटवर्क और समुद्री मार्गों ने शक्ति की परिभाषा को एक बिल्कुल नया और बहुआयामी स्वरूप प्रदान किया है। हाल के वर्षों में ईरान और पश्चिमी देशों के बीच बढ़े तनाव तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उभरी परिस्थितियों ने यह पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक दुनिया में केवल सैन्य सामर्थ्य ही निर्णायक नहीं है। किसी महत्वपूर्ण भौगोलिक मार्ग, संसाधन अथवा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर नियंत्रण भी उतना ही प्रभावशाली और रणनीतिक साधन बन सकता है। यही वह महत्वपूर्ण संदेश है जो ईरान की वर्तमान रणनीति के माध्यम से पूरी दुनिया के सामने उभरकर आया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पश्चिम एशिया का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील समुद्री मार्ग है। भौगोलिक दृष्टि से यह फारस की खाड़ी को अरब सागर और हिंद महासागर से जोड़ता है। इस संकरे मार्ग का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि सऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे दुनिया के सबसे प्रमुख तेल उत्पादक देशों का समुद्री निर्यात इसी मार्ग से होकर गुजरता है। वैश्विक कच्चे तेल की कुल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा रोजाना इस संकरे जलमार्ग से दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुँचता है। इसके अलावा, तरल प्राकृतिक गैस के वैश्विक समुद्री व्यापार का भी एक बहुत बड़ा भाग इसी रास्ते से तय होता है। इसलिए होर्मुज केवल एक साधारण जलमार्ग नहीं है, बल्कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कन है। यदि इस मार्ग में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न होती है या तनाव बढ़ता है, तो उसका सीधा और तात्कालिक प्रभाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा की कीमतों, समुद्री परिवहन लागत, औद्योगिक उत्पादन और दुनिया भर के उपभोक्ता बाजारों पर दिखाई देने लगता है।

इस पूरे परिदृश्य में ईरान की भौगोलिक स्थिति उसे इस क्षेत्र में एक विशिष्ट सामरिक महत्व प्रदान करती है। इस जलडमरूमध्य के उत्तरी तट पर ईरान का सीधा भौगोलिक प्रभाव है और इसी कारण वह लंबे समय से इस मार्ग को अपनी सबसे बड़ी रणनीतिक शक्ति के रूप में देखता रहा है। जब भी पश्चिमी देशों द्वारा ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए या उसकी सुरक्षा संबंधी चिंताओं की अनदेखी की गई, तब उसने बार-बार यह संकेत दिया कि वह होर्मुज में जहाजों के आवागमन को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। कई अवसरों पर ईरान ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से यह चेतावनी भी दी है कि यदि उसके राष्ट्रीय हितों को गंभीर नुकसान पहुँचाया गया, तो वह इस मार्ग को पूरी तरह बंद करने अथवा यहाँ अतिरिक्त नियंत्रण स्थापित करने पर विचार कर सकता है। यहीं से दुनिया के लिए एक नया भू-राजनीतिक संदेश निकलता है कि आधुनिक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में भूगोल स्वयं एक बहुत बड़ी शक्ति है।

बोध कथा

शांति-धीरज महत्वपूर्ण

नए विचारों का जन्म प्रकृति के बीच एकांत और शांति के द्वारा ही संभव है, कुछ पल एकांत में रहे।

एक बार महात्मा बुद्ध अपने शिष्य आनंद के साथ कहीं जा रहे थे। राह में काफी चलने के बाद दोपहर में एक वृक्ष तले विश्राम को रुक गए और उन्हें प्यास लगी। आनंद पास स्थित पहाड़ी झरने पर पानी लेने गया लेकिन झरने में अभी-अभी कुछ पशु दौड़ कर निकले थे। जिससे उसका पानी गंदा हो गया। पशुओं की भागदौड़ से झरने में कीचड़ ही कीचड़ और सड़े पत्ते बाहर उभर कर आ गए थे। गंदा पानी होने के कारण आनंद पानी बिना पीए ही लौट आए। उसने महात्मा से कहा कि झरने का पानी निर्मल नहीं है। मैं पीछे लौटकर नदी से पानी ले आता हूं, लेकिन नदी बहुत दूर थी तो बुद्ध ने उसे झरने का पानी ही लाने को वापस लौटा दिया। आनंद थोड़ी देर में फिर खाली लौट आया। पानी अब भी गंदा था। पर बुद्ध ने उसे इस बार भी वापस लौटा दिया। कुछ देर बाद जब तीसरी बार आनंद झरने के पास पहुंचा तो देखकर चकित हो गया। झरना अब बिल्कुल निर्मल और शांत हो गया था। कीचड़ बैठ गया था और जल बिल्कुल निर्मल हो गया था। महात्मा बुद्ध ने उसे समझाया कि यही स्थिति हमारे मन की भी है। जीवन की दौड़ - भाग मन को भी छिन्न कर देती है। मथ देती है पर कोई यदि शांति और धीरज से उसे बैठा देखता रहे तो कीचड़ अपने आप नीचे बैठ जाता है और सहज निर्मलता का आगमन हो जाता है। हमें अपनी जिंदगी में भागदौड़ के बीच रोजाना कुछ पल अपने लिए भी निकालना चाहिए। इन पलों में शांति से एकांत में बैठकर अपनी समीक्षा करना चाहिए। विचारों की गति देखना चाहिए कि क्या मैं सही दिशा में जा रहा हूं। क्यों जीवन में बिना लक्ष्य के ही हम भागे चले जा रहे हैं। जीवन को समझना है तो एकांत और शांति में जाना होगा।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

दो गज़ ज़मीन

अशोक मतवाला

कभी इंसान दो गज़ ज़मीन के लिए तरसता था। अब हालत यह है कि हर कोई साबित करने में लगा है कि उसके पास दो गज़ ज़मीन तो क्या, दो इंच इज़्ज़त भी नहीं थी। वह जन्म लेते ही वंचित हो गया था और तब से आज तक वंचित ही चल रहा है।

भारत के इतिहास में 1990 और 2014 बड़े दिलचस्प साल रहे। 1990 के बाद देश में एक नई प्रतियोगिता शुरू हुई— 'मैं तुमसे ज़्यादा पिछड़ा हूँ '। जो कल तक गाँव के चौधरी थे, वे अचानक सामाजिक प्रयोगशाला के दुर्लभ नमूने घोषित होने लगे। कई दबंग, जमींदार और रसूखदार जातियाँ ऐसे व्यवहार करने लगीं मानो विकास की प्रक्रिया ने उन्हें अभी तक छुआ ही न हो। वे स्वयं को एककोशिकीय जीव सिद्ध करने में जुट गईं। लगता था कि डार्विन का सिद्धांत इनके घर के सामने आकर लौट गया हो।

फिर आया 2014। इसके बाद राजनीति में एक और अद्भुत प्रतियोगिता शुरू हुई— 'सबसे बड़ा अभावग्रस्त कौन? '। नेता मंच पर आते और बताते कि बचपन में उनके पास कुछ नहीं था। कोई कहता, 'मैं भूखा सोया हूँ।' दूसरा कहता, 'मैं और ज़्यादा भूखा सोया हूँ।' तीसरा माइक पकड़कर घोषणा करता, 'आप दोनों हटिए, मैं तो भूखा पैदा हुआ था। '

अब स्थिति यह है कि यदि किसी नेता के बचपन की तस्वीर में पीछे पंखा दिखाई दे जाए तो उसे तुरंत सफाई देनी पड़ती है कि पंखा पड़ोसी का था और बिजली भी उधार की थी।

देश में अभाव का ऐसा स्वर्णिम युग आया है कि करोड़पति भी अपने पूर्वजों की गरीबी के प्रमाण जुटा रहे हैं। कोई अपने दादा की फटी बनियान का फोटो फ्रेम करवा रहा है, तो कोई परदादा के टूटी चप्पल वाले संस्मरण प्रकाशित करवा रहा है। ऐसा लगता है कि भविष्य में चुनाव आयोग को आय प्रमाण पत्र के साथ-साथ 'गरीबी प्रमाण पत्र' भी जारी करना पड़ेगा।

हैरानी की बात यह है कि सब लोग अपने हिस्से की दो गज़ ज़मीन से संतुष्ट नहीं हैं। सबको पड़ोसी की चार गज़ भी चाहिए। नारा भले ही न्याय का हो, लक्ष्य अक्सर हिस्सा बढ़ाने का ही होता है। कोई आरक्षण की कतार में आगे घुसना चाहता है, कोई सत्ता की कतार में। कोई सुविधाओं का हकदार है, तो कोई हकदारी का भी हकदार बनना चाहता है।

कबीर ने कहा था— 'साईं इतना दीजिए, जामे कुटुम समाय।' लेकिन आधुनिक भारत का संशोधित संस्करण कुछ यूँ है— 'साईं इतना दीजिए, पड़ोसी का हिस्सा भी समाय। '

और इस महान दौड़ में देश आगे बढ़ रहा है। सब साबित कर रहे हैं कि उनके पास कुछ नहीं है, जबकि पूरा संघर्ष इसी बात का है कि जो कुछ है, वह भी कम क्यों है और जो दूसरे के पास है, वह मेरे पास कब आएगा।

दो गज़ ज़मीन की तलाश अब कब्र के लिए नहीं, कब्ज़े के लिए हो रही है।

इतिहास

24 जून के ऐतिहासिक दिन को दुनिया भर में बर्लिन नाकाबंदी की शुरुआत और स्पेनिश चित्रकार पाब्लो पिकासो की पहली प्रदर्शनी के लिए जाना जाता है। भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आज की कुछ प्रमुख घटनाएं निम्नलिखित हैं: महत्वपूर्ण घटनाएं1717: दुनिया के पहले फ्रीमेसोनरी 'ग्रैंड लॉज' की स्थापना लंदन में की गई थी।1901: प्रसिद्ध स्पेनिश चित्रकार पाब्लो पिकासो ने पेरिस में अपनी पहली कला प्रदर्शनी खोली थी।1948: सोवियत संघ ने पश्चिमी बर्लिन की ओर जाने वाली सभी सड़क और रेल लाइनों को बंद कर दिया, जिससे 'बर्लिन नाकाबंदी' की शुरुआत हुई। 2002: तंजानिया के मसागाली के पास हुए अफ्रीका के सबसे भीषण ट्रेन हादसे में 281 लोगों की जान चली गई थी।?? प्रसिद्ध हस्तियों का जन्म1937: प्रसिद्ध भारतीय-अंग्रेज़ी लेखिका 'अनिता देसाई' का जन्म हुआ था। 1941: भारतीय मूल की फ्रांसीसी लेखिका और दार्शनिक 'जूलिया क्रिस्टेवा' का जन्म हुआ था।

संक्षिप्त खबरें

रायगढ़ प्लांट में बड़ा हादसा, अचानक फर्नेस में हुआ विस्फोट

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के पूंजी पथरा स्थित रायगढ़ इस्पात संयंत्र में गुरुवार को फर्नेस क्षेत्र में अचानक गैस बनने और धुआं फैलने की घटना से हड़कंप मच गया। इस दौरान चार मजदूर घायल हो गए, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए अपेक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी घायलों की हालत फिलहाल स्थिर और खतरे से बाहर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, बरसात के दौरान कच्चे माल में नमी (मॉइश्चर) जाने के कारण फर्नेस में रिएक्शन हुआ, जिससे गैस का दबाव बढ़ गया और धुआं तेजी से फैल गया। इसी स्थिति में वहां काम कर रहे मजदूरों के बीच अफरा-तफरी मच गई और कुछ मजदूर घबराकर इधर-उधर भागने लगे, जिससे उन्हें चोटें आईं। घायलों में अमरेश कुमार, फिरोज आलम खान और रामनाथ सूर्यवंशी (जांजगीर-चांपा निवासी) शामिल हैं, जबकि एक अन्य मजदूर की पहचान अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। दो घायलों को बेहतर इलाज के लिए रेफर करने की तैयारी की जा रही है। हालांकि संयंत्र प्रबंधन ने इसे 'ब्लास्ट' मानने से इनकार किया है। रायगढ़ इस्पात के जीएम सुनील पांडा ने कहा कि यह कोई विस्फोट नहीं था, बल्कि फर्नेस में नमी के कारण गैस बनने से धुआं और घबराहट की स्थिति पैदा हुई। उनके अनुसार, इसी अफरा-तफरी में कुछ मजदूरों को चोटें आईं। घटना के बाद संयंत्र प्रबंधन के अधिकारी अस्पताल पहुंचकर घायलों के इलाज पर नजर बनाए हुए हैं।

बस्तर के 30 मेधावी छात्र IIT मद्रास में लेंगे सेमीकंडक्टर चिप निर्माण की ट्रेनिंग, पहली बार करेंगे हवाई सफर

जगदलपुर। बस्तर संभाग के युवाओं के लिए तकनीकी शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। पहली बार बस्तर विश्वविद्यालय के 30 मेधावी छात्रों को देश के प्रतिष्ठित संस्थान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास में सेमीकंडक्टर चिप मैन्युफैक्चरिंग की विशेष ट्रेनिंग लेने का अवसर मिलेगा। यह पहल छात्रों को अत्याधुनिक तकनीकों से जोड़ने के साथ-साथ भविष्य के हाई-टेक रोजगार बाजार के लिए तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। जानकारी के अनुसार, IIT मद्रास में 12 से 24 जुलाई तक आयोजित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए बस्तर विश्वविद्यालय के छात्रों का चयन किया जाएगा। चयन प्रक्रिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटरनल टेस्ट की मेरिट सूची के आधार पर पूरी होगी। चयनित 30 छात्र पहली बार हवाई यात्रा कर चेन्नई पहुंचेंगे और देश के शीर्ष तकनीकी संस्थानों में से IIT मद्रास में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को लेकर प्रशासन भी उत्साहित है। चयनित छात्रों को राज्यपाल की उपस्थिति में रवाना किए जाने की तैयारी है। विशेष बात यह है कि छात्रों की हवाई यात्रा का पूरा खर्च दंतेवाड़ा जिला प्रशासन वहन करेगा। वहीं, इस पहल को सफल बनाने में बस्तर कलेक्टर की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली छात्रों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता साबित करने का अवसर मिलेगा।

बस्तर विश्वविद्यालय के कुलपति मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को सेमीकंडक्टर चिप निर्माण, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, एडवांस डेटा ट्रांसफर सिस्टम और आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। यह प्रशिक्षण उन्हें उद्योगों की वर्तमान मांग और भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के अनुरूप कौशल विकसित करने में मदद करेगा।

खाद-बीज, बिजली-पानी के मुद्दे पर कांग्रेस का हंगामा

विश्व केसरी■

पंडरिया। किसानों और आम जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेसियों ने पंडरिया के विधायक भावना बोहरा के गृह ग्राम तारनापुर स्थित निवास का घेराव किया । खाद-बीज की कमी, बिजली संकट पर कांग्रेसियों का गस्सा फूटा । प्रदर्शन के दौरान पुलिस से धक्का-मुक्की भी हुई।

बैरिकेड तोड़ने की कोशिश, पुलिस से हुई झड़प

पंडरिया विधानसभा क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में मौजूद थें। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने पहले से बैरिकेड लगाए थे। इस दौरान कांग्रेसियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई। पूर्व विधायक ममता चंद्राकर सहित कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने किसानों और आम जनता से जुड़ी मुददे पर प्रशासन का ध्यान खींचा। किसानो ने मांग किया कि खाद-बीज उपलब्ध की जाए। बिजली व्यवस्था में सुधार हो। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जनता परेशान है और सरकार-प्रशासन को जवाब देना होगा। जनता का सीधा सवाल- खाद-बीज कब मिलेगा? विद्युत व्यवस्था कब होगी? संकट का समाधान कब होगा?

डिटर्जेंट फैक्ट्री की आड़ में चल रहा था अवैध गुटखा कारोबार, पुलिस ने भारी मात्रा में सामग्री की जप्त

दुर्ग। जिले के जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कचांदुर में पुलिस ने अवैध गुटखा निर्माण और पैकेजिंग के बड़े कारोबार का खुलासा करते हुए भारी मात्रा में तैयार गुटखा, सुपारी और निर्माण सामग्री जप्त की है। कार्रवाई के दौरान गोदाम से गुटखा बनाने में उपयोग होने वाली मशीनें और कच्चा माल भी बरामद किया गया।

जानकारी के अनुसार, सुपेला निवासी मोहम्मद मुस्तफा के गोदाम को उत्तर प्रदेश के उन्नाव निवासी मोहम्मद शान ने करीब 20 दिन पहले किराए पर लिया था। गोदाम किराए पर लेते समय उसने वहां डिटर्जेंट पाउडर निर्माण का कार्य करने की बात कही थी। हालांकि कई दिनों तक किराएदार से कोई संपर्क नहीं होने और उसका मोबाइल फोन लगातार बंद रहने पर गोदाम मालिक को संदेह हुआ। इसके बाद उसने मामले की सूचना जेवरा सिरसा चौकी पुलिस को दी।

सूचना पर पुलिस टीम ने गोदाम पहुंचकर जांच की। तलाशी

के दौरान गोदाम से 32 बड़े बोरों में तैयार जर्दायुक्त गुटखा, 32 बोरों में मीठी सुपारी, गुटखा निर्माण में उपयोग होने वाला कच्चा माल तथा पैकिंग और मिक्सिंग मशीनें बरामद की गईं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को भी मौके पर बुलाया। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि गोदाम में अवैध रूप से गुटखा निर्माण और पैकेजिंग का कार्य संचालित किया जा रहा था।

पुलिस ने बरामद सामग्री को खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया है। वहीं मामले में संलिप्त व्यक्तियों की तलाश की जा रही है और उनके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है।

समय पर नहीं पहुंचते शिक्षक, गांव का युवक संभाल रहा बच्चों की पढ़ाई

विश्व केसरी■

महासमुंद। जिले के दूरस्थ ग्राम समदरहा में शिक्षा व्यवस्था की बदहाली का मामला सामने आया है। यहां शासकीय प्राथमिक शाला में पदस्थ शिक्षकों के समय पर स्कूल नहीं पहुंचने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। स्थिति ऐसी बन गई है कि गांव का एक युवक बच्चों को संभालते हुए उन्हें पढ़ाता नजर आया।

बुधवार को स्कूल का निरीक्षण करने पर पता चला कि विद्यालय में पदस्थ एक शिक्षक अवकाश पर थे, जबकि प्रधानपाठक दशरथ नंद निर्धारित समय के काफी बाद सुबह करीब 10:40 बजे स्कूल पहुंचे। इस दौरान विद्यालय में मौजूद बच्चों की देखरेख और पढ़ाई की जिम्मेदारी गांव के एक युवक द्वारा निभाई जा रही थी। ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षकों के नियमित रूप से समय पर उपस्थित नहीं होने

से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। स्कूल में बच्चों की उपस्थिति तो रही, लेकिन उन्हें शासन की महत्वाकांक्षी मध्याह्न भोजन योजना का लाभ नहीं मिल सका। मामले की जानकारी लेने पर पता चला कि रसोइया के अनुपस्थित रहने के कारण भोजन तैयार नहीं किया गया। विद्यालय की व्यवस्था और निगरानी को लेकर जब संकुल समन्वयक नवीन कुमार मिश्रा से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो वे भी अपने संकुल मुख्यालय तथा पदस्थ शाला में उपस्थित नहीं मिले। इससे शिक्षा विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

एक ओर सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर समदरहा जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों की लापरवाही और अधिकारियों की उदासीनता उन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। स्कूल में शिक्षकों की अनुपस्थिति, गांव के युवक द्वारा बच्चों को पढ़ाना और मध्याह्न भोजन का नहीं बनना शिक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर करता है।

अब सवाल यह है कि बच्चों के भविष्य से जुड़े ऐसे मामलों में शिक्षा विभाग कब तक आंखें मूंदे रहेगा और जिम्मेदार अधिकारियों पर क्या कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तथा विद्यालय की व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

कोरगांव में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों का कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन, कार्रवाई की मांग

विश्व केसरी■

धमतरी। धमतरी जिले के मगरलोड विकासखंड अंतर्गत ग्राम कोरगांव के ग्रामीणों ने गांव की शासकीय भूमि पर लंबे समय से हो रहे अवैध कब्जे के विरोध में कलेक्ट्रेट पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव की करीब ढाई सौ एकड़ शासकीय जमीन पर पिछले लगभग दस वर्षों से बाहरी लोगों द्वारा लगातार अतिक्रमण किया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि इस अतिक्रमण के कारण चरागाह भूमि और अन्य सार्वजनिक उपयोग की जमीनें प्रभावित हो रही हैं। पशुपालकों को अपने मवेशियों के लिए चारागाह उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और दैनिक जीवन पर असर पड़ रहा है।

नाराज ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला प्रशासन को ज्ञापन

सौंपा और जल्द से जल्द शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन द्वारा शीघ्र अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो गांव में तनाव और विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, और वे चक्का जाम जैसे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। वहीं, मामले पर प्रशासन ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है। जिला प्रशासन ने कहा है कि मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी और भूमि से संबंधित स्थिति का सर्वे कराया जाएगा। कलेक्टर अविनाश मिश्रा ने बताया कि मामले की जानकारी तहसीलदार को दे दी गई है तथा गांव की बाउंड्री और सीमांकन को सुरक्षित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अब ग्रामीणों की नजर प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई है कि कब तक शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाता है।

डोंगरगढ़ की 55 करोड़ की परिक्रमा पथ परियोजना पर विवाद तेज, कांग्रेस ने निरस्त करने की मांग की

विश्व केसरी■

डोंगरगढ़। डोंगरगढ़ में प्रस्तावित 55 करोड़ रुपये की परिक्रमा पथ परियोजना को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। भूमि अधिग्रहण, परियोजना की उपयोगिता और सार्वजनिक धन के खर्च पर उठ रहे सवालों के बीच अब राजनीतिक ताप भी बढ़ गया है। इसी क्रम में विपक्षी दल कांग्रेस ने खुलकर विरोध दर्ज कराते हुए परियोजना को तत्काल निरस्त करने की मांग की है।

कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर कहा है कि यह परियोजना शहर की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप नहीं है और इसमें प्राथमिकताओं का गलत निर्धारण किया गया है।

किसानों का आरोप है कि पर्याप्त शासकीय भूमि उपलब्ध होने के बावजूद निजी कृषि भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है, जिससे प्रभावित परिवारों में असंतोष बढ़

रहा है। ग्राम छिरपानी और आसपास के ग्रामीणों ने भूमि चयन प्रक्रिया पर गंभीर आपत्तियां दर्ज कराई हैं। प्रभावित किसानों ने पहले कलेक्टर कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। संतोषजनक समाधान नहीं मिलने पर मामला संभाग आयुक्त तक पहुंचा। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें भूमि अधिग्रहण से पहले पर्याप्त जानकारी नहीं दी गई और उनकी आपत्तियों का समुचित निराकरण भी नहीं किया गया।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस परियोजना को लेकर प्रशासन की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाए हैं। पार्टी का कहना है कि डोंगरगढ़ लंबे समय से बाईपास सड़क की मांग कर रहा है, ताकि शहर में भारी वाहनों के दबाव और दुर्घटनाओं की समस्या कम हो सके।

कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि अधिक जरूरी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की जगह धार्मिक पर्यटन से जुड़ी इस योजना पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उनका यह भी कहना है ।

नट समुदाय ने छोड़ी दगना प्रथा, बच्चों के सुरक्षित भविष्य का लिया संकल्प

विश्व केसरी■

मुंगेली। बच्चों को अंधविश्वासों की बेड़ियों से मुक्त कर सुरक्षित और स्वस्थ जीवन देने के उद्देश्य से मुंगेली जिले में नट समुदाय के बीच विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान वर्षों से चली आ रही दगना प्रथा के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई और लोगों को बीमार बच्चों का समय पर इलाज कराने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में चिकित्सक डॉ. मनीष बंजारा ने बताया कि दगना प्रथा के तहत निमोनिया, सर्दी-खांसी, बुखार, पेट दर्द या अन्य बीमारियों से पीड़ित बच्चों के शरीर को गर्म लोहे की सलाखों, छल्लों अथवा अन्य गर्म वस्तुओं से दागा जाता है। उन्होंने कहा कि यह प्रथा न केवल अमानवीय है, बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य के लिए बेहद

खतरनाक भी है। इससे संक्रमण, गंभीर घाव, विकलांगता और कई मामलों में जान का खतरा तक पैदा हो सकता है। डॉ. बंजारा ने कहा कि बीमारी का उपचार अंधविश्वास से नहीं, बल्कि समय पर उचित चिकित्सा से संभव है। दगना से बीमारी ठीक नहीं होती, बल्कि बच्चों को असहनीय पीड़ा और गंभीर संक्रमण का सामना करना पड़ता है। उपचार में देरी होने पर शिशु मृत्यु का जोखिम भी बढ़ जाता है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि बच्चों में निमोनिया, बुखार, खांसी या किसी भी बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल में संपर्क करें। साथ ही मितानिनों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की सहायता लेकर समय पर इलाज सुनिश्चित करें। कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक क्षण तब रहा, जब नट समुदाय के लोगों ने सामूहिक रूप से दगना प्रथा को त्यागने, अंधविश्वास से दूर रहने और बीमार बच्चों को तुरंत स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। समुदाय के लोगों ने अपने परिवारों और समाज में भी इस कुप्रथा के खिलाफ जागरूकता फैलाने का वादा किया।

स्वास्थ्य विभाग ने इस पहल को बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि जागरूकता, शिक्षा और वैज्ञानिक सोच ही बच्चों को अंधविश्वासों से बचाकर स्वस्थ जीवन प्रदान कर सकती है।

सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा पर साधा निशाना

विश्व केसरी■

बिलासपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बिलासपुर दौरे के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और मीडिया से चर्चा करते हुए भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने अयोध्या राम मंदिर में हुई चोरी की घटना, किसानों की समस्याओं, कानून-व्यवस्था और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी।

राम मंदिर में चोरी की घटना पर टिप्पणी करते हुए भूपेश बघेल ने कहा कि इतिहास में महमूद गजनवी ने सोमनाथ मंदिर को लूटा था, जबकि आज आरएसएस और

बजरंग दल से जुड़े लोग राम के नाम पर देश को लूट रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ में रायगढ़ से लेकर बस्तर तक राम के नाम पर लूट का खेल चल रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व को लेकर पूछे गए सवाल पर बघेल ने कहा कि पार्टी सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी। उन्होंने छत्तीसगढ़ी अंदाज में कहा, 'कका अभी जिंदा हे और कका का तेवर बरकरार रहेगा', लेकिन चुनाव कांग्रेस के सामूहिक नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा।पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार पर किसानों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि किसान तीनहरी मार झेल रहे हैं। मौसम की मार, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतें, नकली खाद की समस्या और बढ़े हुए बिजली बिल किसानों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल खुलने के बावजूद बच्चों को अब तक किताबें और बस्ते नहीं मिल पाए हैं, जिससे प्रदेश की बदहाल व्यवस्था उजागर हो रही है।

बिलासपुर सेंट्रल जेल में हाल ही में हुई चाकूबाजी की घटना पर बघेल ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि अपराधियों को भाजपा नेताओं और विधायकों का संरक्षण प्राप्त है। बघेल ने कहा कि जब जेल के भीतर बंद कैदी भी सुरक्षित नहीं हैं, तो आम जनता की सुरक्षा का अंदाजा लगाया जा सकता है।

राहुल गांधी को लेकर दिए गए बयान में भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा ने उन्हें बदनाम करने के लिए करोड़ों-अरबों रुपये खर्च किए हैं। इसके बावजूद जब भी राहुल गांधी बोलते हैं, भाजपा के शीर्ष से लेकर निचले स्तर तक के नेता सक्रिय हो जाते हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा को यदि किसी नेता से सबसे ज्यादा राजनीतिक चुनौती महसूस होती है, तो वह राहुल गांधी हैं।

95 वर्षीय वृद्ध दंपत्ति की सरकर से मार्मिक पुकार

इलाज और रहने के लिए एक घर दे दो

विश्व केसरी■

एमसीबी/भरतपुर। विकासखंड भरतपुर के ग्राम पंचायत बरेल के निकट ग्राम पंचायत धोवताल आश्रित ग्राम मंटोलिया में रहने वाले 95 वर्षीय वृद्ध समयलाल पंडों और उनकी पत्नी रुकमन पण्डो आज जीवन के उस पड़ाव पर हैं, जहां उन्हें सबसे अधिक सहारे और देखभाल की जरूरत है। लेकिन विडंबना यह है कि बढ़ती उम्र और कमजोर स्वास्थ्य के बावजूद यह बुजुर्ग दंपत्ति आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है। वृद्ध

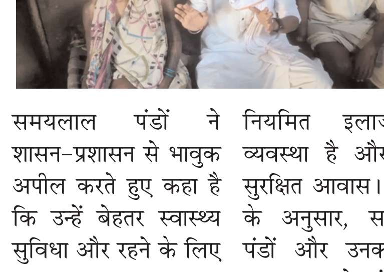

समयलाल पंडों ने शासन-प्रशासन से भावुक अपील करते हुए कहा है कि उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधा और रहने के लिए एक पक्का आवास उपलब्ध कराया जाए। उनका कहना है कि उम्र के इस अंतिम पड़ाव में बीमारी और आर्थिक तंगी ने जीवन को बेहद कठिन बना दिया है। न तो नियमित इलाज की व्यवस्था है और न ही सुरक्षित आवास। ग्रामीणों के अनुसार, समयलाल पंडों और उनकी पत्नी रुकमन पण्डो लंबे समय से कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहे हैं। बरसात और गर्मी के मौसम में उनकी परेशानियां और बढ़ जाती हैं। वृद्धावस्था के कारण दोनों को दैनिक कार्यों में भी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल सर्वे कराकर दंपत्ति को प्रधानमंत्री आवास योजना अथवा अन्य आवासीय योजना का लाभ दिलाया जाए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। धोवताल यह वृद्ध दंपत्ति आज भी एक घर और इलाज की उम्मीद में प्रशासन की ओर टकटकी लगाए बैठा है।

भारत-अमेरिका ने द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए कई बैठक कीं

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका ने द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए कई बैठक की हैं। इसमें दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को गहरा करने पर बातचीत की गई। यह जानकारी केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की ओर से बुधवार को दी गई।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'अमेरिका व्यापार प्रतिनिधि एंबेसडर जेमिसन ग्रीर और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ सुबह कई बैठक हुई हैं।

इसमें भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को लेकर प्रगति की समीक्षा की गई, साथ ही दोंनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को गहरा करने के रास्ते तलाशे गए।'

उन्होंने आगे कहा कि मैं एंबेसडर ग्रीर के नेतृत्व और हमारी बातचीत को रचनात्मक और प्रगतिशील ढंग से आगे बढ़ाने में दोनों टीमों के लगातार प्रयासों की सराहना करता हूं।

इससे पहले मंगलवार को गोयल ने ग्रीर और भारत में अमेरिकी राजदूत संतुलित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के तरीकों पर चर्चा की।

गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच एक मजबूत और बढ़ती हुई आर्थिक साझेदारी है।

मंत्री ने पोस्ट किया, 'हमने 7 अनुरूप, एक संतुलित और दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद व्यापार समझौते की बातचीत को आगे बढ़ाने पर सार्थक चर्चा की।'

भारत और अमेरिका एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की नए आर्थिक अवसर खुल सकते हैं और दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध और मजबूत हो सकते हैं।

इससे पहले एक पोस्ट में ग्रीर का भारत में स्वागत करते हुए अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने लिखा था कि अपने महत्वाकांक्षी व्यापार एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए आपका यहां स्वागत है। हम एक मजबूत द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जिससे दोनों देशों के लिए नए आर्थिक अवसर खुलेंगे और अमेरिका-भारत आर्थिक साझेदारी और भी मजबूत होगी।

इससे पहले सोमवार को गोर ने कहा था कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ग्रीर नई दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ कई दौर की बैठकें करेंगे।

इन बैठकों का उद्देश्य अगले महीने लागू होने वाली महत्वपूर्ण टैरिफ समयसीमा से पहले व्यापार समझौते को आगे बढ़ाना है।

मजबूत डॉलर से सोने और चांदी धड़ाम, दाम करीब 1.7 प्रतिशत तक घटे

विश्व केसरी

मुंबई । सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार को गिरावट देखने को मिली। इसकी वजह डॉलर में मजबूती होना था।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,46,529 रुपए के मुकाबले 1,528 रुपए या 1.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,45,000 रुपए पर खुला।

सुबह 9:48 पर यह 2,279 रुपए या 1.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,44,250 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में सोने का न्यूनतम स्तर 1,44,250 रुपए और उच्चतम स्तर 1,45,000 रुपए है। चांदी में भी कमजोरी देखी जा रही है। चांदी का 3 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,25,834 रुपए के मुकाबले 3,255 रुपए या 1.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,22,579 रुपए पर खुला।

खबर लिखे जाने तक यह 3,803 रुपए या 1.68 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,22,031 रुपए पर था। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में कमजोरी देखी जा रही है। खबर लिखे जाने तक सोना 1.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,077.70 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.69 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 61.02 डॉलर प्रति औंस पर था। सोने में गिरावट की वजह डॉलर का मजबूत होना है। डॉलर की स्थिति दर्शाने वाले सूचकांक डॉलर इंडेक्स बढ़कर 101.265 के स्तर पर पहुंच गया है। यह बीते करीब 12 महीनों में डॉलर इंडेक्स का सबसे उच्चतम स्तर है। डॉलर इंडेक्स, अमेरिकी मुद्रा डॉलर की दुनिया की छह बड़ी मुद्राओं- यूरो, जापानी येन, पाउंड स्टर्लिंग, कैनेडियन डॉलर, स्वीडिश क्रोना और स्विस फ्रैंक- के मुकाबले स्थिति को दिखाता है।

इसके अतिरिक्त, ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण पूरी दुनिया में आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित होने के चलते महंगाई बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है, जिससे विश्व के ज्यादा केंद्रीय बैंक ब्याज दरों को बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं और हाल ही अमेरिकी फेड के प्रमुख केविन वॉर्श ने 2026 में ब्याज दरों में बढ़ोतरी का संकेत दिया है।

एलआईसी डिविडेंड: सरकारी कंपनी में 10 रुपए प्रति शेयर लाभांश पाने का आज आखिरी मौका, 25 जून है रिकॉर्ड डेट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। खुदरा निवेशकों (रिटेल शेयरधारकों) के पास भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के डिविडेंड का लाभ पाने के लिए बुधवार तक का समय है। कंपनी ने 25 जून को रिकॉर्ड डेट तय की है, इसलिए पात्रता हासिल करने के लिए निवेशकों को आज ही एलआईसी के शेयर खरीदने होंगे।

एक्सचेंज फाइलिंग में दी गई जानकारी के अनुसार, सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी ने अपने शेयरधारकों के लिए 10 रुपए प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम डिविडेंड की घोषणा की है।

भारत में लागू टी+1 सेटलमेंट प्रणाली के तहत यदि कोई निवेशक डिविडेंड पाने का हकदार बनना चाहते हैं, तो उन्हें 24 जून तक शेयर खरीदने होंगे, ताकि रिकॉर्ड डेट यानी 25 जून तक शेयर उनके डीमैट खाते में दिखाई दें।

एलआईसी ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी का समेकित शुद्ध लाभ (कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) सालाना आधार पर 23.2 प्रतिशत बढ़ा है।

जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के दौरान एलआईसी देश के वित्तीय क्षेत्र की सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाली कंपनी बनकर उभरी। इस अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ (नेट प्रॉफिट) बढ़कर 23,420 करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले वर्ष इसी तिमाही में यह 19,013 करोड़ रुपए था।

कंपनी की शुद्ध प्रीमियम आय (नेट प्रीमियम इनकम) भी 11.6 प्रतिशत बढ़कर 1.7 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1.5 लाख करोड़ रुपए थी।

कंपनियां अपने मुनाफे का एक हिस्सा शेयरधारकों को देने के लिए डिविडेंड घोषित करती हैं। यह भुगतान अंतिम (फाइनल), अंतरिम (इंटरिम) या विशेष (स्पेशल) डिविडेंड के रूप में किया जा सकता है।

डिविडेंड से होने वाली आय शेयरधारकों के हाथों में कर योग्य (टैक्सेबल) होती है।

यदि किसी निवासी व्यक्ति को एक वित्त वर्ष में 5,000 रुपए से अधिक का कुल डिविडेंड प्राप्त होता है, तो उस पर 10 प्रतिशत की दर से टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) लागू होता है।

एलआईसी ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (सीपीएसई) के बीच सबसे अधिक तिमाही मुनाफा कमाने वाली कंपनी का स्थान भी बरकरार रखा।

नोएल टाटा ने करीब 3 दशक के कार्यकाल के बाद ट्रेंट के चेयरमैन पद से इस्तीफे का किया ऐलान

विश्व केसरी

मुंबई । नोएल टाटा ने टाटा ग्रुप की रिटेल कंपनी ट्रेंट के चेयरमैन पद से इस्तीफे का ऐलान किया है। वर्तमान में टाटा ट्रस्ट्स के प्रमुख करीब इन तीन दशकों से इस पद पर थे।

टाटा ने यह ऐलान कंपनी की 47वीं एनुअल जनरल मीटिंग के दौरान किया।

शेयरधारकों को संबोधित करते हुए टाटा ने कहा कि कंपनी के चेयरमैन के तौर पर यह उनकी आखिरी मीटिंग होगी। नवंबर में 70 साल के होने जा रहे नोएल टाटा का रिटायरमेंट टाटा ग्रुप के गवर्नेंस नियमों के तहत होगा, जिनके अनुसार नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर्स के लिए रिटायरमेंट की उम्र 70 साल तय है।

टाटा ग्रुप की ओर से लक्मे में हिस्सेदारी बेचने के बाद, नोएल टाटा की मां सिमोन टाटा ने ट्रेंट कंपनी शुरू की, तो वे 1998 में कंपनी के बोर्ड में डायरेक्टर के तौर पर शामिल हुए थे। बाद में, जून 1999 में वे ट्रेंट के पहले मैनेजिंग डायरेक्टर बने और कंपनी की रिटेल स्ट्रैटेजी को आकार देने में अहम भूमिका निभाई।

उनकी लीडरशिप में ट्रेंट में जबरदस्त बदलाव आया। यह एक अकेले वेस्टसाइड स्टोर से बढ़कर देश भर में 1,200 से अधिक स्टोर वाले भारत के सबसे बड़े रिटेल नेटवर्क में से एक बन गया। कंपनी ने फैशन चेन जूडियो और सुपरमार्केट बिजनेसचेन स्टार के विस्तार के साथ अपने पोर्टफोलियो को भी काफी बढ़ाया। ये दोनों ही कंपनी की ग्रोथ के मुख्य कारण बनकर उभरे हैं।

कंपनी की वित्त वर्ष 26 की सालाना रिपोर्ट में, टाटा ने कंपनी के सफर पर बात करते हुए इसे लगातार विकास की प्रक्रिया बताया।

उन्होंने रिटेल सेक्टर में ट्रेंट की स्थिति को मजबूत करने में जूडियो और स्टार जैसे ब्रांड्स के योगदान पर जोर दिया।

उनके कार्यकाल में कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन में भी काफी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 26 में ट्रेंट की आय बढ़कर 19,701 करोड़ रुपए हो गई, जो टाटा की लीडरशिप में हुए विस्तार के बड़े पैमाने को दिखाता है।

नोएल टाटा दिवंगत बिजनेस आइकन रतन टाटा के सौतेले भाई हैं।

भारतीय शेयर बाजार ने फिर से भरी उड़ान, सेंसेक्स में 791 अंकों की उछाल; निफ्टी 24,000 के पार

विश्व केसरी

मुंबई । पिछले दिन की गिरावट के बाद बुधवार के कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार शानदार बढ़त दर्ज करते हुए हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान निफ्टी 50 और सेंसेक्स में 1 प्रतिशत से ज्यादा तक की तेजी देखने को मिली।

बाजार बंद होने पर सेंसेक्स 790.54 अंक यानी 1.04 प्रतिशत बढ़कर 76,991.22 पर बंद हुआ, तो वहीं निफ्टी 50 197.55 अंक यानी 0.83 प्रतिशत बढ़कर 24,021.65 पर पहुंच गया।

दिन के कारोबार में सेंसेक्स ने 76,229.76 पर खुलकर 77,190.37 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी 50 23,795.80 पर खुलकर 24,090.05 का दिन का हाई टच किया।

व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स क्रमश: 0.10 प्रतिशत और 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी आईटी और निफ्टी रियल्टी ने 2 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं, निफ्टी ऑटो और निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी 50 में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाली कंपनियों में इंटरग्लोब एविएशन, अदाणी एंटरप्राइजेज, टेक महिंद्रा, ट्रेंट और बजाज फाइनेंस शामिल थीं, जबकि बजाज ऑटो, एनटीपीसी, ओएनजीसी, टाटा स्टील और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर टॉप लूजर्स की लिस्ट में शामिल रहीं।

एक बाजार विशेषज्ञ के अनुसार, निफ्टी 50 दिनभर बढ़त के साथ कारोबार करता रहा और 0.83 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,022 के स्तर पर बंद हुआ। यह तेजी खास तौर पर इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि इससे पहले के सत्र में निफ्टी में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली थी। डेली चार्ट पर निफ्टी ने एक मजबूत बुलिश कैंडल बनाई है, जिससे अल्पकालिक करेक्शन की आशंकाएं कम हुई हैं।

तकनीकी रूप से देखें तो निफ्टी ने दोबारा अपने 50-दिवसीय एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज (ईएमए) के ऊपर जगह बना ली है। वहीं, रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स (आरएसआई) में भी सुधार देखने को मिला है, जो बाजार में खरीदारी की वापसी और सकारात्मक मोमेंटम का संकेत देता है।

वहीं, मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स का निफ्टी के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन यह संकेत देता है कि निवेशकों की भागीदारी सिर्फ बड़े शेयरों तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक स्तर पर खरीदारी बनी हुई है।

विशेषज्ञ के मुताबिक, आने वाले कारोबारी सत्रों में निफ्टी के लिए 24,140 से 24,170 का स्तर तत्काल प्रतिरोध (इमीडिएट रेजिस्टेंस) के रूप में काम कर सकता है। यह क्षेत्र 100-दिवसीय ईएमए के आसपास स्थित है। यदि निफ्टी इस स्तर के ऊपर टिकने में सफल रहता है, तो इसमें 24,300 और उसके बाद 24,450 तक की तेजी देखने को मिल सकती है।

वहीं, गिरावट की स्थिति में 23,900 से 23,870 का क्षेत्र तत्काल समर्थन (इमीडिएट सपोर्ट) माना जा रहा है। जब तक निफ्टी इस स्तर के ऊपर बना रहता है।

वैश्विक अस्थिरता में कमी से कच्चे तेल की कीमत चार महीनों के निचले स्तर पर पहुंची

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर बुधवार को कच्चे तेल पर दबाव देखने को मिला और इससे दाम करीब चार महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। इसकी वजह अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता से आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होना है।

सत्र में अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ब्रेंट क्रूड का दाम 0.70 प्रतिशत कम होकर 76 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.63 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 72.76 डॉलर प्रति बैरल पर था।

होर्मुज स्ट्रेट से तेल की आपूर्ति में लंबे समय तक रुकावट की चिंता कम होने के बाद पिछले महीने कच्चे तेल में 20 प्रतिशत से ज्यादा की भारी गिरावट देखी गई है।

बाजार के सेंटीमेंट में बदलाव ऐसे समय पर हुआ है, जब ईरान के साथ टकराव शुरू होने के बाद से खाड़ी में फंसे तेल टैंकर, रणनीतिक रूप से अहम जलमार्ग से फिर से गुजरने की तैयारी कर रहे हैं।

इसके अलावा, अमेरिका, ईरान और इलाके के दूसरे अहम देशों के बीच कूटनीतिक कोशिशों से भी तेल की आपूर्ति को लेकर चिंताएं कम हुई हैं।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को भारत के लिए एक अच्छी बात माना जा रहा है, क्योंकि भारत दुनिया में तेल आयात करने वाले सबसे बड़े देशों में से एक है।

जानकारों ने कहा, 'ब्रेंट क्रूड की कीमतों में भारी गिरावट से भारत के लिए मैक्रो-इकोनॉमिक चुनौतियां कम हो गई हैं। रुपया स्थिर हो गया है और एफआईआई की बिकवाली भी कम होती दिख रही है। यह बाजार के लिए अच्छी बात है।'

उन्होंने आगे कहा कि ब्रेंट क्रूड का भाव 76 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास बने रहना भू-राजनीतिक तनाव में कमी और अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में प्रगति को दर्शाता है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंताएं कम हुई हैं।

हालिया गिरावट के बावजूद, विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अनिश्चितताएं अभी भी बनी हुई हैं। इस रास्ते से होने वाली शिपिंग गतिविधियों में किसी भी तरह की रुकावट – जो वैश्विक तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा संभालता है – ऊर्जा बाजारों में फिर से उतार-चढ़ाव पैदा कर सकती है।

मध्य प्रदेश : बुरहानपुर के केले को मिला जीआई टैग, 18 हजार किसानों के लिए खुशखबरी

विश्व केसरी

भोपाल/नई दिल्ली। मिठास और गुणवत्ता के लिए मशहूर बुरहानपुर के केले (बुरहानपुर केला) को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग मिला है। यह उपलब्धि यहां के हजारों केला किसानों के लिए एक बड़ी सफलता मानी जा रही है।

इस जीआई टैग के लिए जनवरी 2024 में खकनार कृषि विकास फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड ने आवेदन किया था। बुरहानपुर को मध्य प्रदेश में सबसे अधिक केला उत्पादन करने वाला जिला माना जाता है। यही नहीं, यहां प्रदेश की एकमात्र केला मंडी भी स्थित है, जिससे यह क्षेत्र लंबे समय से केले के कारोबार का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

जिले में फैले हजारों बागान हर साल बड़ी मात्रा में केले का उत्पादन करते हैं। यहां के केले अपनी खास मिठास, स्वाद और गुणवत्ता के कारण पूरे देश में लोकप्रिय हैं। खासकर उत्तर भारत में इनकी मांग काफी अधिक रहती है। इसके अलावा खाड़ी देशों (गल्फ कंट्रीज) में भी बुरहानपुर के केले की लगातार मांग बनी हुई है।

अब जीआई टैग मिलने के बाद बुरहानपुर के केले को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान मिलेगी। इससे उत्पाद की ब्रांड वैल्यू बढ़ेगी और किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलने की संभावना है। साथ ही, नकली और मिलते-जुलते उत्पादों से भी इस विशेष किस्म की सुरक्षा हो सकेगी।बुरहानपुर जिले में वर्तमान में करीब 18,640 किसान केला खेती से जुड़े हुए हैं। ये किसान लगभग 26,120 हेक्टेयर भूमि पर केले की खेती करते हैं। इस विशाल क्षेत्र से हर साल करीब 18,28,400 मीट्रिक टन केले का उत्पादन होता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि जीआई टैग मिलने के बाद निर्यात के नए अवसर खुलेंगे, जिससे व्यापार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इसका फायदा कृषि आधारित उद्योगों और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर को भी मिलेगा।

बुरहानपुर में पहले से ही केला आधारित प्रसंस्करण उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत यहां 55 से अधिक केला प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित की जा चुकी हैं। इन इकाइयों में केले से विभिन्न प्रकार के मूल्यवर्धित उत्पाद और स्नैक्स तैयार किए जाते हैं।

अब जीआई टैग मिलने के बाद इन उत्पादों की मांग भी बढ़ने की उम्मीद है। इससे स्थानीय उद्योगों को नई गति मिलेगी, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और बुरहानपुर के केले की मिठास दुनिया के और अधिक देशों तक पहुंचेगी।

हाई सेल्फ-रिस्पेक्ट वाले लोग रिश्ते में कभी बर्दाश्त नहीं करते ये 5 बातें; कहीं आप तो नहीं कर रहे समझौता?

रिश्तों में थोड़ा-बहुत मनमुटाव होना आम बात है, लेकिन किसी भी अच्छे रिश्ते की पहली शर्त होती है एक-दूसरे की इज्जत करना. अक्सर लोग प्यार के चक्कर में या रिश्ते को टूटने से बचाने के लिए अपनी खुशियों और आत्मसम्मान (स्ड्ढद्यद्घ-ऋद्गह्यश्चद्गष्ह्ल) को भूल जाते हैं. लेकिन जो लोग अपनी वैल्यू समझते हैं, वे प्यार में अंधे नहीं होते. वे पार्टनर से चाहे जितना प्यार करें, लेकिन अपने स्वाभिमान से समझौता कभी नहीं करते.अगर आप भी किसी रिलेशनशिप में हैं, तो आज ही इन 5 बातों पर गौर करें और देखें कि कहीं आपके साथ भी ऐसा तो नहीं हो रहा?

कई बार पार्टनर ऐसा बर्ताव करते हैं मानो आपने बहुत बड़ी गलती कर दी हो या आप उन पर बोझ बन रहे हों. स्वाभिमानी लोग इस खेल को तुरंत समझ जाते हैं.

1. भलाई के नाम पर बार-बार टोकना

कुछ लोगों की आदत होती है कि वे 'मैं तो सिर्फ तुम्हारी भलाई के लिए कह रहा हूँ' या 'मुझे तुम्हारी परवाह है' कहकर आपके लुक, आपकी चॉइस या आपके फैसलों में कमियां निकालते रहते हैं. इसे प्यार नहीं, बल्कि आत्मविश्वास को तोड़ना कहते हैं. हाई सेल्फ-रिस्पेक्ट वाले लोग अच्छी तरह जानते हैं कि कौन उन्हें सुधारना चाहता है और कौन नीचा दिखाना. वे लगातार होने वाली इस कड़वाहट को कभी बर्दाश्त नहीं करते.

2. अपनी बात या जरूरतें रखने पर दोषी महसूस कराना

रिश्ते में पार्टनर से थोड़ा वक्त मांगना, ईमानदारी की उम्मीद करना या थोड़ा सा सपोर्ट चाहना कोई स्वार्थ नहीं है. यह आपका हक है. लेकिन कई बार पार्टनर ऐसा बर्ताव करते हैं मानो आपने बहुत बड़ी गलती कर दी हो या आप उन पर बोझ बन रहे हों. स्वाभिमानी लोग इस खेल को तुरंत समझ जाते हैं. वे जानते हैं कि जहाँ अपनी भावनाएं बताने पर भी खुद को ही गलत मानना पड़े, वह रिश्ता सही नहीं है.

लगातार बैठने की आदत है खतरनाक! हर घंटे सिर्फ 5 मिनट टहलें, गंभीर बीमारियों का खतरा रहेगा जिंदगी भर दूर

हाल ही में आई एक ग्लोबल स्टडी के अनुसार, अगर आप हर एक घंटे में सिर्फ 5 मिनट का वॉक ब्रेक (Walking Break) लेते हैं, तो आप लगातार बैठने से होने वाले गंभीर शारीरिक और मानसिक नुकसान को पूरी तरह से बेअसर कर सकते हैं.

या आप भी ऑफिस में लगातार 8 से 10 घंटे कुर्सी पर बैठे-बैठे बिता देते हैं? क्या आपकी डेस्क जॉब आपको चाहकर भी हिलने-डुलने का मौका नहीं देती? अगर हाँ, तो सावधान हो जाइए. एक ही जगह पर लंबे समय तक बैठे रहने की यह आदत आपकी जिंदगी को धीरे-धीरे कम कर रही है. लेकिन घबराइए मत, इस बड़े खतरे से बचने का एक बेहद आसान और मुफ्त का फॉर्मूला वैज्ञानिकों ने खोज निकाला है. रिसर्च के मुताबिक, हर घंटे अपनी सीट से उठकर सिर्फ 5 मिनट चहलकदमी करने से शरीर को ये बड़े फायदे मिलते हैं: हाल ही में आई एक ग्लोबल स्टडी के अनुसार, अगर आप हर एक घंटे में सिर्फ 5 मिनट का वॉक ब्रेक लेते हैं, तो आप लगातार बैठने से होने वाले गंभीर शारीरिक और मानसिक नुकसान को पूरी तरह से बेअसर कर सकते हैं.

प्रतिष्ठित ब्रिटिश जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन में ऑनलाइन प्रकाशित इस स्टडी में सामने आया है कि हाई-इनकम वाले देशों में औसतन लोग दिनभर में 11 से 12 घंटे बैठकर बिताते हैं. भारत जैसे विकासशील देश में भी व्हाइट-कॉलर (ऑफिस) जॉब्स करने वाले लोगों का यही हाल है. लगातार इतने घंटों की शारीरिक निष्क्रियता के कारण मोटापा, डायबिटीज, हार्ट अटैक, खराब मेंटल हेल्थ और असमय मौत का खतरा तेजी से बढ़ रहा है.

अजब-गजब

इंगेजमेंट पर कपल ने किया बेहद रोमांटिक डांस, दोनों की जोड़ी ने जीत लिए लाखों दिल, वायरल वीडियो..

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक कपल का रोमांटिक डांस वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में दोनों अपनी इंगेजमेंट सेरेमनी के दौरान एक खूबसूरत गाने पर शानदार डांस परफॉर्मेंस देते नजर आ रहे हैं. उनकी शानदार केमिस्ट्री, एक-दूसरे के साथ तालमेल और दिल छू लेने वाले एक्सप्रेशन्स ने वहां मौजूद मेहमानों के साथ-साथ इंटरनेट यूजर्स का भी दिल जीत लिया है. वीडियो को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है. यूजर्स कमेंट सेक्शन में कपल की जोड़ी और उनकी परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ कर रहे हैं. यह वीडियो इंस्टाग्राम पर @kajal_agrawal_makeover नाम के पेज से शेयर किया गया है.

न स्विट्जरलैंड जाने की जरूरत, न विदेश का खर्च! भारत की ये 7 जगहें लगती हैं किसी दूसरे देश का हिस्सा, खूबसूरती देख आंखों पर नहीं होगा यकीन

क्या आपने कभी सोचा है कि बिना पासपोर्ट और वीजा के भी आप ऐसी जगहों पर घूम सकते हैं, जो भारत से ज्यादा किसी दूसरे देश का एहसास कराती हों? भारत अपनी सांस्कृतिक विविधता के साथ-साथ प्राकृतिक खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है, लेकिन इस विशाल देश में कुछ ऐसे अनोखे ठिकाने हैं जो पहली नजर में बिल्कुल भारतीय नहीं लगते. यही वजह है कि अब देश के युवा और ट्रैवल प्रेमी ऐसी अनोखी डेस्टिनेशन की तलाश में हैं, जहां उन्हें विदेश जैसा अनुभव मिले, लेकिन बजट और समय दोनों की बचत भी हो जाए. आइए जानते हैं भारत की उन सात लुभावनी जगहों के बारे में, जो आपको देश के भीतर ही दुनिया की सैर करा सकती हैं. 1. लोकटक झील: पानी पर तैरती दुनिया मणिपुर की अनोखी प्राकृतिक धरोहर लोकटक झील अपनी तैरती हुई वनस्पतियों और द्वीपों के लिए मशहूर है, जिन्हें स्थानीय भाषा में 'फुमडी' कहा जाता है. दूर से देखने पर यह झील किसी साइंस फिक्शन फिल्म का दृश्य लगती है. यहां मौजूद तैरते घर और प्राकृतिक पारिस्थितिकी इसे दुनिया की सबसे अनोखी झीलों में शामिल करते हैं. 2. नुब्रा घाटी: लद्दाख में बसा मध्य एशिया का अहसास रेत के टीले और बैक्ट्रियन ऊंट बनाते हैं खास नुब्रा घाटी की पहचान उसके विशाल रेत के टीलों और दो कूबड़ वाले बैक्ट्रियन ऊंटों से होती है. समुद्र तल से हजारों फीट की ऊंचाई पर मौजूद यह घाटी किसी हिमालयी इलाके से ज्यादा मध्य एशिया के रेगिस्तान जैसी लगती है.

अजब-गजब

'ऐसी चाय पिलाओ कि बदन नाचने लगे', देवर की बात पर भाभी ने दिया ऐसा जवाब, पढ़ आप भी लगाने लगेंगे ठहाके!

देवर-भाभी का रिश्ता भारतीय परिवारों में सबसे खास और मजेदार रिश्तों में से एक माना जाता है. इस रिश्ते में प्यार, अपनापन, नोकझोंक और हंसी-मजाक का एक अलग ही रंग देखने को मिलता है. घर में जब देवर और भाभी के बीच मजेदार बातें और हल्की-फुल्की शरारतें होती हैं, तो पूरा माहौल खुशियों से भर जाता है. यही वजह है कि सोशल मीडिया पर भी देवर-भाभी से जुड़े जोक्स, मीम्स और वीडियो लोगों को खूब पसंद आते हैं. लोग इन मजेदार जोक्स को पढ़कर अपनी रोजमर्रा की टेंशन भूल जाते हैं और खुलकर हंसते हैं.

भाभी – आपके भैया ने मेरा नया नया बैंक खाता खुलवा दिया है।
देवर– अरे वाह भाभी जी ! कौन से बैंक में ?
भाभी – एक किस बैंक में.
देवर (बेहोश होते होते बचा और बोला)– अरे भाभी जी वो एक किस बैंक नहीं है,
भाभी – हाय दइया, देवर जी आप सही पकड़े हैं.

कुछ बच्चे गली में सड़क पर पटाखे जला रहे थे,
अभी एक पटाखे में चिंगारी लगाई ही थी कि सामने से भाभी आती दिखी.
सभी बच्चे चिल्लाने लगे,
भाभी पटाखा हैं...
भाभी पटाखा हैं...
भाभी पटाखा हैं...
भाभी मुसकुराई और बोली – नहीं रे पगले अब पहले जैसी बात कहां?

बेसन में क्या मिलाकर लगाएं? योग गुरु कैलाश बिश्नोई ने बताए 4 आसान फेस पैक, त्वचा को मिलेगा नेचुरल ग्लो और निखार

आज के समय में हर कोई साफ, चमकदार और हेल्दी त्वचा चाहता है. इसके लिए लोग कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स, सीरम और महंगी क्रीम का इस्तेमाल करते हैं. हालांकि, कई बार इन चीजों पर काफी पैसा खर्च करने के बाद भी मनचाहा रिजल्ट नहीं मिल पाता. ऐसे में लोग फिर से घरेलू नुस्खों की तरफ रुख करने लगते हैं. भारतीय रसोई में मौजूद कई ऐसी चीजें हैं जो त्वचा की देखभाल में काफी मददगार मानी जाती हैं. इन्हीं में से एक है बेसन. बेसन का इस्तेमाल सिर्फ खाने तक सीमित नहीं है. लंबे समय से इसे त्वचा की सफाई और निखार के लिए भी इस्तेमाल किया जाता रहा है.

हाल ही में योग गुरु कैलाश बिश्नोई ने अपने सोशल मीडिया वीडियो में बेसन से जुड़े कुछ आसान नुस्खे बताए हैं. उनका कहना है कि अगर सही तरीके से बेसन का इस्तेमाल किया जाए तो यह त्वचा की कई परेशानियों को कम करने में मदद कर सकता है. खास बात यह है कि इन नुस्खों के लिए आपको कोई महंगी चीज खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि ज्यादातर सामग्री आपके घर की रसोई में ही मिल जाएगी.

त्वचा के लिए क्यों फायदेमंद है बेसन?

बेसन को नेचुरल क्लींजर माना जाता है. यह त्वचा की सतह पर जमा धूल, गंदगी और अतिरिक्त तेल को साफ करने में मदद करता है. इसके इस्तेमाल से त्वचा फ्रेश महसूस होती है और चेहरे की रंगत में भी सुधार देखने को मिल सकता है. इसके अलावा बेसन डेड स्किन को हटाने में भी मदद करता है. नियमित इस्तेमाल से त्वचा ज्यादा साफ और मुलायम दिख सकती है. यही वजह है कि कई घरेलू फेस पैक में बेसन को मुख्य सामग्री के रूप में शामिल किया जाता है.

. बेसन और दही का फेस पैक

अगर आपकी त्वचा ऑयली है तो बेसन और दही का मिश्रण आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है. दही में मौजूद गुण त्वचा को साफ करने के साथ उसे नरम बनाए रखने में मदद करते हैं.

कैसे लगाएं?

एक कटोरी में 2 चम्मच बेसन लें और उसमें 1 चम्मच दही मिलाएं. दोनों को अच्छी तरह मिलाकर चेहरे पर लगाएं. करीब 15 मिनट बाद सामान्य पानी से चेहरा धो लें.

फायदे

1. टैनिंग कम करने में मदद
2. त्वचा की गहराई से सफाई
3. अतिरिक्त तेल को कंट्रोल करने में सहायक
4. दाग-धब्बों को हल्का करने में मदद

जब शाहिद कपूर की इस गलती पर भड़क उठी थीं करिश्मा कपूर, सेट पर सभी हो गए थे परेशान

मुंबई। 90 के दशक की लोकप्रिय अभिनेत्री करिश्मा कपूर आज भी अपनी फिल्मों और स्टाइल के लिए जानी जाती हैं। फिल्मी दुनिया से जुड़ा उनका एक पुराना किस्सा अक्सर चर्चा में रहता है, जिसमें उनका नाम अभिनेता शाहिद कपूर के साथ जोड़ा जाता है। यह मामला 'दिल तो पागल है' के सेट का है, जिसमें शाहिद कपूर बैकग्राउंड डांसर के तौर पर मौजूद थे। आखिर, सेट पर ऐसा क्या हुआ, जिससे बॉलीवुज की 'लोलो' आग बबूला हो गई, चलिए आपको बताते है।

करिश्मा कपूर का जन्म 25 जून 1974 को मुंबई में हुआ था। वह भारतीय सिनेमा के प्रतिष्ठित कपूर परिवार से ताल्लुक रखती हैं। बचपन से ही उनकी रुचि अभिनय में थी। हालांकि, उस समय परिवार की परंपराओं के कारण फिल्मों में कदम रखना आसान नहीं माना जाता था, लेकिन उन्होंने कम उम्र में ही अभिनय को अपना करियर बनाने का फैसला किया।

करिश्मा ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1991 में रिलीज हुई फिल्म 'प्रेम कैदी' से की। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया, लेकिन उनके करियर को नई ऊंचाई 1996 में आई फिल्म 'राजा हिंदुस्तानी' से मिली। आमिर खान के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया और फिल्म बड़ी हिट साबित हुई। इस फिल्म ने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया। इसके बाद करिश्मा को बड़े-बड़े फिल्म प्रोजेक्ट मिलने लगे और वह उस समय की टॉप अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं।

इसके बाद साल 1997 में आई फिल्म 'दिल तो पागल है' ने उनके करियर को और ऊंचाई दी। इस फिल्म में उनके साथ शाहरुख खान और माधुरी दीक्षित भी थे। इसी फिल्म के एक मशहूर डांस गाने 'ले गई ले गई' में शाहिद कपूर बैकग्राउंड डांसर के रूप में नजर आए थे। कहा जाता है कि इस गाने की शूटिंग के दौरान डांस स्टेप्स कई बार मैच नहीं हो रहे थे, जिससे रीटेक बढ़ते गए। ऐसे में करिश्मा को काफी गुस्सा आ गया था। हालांकि बाद में इस शॉट को पूरा कर लिया गया और यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई और करिश्मा के करियर की सबसे यादगार फिल्मों में शामिल हो गई।

करिश्मा कपूर ने अपने करियर में 'हम साथ साथ हैं', 'बीवी नंबर 1', 'गोपी किशन', 'जिगर', 'अनारी', 'राजा बाबू', 'सुहाग', 'खुद्दार', 'साजन चले ससुराल', 'जुड़वा', 'जीत', 'हसीना मान जाएगी', 'फिजा', 'शक्ति : द पावर', 'दुल्हन हम ले जाएंगे' और 'रिश्ते' समेत कई हिट फिल्में दीं। उन्होंने हर तरह के रोल निभाए और खुद को बेहतरीन अभिनेत्री के रूप में साबित किया। अपने शानदार करियर के लिए उन्हें कई बड़े सम्मान मिले। उन्हें नेशनल फिल्म अवॉर्ड और कई फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिले।

भोजपुरी सिनेमा से लेकर 'खेल खेल में' तक, फिल्मों के बदलते दौर और कॉमेडी के सफर पर अक्षय कुमार ने की खुलकर बात

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' को लेकर चर्चा में हैं। वह फिल्म के प्रमोशन में जुटे हुए है। इस कड़ी में उन्होंने आईएएनएस को इंटरव्यू दिया और अपने फिल्मी करियर, बदलते सिनेमा और दर्शकों की पसंद को लेकर खुलकर बातचीत की। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कैसे समय के साथ फिल्मों का अंदाज बदला है और कैसे कई फिल्में शुरुआती दौर में असफल होने के बाद भी लोगों के बीच लोकप्रिय हो जाती हैं। उन्होंने भोजपुरी सिनेमा, अपनी फिल्म 'खेल खेल में', और 'खट्टा मीठा' जैसी फिल्मों का भी जिक्र किया और कॉमेडी के अपने लंबे सफर पर भी बात की।

मीडिया संग बातचीत में अक्षय कुमार ने भोजपुरी सिनेमा को लेकर एक दिलचस्प बात कही। उन्होंने कहा, 'भोजपुरी सिनेमा बहुत खास है।

अगर आपने फिल्म का भोजपुरी ट्रैक 'घिस घिस' देखा हो, तो उसमें जैकलीन फर्नांडिस का एक डायलॉग है- 'भोजपुरी हॉलीवुड से बेहतर है।' वह डायलॉह मैंने ही शामिल करवाया था। आप निर्देशक से भी पूछ सकते हैं। भोजपुरी अभिनेता का किरदार निभाना मेरे लिए सम्मान की बात थी।''

इसके बाद अक्षय कुमार ने अपनी हाल ही में आई फिल्म 'खेल खेल में' पर भी बात की। उन्होंने कहा, ''हर फिल्म का अपना समय होता है। आज ही, यहां आने से लगभग ढाई घंटे पहले मैं अपने दोस्तों, भांजी और बहन के साथ बैठा था। हम सभी फिल्म 'खेल खेल में' देख रहे थे, जो कि मेरी फिल्म है। आप मेरी बात से सहमत हों या न हों, लेकिन मुझे लगता है कि यह एक बहुत अच्छी फिल्म है। मुझे पता है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली, लेकिन मैं इतना दावे के साथ कह सकता हूं कि आगे लोग इसे याद करेंगे और कहेंगे कि यह एक शानदार फिल्म थी।''

अक्षय ने उदाहरण देते हुए कहा कि 'खट्टा मीठा' जैसी फिल्म भी अपने समय पर नहीं चली थी, लेकिन आज वह सोशल मीडिया और मीम्स की वजह से एक अलग पहचान बना चुकी है। इसी तरह मुझे उम्मीद है कि 'खेल खेल में' भी आने वाले समय में दर्शकों के बीच एक खास जगह बनाएगी।

अक्षय कुमार ने इस फिल्म के विषय पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया, 'खेल खेल में एक डार्क ह्यूमर वाली फिल्म है, फिर भी यह लोगों को खूब हंसाती है।

भूमि पेडनेकर दो हफ्ते के लिए बनीं 'फॉर्म गर्ल', नन्हें बकरियों के बच्चे, घर में बने भोजन और प्रकृति के बीच मिलीं खुशियां

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर हाल ही में अपने छोटे से अवकाश का भरपूर आनंद लेती नजर आईं, जहां उन्होंने प्रकृति की गोद में समय बिताया। इस दौरान वे नन्हे बकरियों के बच्चों और पूरी तरह जैविक (ऑर्गेनिक) माहौल के बीच सुकूनभरे पल बिताती दिखीं।

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने हाल ही में अपने व्यस्त कार्यक्रम से कुछ समय निकालकर प्रकृति के बीच सुकूनभरे पल बिताए। उन्होंने दो सप्ताह एक फार्म पर गुजारे, जिसे उन्होंने अपना 'घर से दूर दूसरा घर' बताया।

भूमि ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस ग्रामीण प्रवास की कई झलकियां साझा कीं और प्रशंसकों को प्रकृति, घर में उगाए गए ताजा भोजन और फार्म के जानवरों से घिरे अपने जीवन की एक झलक दिखाई।

अपने प्रवास का एक वीडियो मोंटाज साझा करते हुए भूमि ने कैप्शन में लिखा:

'मैं और मेईईईईन...दो हफ्ते तक एक फार्म गर्ल बनकर रही और यह अनुभव बेहद खास रहा।

यह मेरा घर से दूर दूसरा घर है, जहां मैं प्रकृति और अपनी पसंदीदा चीजों से घिरी रही।'

पोस्ट की शुरुआत एक तस्वीर से होती है, जिसमें भूमि एक प्यारे सफेद बकरी के बच्चे को गोद में लिए हुए नजर आ रही हैं। काले रंग के एथलीजर परिधान में सजी अभिनेत्री मुस्कुराते हुए उसके साथ पोज देती दिखीं।

लावणी सिर्फ डांस नहीं, पीढ़ियों की संस्कृति और कहानियों की विरासत है : वैभवी मर्चेंट

विश्व केसरी

मुंबई। कोरियोग्राफर वैभवी मर्चेंट बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की आने वाली फिल्म 'ईठा' के जरिए एक बार फिर पर्दे पर वापसी करने वाली है। यह फिल्म एक बायोग्राफिकल ड्रामा है, जिसमें श्रद्धा तमाशा कलाकार, लावणी डांसर और लोक गायिका विठाबाई नारायणगांवकर की भूमिका निभा रही हैं। वैभवी मर्चेंट ने फिल्म में लावणी डांस सीक्वेंस को तैयार किया है और इसका अनुभव मीडिया संग साझा किया।

मीडिया से बात करते हुए वैभवी मर्चेंट ने कहा, ''फिल्म 'ईठा' में लावणी को दिखाना मेरे लिए भावनात्मक और सांस्कृतिक जिम्मेदारी थी। यह एक विरासत को सम्मान देने की कोशिश है। लावणी भारत की लोक नृत्य परंपराओं में से एक है, जिसमें सिर्फ नृत्य नहीं बल्कि पीढ़ियों की कहानियां, संघर्ष, ताकत और कला की गहराई छिपी हुई है। इस कला को समझना और उसे स्क्रीन पर सही रूप में प्रस्तुत करना बेहद जरूरी था।''

उन्होंने कहा, 'जब मैंने इस फिल्म के लिए काम शुरू किया, तो मेरा पूरा ध्यान इस बात पर था कि लावणी की असली आत्मा को कैसे बरकरार रखा जाए। मेरे लिए यह प्रोजेक्ट एक मौका था, जहां मैं एक ऐसी परंपरा को दुनिया के सामने पेश कर सकती थी, जिसे अक्सर सीमित रूप में देखा जाता है। मेरा मानना है कि लोक कला को सही सम्मान और मंच मिलना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी उससे जुड़ सके।'

वैभवी मर्चेंट ने आगे कहा, ''आज के समय में जब दर्शक तेजी से बदल रहे हैं, तब जरूरी है कि पारंपरिक कलाओं को इस तरह प्रस्तुत किया जाए कि वह आधुनिक दर्शकों के लिए भी आकर्षक और समझने योग्य बन सके। इसी सोच के साथ मैंने फिल्म के डांस सीक्वेंस को डिजाइन किया है। अगर इस फिल्म को देखने के बाद कुछ लोग भी लावणी के बारे में जानने, समझने और उसे अपनाने की कोशिश करें, तो यह मेरे लिए सबसे बड़ी सफलता होगी।''

बता दें कि फिल्म 'ईठा' का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है। इसमें श्रद्धा कपूर, रणदीप हुड्डा और अनंत जोशी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म मैडॉक फिल्म्स बैनर के तहत बनाई जा रही है और इसे 28 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

कैंसर जागरूकता पर अर्जुन बिजलानी की अपील, बोले- 'सेलिब्रिटी नहीं, हर किसी को आगे आना होगा'

विश्व केसरी

मुंबई। टीवी अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने छत्तीसगढ़ में कैंसर मरीजों से मुलाकात के अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इस मुलाकात ने मुझे अंदर तक झकझोर दिया। कैंसर जागरूकता को लेकर अर्जुन ने कहा कि यह सिर्फ किसी एक इंडस्ट्री या कुछ लोगों की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि हर उस व्यक्ति की जिम्मेदारी है जो समाज तक अपनी बात पहुंचा सकता है। उन्होंने लोगों से एकजुट होकर इस बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने की बात कही।

मीडिया से बात करते हुए अर्जुन बिजलानी ने कहा, ''छत्तीसगढ़ में कैंसर मरीजों से मिलने पर मैं भावुक हो उठा। वहां एक दो साल का बच्चा कैंसर से लड़ रहा था। उस बच्चे की हालत और उसके माता-पिता की परेशानी देखकर किसी का भी दिल दहल सकता है। उस समय मुझे यह महसूस हुआ कि जिंदगी कितनी नाजुक है और छोटी-सी लापरवाही भी कितनी बड़ी समस्या बन सकती है। यह अनुभव मेरे लिए एक गहरी सीख बन गया।''

उन्होंने कहा, ''अक्सर लोग यह सोचते हैं कि जागरूकता फैलाने का काम सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री यानी बॉलीवुड का है लेकिन यह सोच गलत है। यह जिम्मेदारी सिर्फ एक क्षेत्र की नहीं हो सकती। टीवी इंडस्ट्री, तेलुगु, तमिल, मलयालम फिल्म इंडस्ट्री, खेल जगत के खिलाड़ी, सोशल मीडिया इन्फलुएंसर और यूट्यूबर, हर वह व्यक्ति जो लोगों तक पहुंच बना सकता है, उसे इस काम में आगे आना चाहिए। जब तक सभी लोग मिलकर काम नहीं करेंगे, तब तक जागरूकता पूरी तरह नहीं फैल सकती।''

अर्जुन ने कहा, ''अगर कोई व्यक्ति किसी सामाजिक काम में योगदान दे रहा है, तो उसे देखकर दूसरों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। यही सोच ही समाज में बड़ा बदलाव ला सकती है। जब ज्यादा लोग एक साथ किसी अच्छे उद्देश्य के लिए जुड़ते हैं, तो उसका असर कई गुना बढ़ जाता है।''

अर्जुन ने कहा, ''जब कोई समाज के लिए काम करता है, तो उसमें किसी तरह की तुलना या हिसाब-किताब नहीं होना चाहिए। यह नहीं सोचना चाहिए कि कौन कितना कर रहा है, बल्कि यह सोचना चाहिए कि हम कितना योगदान दे सकते हैं। अगर हर व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार थोड़ा भी योगदान दे, तो बड़ा बदलाव संभव है।''

अर्जुन बिजलानी ने कैंसर जैसी बीमारी में सबसे जरूरी बात बचाव पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी में एक कहावत है कि इलाज से बेहतर बचाव होता है। अगर किसी बीमारी का पता समय पर चल जाए, तो उसका इलाज आसान हो जाता है। लेकिन अगर उसे नजरअंदाज किया जाए, तो वह सिर्फ एक व्यक्ति को नहीं बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित करती है। इसलिए समय-समय पर जांच और सही जानकारी बहुत जरूरी है।

खुशाली कुमार ने 'दुल्हनिया ले आएगी' को बताया अपने करियर का खास किरदार

मुंबई। अभिनेत्री खुशाली कुमार अपनी आने वाली फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' को लेकर काफी चर्चा में है। फिल्म के फर्स्ट लुक से उन्होंने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इस कड़ी में उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए अपने लुक और किरदार के बारे में विस्तार से बताया।

मीडिया संग बातचीत में खुशाली कुमार ने कहा, 'जैसे ही मैंने इस फिल्म की कहानी सुनी, मुझे लगा कि यह किरदार मेरे लिए ही बना है। मेरा किरदार कोई साधारण दुल्हन नहीं है, बल्कि उसका व्यक्तित्व बहुत मजबूत है। वह अपने फैसले खुद लेती है, अपने दिल की बात खुलकर कहती है और किसी भी बात को छुपाकर नहीं रखती। यह किरदार बहादुर भी है, भावनात्मक भी है और अपने अंदाज में जीने वाली है, और यही बात मुझे इस फिल्म की तरफ खींच लाई।'

उन्होंने कहा, ''फिल्म का जो फर्स्ट लुक सामने आया है, वह सिर्फ शुरुआत है और असली कहानी इससे कहीं ज्यादा दिलचस्प है। मेरे किरदार में कई परतें हैं, जिन्हें दर्शक फिल्म के साथ धीरे-धीरे समझ पाएंगे।

मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस दुल्हन के अलग और अनोखे अंदाज को जरूर पसंद करेंगे।'' वहीं फिल्म के निर्देशक आकाशदित्य लामा ने भी इस फिल्म को लेकर अपनी सोच साझा की।

अंतिम डील के बाद ही परमाणु स्थलों का निरीक्षण संभवः ईरान

विश्व केसरी

तेहरान। ईरान स्थित परमाणु संयंत्रों का यूएन परमाणु एजेंसी निरीक्षण करेगी या नहीं इसे लेकर फिलहाल बयानबाजी जारी है। अलग-अलग दावों के बीच एक बार फिर ईरान ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निरीक्षकों की उसके परमाणु स्थलों तक जाने की इजाजत केवल अमेरिका के साथ 'अंतिम समझौते' के बाद ही तय की जाएगी।

ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि यूएन निरीक्षकों की पहुंच और परमाणु सामग्री से जुड़े मुद्दों को 'केवल अंतिम समझौते के ढांचे के भीतर ही देखा और सुलझाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रक्रिया इस बात पर निर्भर करेगी कि 'दूसरा पक्ष सभी प्रतिबंधों को समाप्त करने के लिए वास्तविक कदम उठाए।

गरीबाबादी ने कहा कि स्विट्ज़रलैंड में हुई वार्ताओं के दौरान ईरान के किसी भी अधिकारी की अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) प्रमुख राफेल ग्रोसी से मुलाकात नहीं हुई, जबकि उन्होंने इसके लिए अनुरोध किया था।

बता दें कि टोक्यो में एक पत्रकार वार्ता के दौरान आईएईए प्रमुख ग्रोसी ने कहा कि ईरान के परमाणु स्थलों का निरीक्षण 'होकर रहेगा।' उन्होंने कहा, 'यह आज हो, परसों हो, एक हफ्ते या दस दिनों में हो, यह महत्वपूर्ण है, लेकिन अनिवार्य नहीं। यह निश्चित रूप से होगा।

इससे पहले अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने दावा किया था कि ईरान ने अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के निरीक्षकों को फिर से देश में आमंत्रित करने पर सहमति जताई है। वहीं, ईरान के विदेश मंत्रालय प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि ईरान की ग्रोसी के साथ कोई बैठक नहीं हुई है और निरीक्षण के लिए कोई स्पष्ट समय-सीमा भी तय नहीं है।

जून 2025 में हुए संघर्ष के बाद से, तेहरान ने आईएईए को उन संवर्धन स्थलों का निरीक्षण करने से रोक रखा था, जहां माना जाता है कि इस्लामिक गणराज्य ने इतना उच्च स्तर का समृद्ध यूरेनियम जमा कर रखा है कि यदि वह चाहे तो लगभग 10 परमाणु हथियार बना सकता है। हालांकि, ईरान लंबे समय से यह कहता आया है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण है।

चुनावी जीत पर प्रधानमंत्री मोदी की बधाई से गदगद हुए इथियोपिया के पीएम, जताया 'बड़े भाई' का आभार

विश्व केसरी

अदीस अबाबा। इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली ने बुधवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से चुनावी जीत के लिए मिली बधाई के लिए आभार व्यक्त किया और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की इच्छा जताई।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को 'विश्वसनीय मित्र और बड़े भाई' बताते हुए कहा कि उनका ऐतिहासिक जनादेश दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की मजबूत लोकतांत्रिक परंपरा को दर्शाता है।

अबी अहमद अली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'धन्यवाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मेरे विश्वसनीय मित्र और बड़े भाई। आपका ऐतिहासिक जनादेश दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की लोकतांत्रिक शक्ति को दर्शाता है। इथियोपिया और भारत ऐतिहासिक संबंधों, साझेदारी और साझा

आकांक्षाओं से जुड़े हैं। हम अपनी रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने और इस यात्रा को जारी रखने के लिए उत्सुक हैं।

यह प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री मोदी द्वारा उन्हें इथियोपिया के संसदीय चुनाव में जीत पर बधाई दिए जाने के बाद आई। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को अबी अहमद अली और उनकी प्रॉस्पेरिटी पार्टी को निर्णायक जीत पर बधाई दी थी और कहा था कि भारत इथियोपिया के साथ अपने ऐतिहासिक, बहुआयामी और गहरे संबंधों को अत्यंत महत्व देता है।

इथियोपिया के राष्ट्रीय चुनाव बोर्ड (एनईबीई) ने रविवार को घोषणा की थी कि सत्तारूढ़ प्रॉस्पेरिटी पार्टी ने देश के सातवें आम चुनाव में जीत हासिल की है और 486 में से 438 सीटें जीती हैं।

इथियोपिया के संविधान के अनुसार, बहुमत हासिल करने वाली पार्टी या गठबंधन सरकार बनाता है और प्रधानमंत्री का नामांकन करता है।

पिछले वर्ष दिसंबर में प्रधानमंत्री मोदी ने इथियोपिया का दो दिवसीय दौरा किया था, जहां दोनों नेताओं ने राजनीतिक सहयोग, आर्थिक साझेदारी और रणनीतिक संबंधों पर विस्तृत चर्चा की थी। इस दौरान उन्होंने 'एक पेड़ माँ के नाम' और इथियोपिया की 'ग्रीन लिगेसी' पहल के तहत पौधारोपण भी किया था।

प्रधानमंत्री मोदी को इथियोपिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया' से भी सम्मानित किया गया था।

संक्षिप्त खबर

भारतीय दूतावास की ईरान पर नई एडवाइजरी, नागरिकों को गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह

तेहरान। ईरान के मौजूदा हालातों के मद्देनजर भारतीय दूतावास ने अपने देश के नागरिकों के लिए नई एडवाइजरी जारी की है। इसमें हाल के सुधारों के बावजूद भारतीय नागरिकों को ईरान की यात्रा करने से बचने की सलाह दी गई है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर नई एडवाइजरी शेयर की। इसमें लिखा गया, 'भारतीय दूतावास ईरान में सुरक्षा की मौजूदा स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए है। हाल के सकारात्मक घटनाक्रमों और कुल मिलाकर स्थिति में सुधार को देखते हुए दूतावास ईरान जाने की योजना बना रहे भारतीय नागरिकों के लिए यह संशोधित एडवाइजरी जारी कर रहा है। एडवाइजरी में कहा गया है, 'हाल के सुधारों के बावजूद भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे अगले आदेश तक ईरान की सभी गैर-आवश्यक यात्राओं से बचें। इसमें कहा गया है, 'ईरान में वर्तमान में रह रहे भारतीय नागरिकों और साथ ही जिन्हें जरूरी काम से ईरान जाना पड़ सकता है, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे बहुत सावधानी बरतें, हर समय सतर्क रहें और हालात पर लगातार नजर रखें। उन्हें यह भी सलाह दी जाती है कि वे विश्वसनीय स्रोतों से स्थानीय घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रखें और स्थानीय अधिकारियों की ओर से जारी सभी निर्देशों का पालन करें।

अमेरिकी सीनेट ने ईरान पर ट्रंप की युद्ध संबंधी शक्तियों को सीमित करने का प्रस्ताव किया पारित

वॉशिंगटन। अमेरिकी सीनेट की ओर से ईरान पर 'वॉर पावर्स रिजॉल्यूशन' (युद्ध संबंधी अधिकारों का प्रस्ताव) पारित किया गया है, जिसके तहत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कांग्रेस की मंजूरी के बिना ईरान में और सैन्य कार्रवाई करने से रोका गया है। फरवरी में शुरू हुए टकराव के बाद से कांग्रेस के दोनों सदनों की ओर से ऐसा पहली बार हुआ है, जब इस तरह का प्रस्ताव पास किया गया है। यह प्रस्ताव ट्रंप के युद्ध से निपटने के तरीके के खिलाफ बढ़ते विरोध का संकेत के तौर पर भी है। सीनेट में 'ईरान वॉर पावर्स रिजॉल्यूशन' 50 के मुकाबले 48 वोटों से पास हुआ। इस प्रस्ताव के समर्थन में ज्यादातर डेमोक्रेट्स के साथ चार रिपब्लिकन भी शामिल हुए। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, एक डेमोक्रेट ने इसके खिलाफ वोट दिया।

कांग्रेस की वेबसाइट पर पब्लिश कानून के अनुसार, यह प्रस्ताव 'राष्ट्रपति को निर्देश देता है कि वे ईरान के अंदर या उसके खिलाफ चल रही सैन्य कार्रवाई से अमेरिकी सेना को हटा लें, जब तक कि युद्ध की घोषणा या इस मकसद के लिए सैन्य बल के इस्तेमाल की मंजूरी न दी गई हो।' समर्थकों का तर्क है कि ईरान के खिलाफ युद्ध बिना मंजूरी के शुरू किया गया, 'अपनी मर्जी से चुना गया युद्ध' था। कुछ अमेरिकी मीडिया संस्थानों ने इस प्रस्ताव के पास होने को मुख्य रूप से प्रतीकात्मक बताया है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, 'मंगलवार का प्रस्ताव शायद मुख्य रूप से प्रतीकात्मक ही होगा, क्योंकि प्रशासन का तर्क है कि अमेरिकी सेना अभी ईरान के साथ किसी सैन्य कार्रवाई में शामिल नहीं है। एनबीसी न्यूज ने कहा कि 'यह मुख्य रूप से प्रतीकात्मक कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अमेरिका और ईरान युद्ध खत्म करने के मकसद से बातचीत के शुरुआती दौर में हैं।

भारतीय आमों की मिठास से मजबूत होंगे रिश्ते, नितिन नवीन ने 82 देशों के राजनयिकों को भेजे विशेष बॉक्स

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भारत के आम को मेहमाननवाजी, दोस्ती और समृद्ध कृषि परंपरा का प्रतीक बताते हुए 82 देशों के राजनयिकों को भारतीय आमों के विशेष उपहार बॉक्स भेंट क?िए। यह भारत की कृषि विरासत और सांस्कृतिक पहचान को दुनिया तक पहुंचाने और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करने की एक अनोखी पहल है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने नई दिल्ली में तैनात 82 देशों के राजनयिकों को खास तौर पर तैयार किए गए प्रीमियम भारतीय आमों के उपहार बॉक्स भेजे हैं।

इन बॉक्स में भारत की चार सबसे प्रसिद्ध आमों की किस्में (केसर, दशहरी, बंगनपल्ली और लंगड़ा) शामिल थीं। ये सभी किस्में अपने अलग स्वाद, खुशबू और क्षेत्रीय पहचान के लिए जानी जाती हैं। इस पहल के जरिए भारत की विविध बागवानी परंपराओं और दुनिया भर में पसंद किए जाने वाले उसके सबसे लोकप्रिय फल को सामने लाने की कोशिश की गई है।

आमों के साथ नितिन नवीन ने राजनयिकों को एक व्यक्तिगत संदेश भी भेजा। उन्होंने अपने संदेश में शुभकामनाएं देते हुए भारतीय संस्कृति में आम के महत्व को बताया। उन्होंने आम को मेहमाननवाजी, दोस्ती और भारत की समृद्ध कृषि परंपरा का प्रतीक बताया। इस पहल को सांस्कृतिक कूटनीति (कल्चरल डिप्लोमेसी) के रूप में देखा जा रहा है, जहां भारत के सबसे पहचान वाले फलों में से एक आम के जरिए सद्भावना बढ़ाने और राजधानी में मौजूद अंतरराष्ट्रीय राजनयिक समुदाय के साथ रिश्तों को और मजबूत करने की कोशिश की गई है।

भारत दुनिया में आम के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। केसर, दशहरी, बंगनपल्ली और लंगड़ा जैसी किस्में अपने बेहतरीन स्वाद और गुणवत्ता के कारण न सिर्फ भारत में बल्कि विदेशों में भी काफी पसंद की जाती हैं।

गिर केसर: गुजरात के गिरनार पर्वत की तलहटी में उगाया जाने वाला यह मध्यम आकार का आम अपने चमकीले केसरिया गूदे और बेहद मीठे और सुगंधित रस के लिए मशहूर है। साल 2011 में मिले जीआई टैग (ज्योग्राफिकल इंडिकेशन) ने इसके खास क्षेत्रीय स्वाद को पहचान और संरक्षण दिया है। असली केसर आम को उसके हल्के लाल रंग और बेहतरीन मिठास से पहचाना जाता है।

मलिहाबादी दशहरी: उत्तर प्रदेश के मलिहाबाद का आम बेहद पतले छिलके, बिना रेशों वाले गूदे और शहद जैसी मिठास के लिए जाना जाता है। वर्ष 2009 में मिले जीआई टैग ने इसकी ऐतिहासिक खेती और इसकी खास खुशबू को संरक्षण दिया है।

बनगानपल्ली: आंध्र प्रदेश की यह प्रसिद्ध किस्म आकार में बड़ी और हल्के अंडाकार रूप वाली होती है। इसका सुनहरा पीला छिलका लगभग बिना दाग-धब्बों का होता है और इसका गूदा मोटा, मजबूत तथा बिना रेशों वाला होता है, जो काटने पर अपना आकार बनाए रखता है। साल 2017 में मिले जीआई टैग ने इसे दक्षिण भारत की एक प्रीमियम आम किस्म के रूप में मान्यता दी है और इसकी खास बनावट, बड़े आकार तथा लंबे समय तक ताजा रहने की क्षमता को सुरक्षित किया है।

उत्तर कोरिया ने 5,000 टन का नया विध्वंसक युद्धपोत नौसेना में किया शामिल

विश्व केसरी

सोल। उत्तर कोरिया ने 5,000 टन क्षमता वाले एक नए विध्वंसक युद्धपोत को अपनी नौसेना में शामिल किया है। देश के नेता किम जोंग-उन ने उम्मीद जताई है कि इससे नौसेना की लड़ाकू क्षमता 'कल्पना से परे प्रशंसनीय' स्तर तक मजबूत होगी। राज्य मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी।

किम जोंग-उन ने एक दिन पहले पश्चिमी बंदरगाह नामपो में 'नए प्रकार के बहु-मिशन' विध्वंसक 'चोए ह्योन' के कमीशनिंग समारोह में यह बात कही। यह जानकारी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से योनहाप ने दी।

यह समारोह ऐसे समय में हुआ है जब उत्तर कोरिया ने पिछले साल अप्रैल में इस युद्धपोत का अनावरण किया था, जिसका उद्देश्य देश की नौसैनिक शक्ति को बढ़ाना है। हाल के महीनों में कमीशनिंग से पहले चोए ह्योन से हथियार परीक्षण भी किए गए हैं।

अपने बधाई भाषण में किम ने

कहा कि यह विध्वंसक 'सबसे परिपूर्ण, जटिल संचालन और लड़ाकू क्षमता' से लैस है।

उन्होंने कहा, 'हमारी नौसेना की लड़ाकू क्षमता कल्पना से परे प्रशंसनीय स्तर तक बढ़ेगी।

उत्तर कोरियाई नौसेना की पहले कमजोर शाखा के रूप में रही छवि का जिक्र करते हुए किम ने कहा, 'अब हालात स्पष्ट रूप से बदल गए हैं। किम ने इस विध्वंसक की तैनाती को 'रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण कदम' बताया और कहा कि इससे देश की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होगी तथा परमाणु बलों के अधिक विविध और प्रभावी संचालन में मदद मिलेगी।

डीआरसी में इबोला संक्रमण के 1,094 मामले दर्ज, 277 की मौत

विश्व केसरी

किंशासा। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला अब तक 277 लोगों की जान ले चुका है। वहीं 1,094 के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। 15 मई को इबोला प्रकोप की घोषणा की गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसे पहले महीने में दर्ज सबसे अधिक मामलों का रिकॉर्ड बताया है।

मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 387 मरीज क्वारंटीन में हैं या उपचार प्राप्त कर रहे हैं, जबकि 115 लोग ठीक हो चुके हैं। इसके अलावा, 131 संदिग्ध मामले भी सामने आए हैं, जिनमें 44 संदिग्ध मौतें शामिल हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय की दैनिक महामारी रिपोर्ट के अनुसार, साप्ताहिक आधार पर पुष्ट मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है, जो समुदाय में संक्रमण के फैलाव को दर्शाता है। सिंहुआ न्यूज एजेंसी ने मंत्रालय के हवाले से बताया कि सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों को तेज किया गया है, जिसमें महामारी विज्ञान और प्रयोगशाला निगरानी को मजबूत करना तथा जांच क्षमता का विकेंद्रीकरण शामिल है। इससे समय रहते मामलों की पहचान संभव हो रही है और यह समुदाय स्तर पर फैलाव की पुष्टि करता है। जिनेवा में मंगलवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में डब्ल्यूएचओ के हेल्थ इमरजेंसी अलर्ट एंड रिस्पॉन्स ऑपरेशंस निदेशक अब्दिरहमान महमूद ने कहा कि यह अफ्रीका में किसी भी इबोला प्रकोप के पहले महीने में दर्ज सबसे अधिक मामले हैं।

उन्होंने बताया कि प्रतिक्रिया क्षमता में सुधार के संकेत मिले हैं और हाल के दो हफ्तों में उपचार सुविधाएं बढ़ी हैं। अब यह क्षमता कुछ ही बेड से बढ़कर 19 स्वास्थ्य क्षेत्रों में 500 से अधिक बेड तक पहुंच गई है।

प्रयोगशाला क्षमता भी तेजी से बढ़ाई गई है। शुरुआत में राजधानी किंशासा में प्रतिदिन लगभग 30 परीक्षण होते थे तो अब ये 2000 से अधिक तक पहुंच गया है। इतुरी, नॉर्थ किवु और साउथ किवु प्रांतों में फैली आठ प्रयोगशालाओं के नेटवर्क के जरिए ये संभव हुआ है।

डीआरसी के राष्ट्रपति फेलिक्स त्शिसेकेदी ने मंगलवार को कहा कि वे जल्द ही इतुरी प्रांत का दौरा करेंगे, जो इस प्रकोप का केंद्र है, ताकि जमीनी स्तर पर राहत और नियंत्रण कार्यों की समीक्षा की जा सके। किंशासा में आयोजित एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने यह बात बुरुंडी के राष्ट्रपति इवेरिस्टे नदायिशिमिये के साथ कही, जिनका देश वर्तमान में अफ्रीकी संघ की रोटेशन आधारित अध्यक्षता कर रहा है।

बलूचिस्तान में लंबे समय से जारी विद्रोह ने पकड़ी गति, हालात बिगड़े

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में दशकों से चल रहा विद्रोह और अधिक गंभीर हो गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों पर नागरिकों के जबरन गायब किए जाने और बिना मुकदमे के हत्या जैसे आरोपों ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है।

दक्षिण एशिया टेररिज्म पोर्टल (एसएटीपी) के आंशिक आंकड़ों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि इस वर्ष 21 जून तक बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) से जुड़े 59 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 233 लोगों की मौत हुई। इनमें 21 नागरिक, 203 सुरक्षा बलों के जवान और 9 उग्रवादी शामिल हैं।तुलनात्मक रूप से, वर्ष 2025 में ऐसी 93 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें कुल 273 लोगों की जान गई थी। इनमें 30 नागरिक, 226 सुरक्षा बलों के जवान और 17 उग्रवादी शामिल थे।

एक रिपोर्ट के अनुसार, बीएलएफ ने 4 जनवरी 2026 को अपने वार्षिक ऑपरेशनल रिपोर्ट में 2025 को 'राष्ट्रीय प्रतिरोध संघर्ष' के लिए निर्णायक वर्ष बताया और दावा किया कि उसने तटीय क्षेत्रों, शहरी इलाकों, हाईवे और दूरदराज के क्षेत्रों में सुरक्षा बलों और सरकारी ढांचे को निशाना बनाकर योजनाबद्ध तरीके से अभियान चलाए।

बीएलएफ ने दावा किया कि 2025 में उसने 581 सशस्त्र कार्रवाइयां कीं, जिनमें 929 लोग हताहत हुए। इनमें 647 की मौत और 282 घायल शामिल हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, घायल हुए लोगों में पाकिस्तानी सेना और फ्रंटियर कॉर्प्स के जवान, खुफिया एजेंसियों के कर्मी, पुलिसकर्मी, 'डेथ स्क्वॉड' के सदस्य और कोस्ट गार्ड के कर्मी शामिल थे।

बीएलएफ ने अपनी गतिविधियों में घात लगाकर हमले, ग्रेनेड हमले, आईईडी विस्फोट, स्नाइपर हमले और भारी हथियारों का इस्तेमाल करने जैसे कई अभियानों का दावा किया है।

8 जून को खुजदार जिले के नाल शहर में हुए एक बड़े हमले का उल्लेख करते हुए रिपोर्ट में कहा गया कि बीएलएफ ने दावा किया कि उसने इलाके पर कुछ समय के लिए नियंत्रण स्थापित कर लिया था और पुलिस स्टेशन सहित कई सरकारी इमारतों को अपने कब्जे में ले लिया था।

बिनॉय जॉर्ज उरुग्वे में भारत के अगले राजदूत नियुक्त

नई दिल्ली। दक्षिण अमेरिका के दक्षिणपूर्वी हिस्से में स्थित उरुग्वे के नए राजदूत बिनॉय जॉर्ज होंगे। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि 2006 बैच के आईएफएस जॉर्ज वर्तमान में विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं और उन्हें ओरिएंटल रिपब्लिक ऑफ उरुग्वे में बतौर राजदूत नियुक्त किया गया है। वो जल्द ही अपना नया कार्यभार संभालेंगे। नियुक्ति से पहले तक, अर्जेंटीना में भारत के राजदूत अजनीश कुमार ही राजदूत के रूप में अतिरिक्त जिम्मेदारी (समवर्ती मान्यता) निभा रहे थे। एमईए के ऑफिशियल साइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, डॉ. बिनॉय जॉर्ज भारतीय विदेश सेवा के एक अनुभवी राजनयिक हैं। उन्होंने वैश्विक स्तर पर भारत के कई महत्वपूर्ण मिशनों में अपनी जिम्मेदारियां निभाई हैं। फिलहाल वह नई दिल्ली में संयुक्त सचिव (कोंसुलर, पासपोर्ट, वीजा - सीपीवी) के रूप में कार्यरत हैं।

इसके अलावा उन्होंने जर्मनी, बेल्जियम, स्पेन, नीदरलैंड, श्रीलंका और यूरोपीय संघ में भी अपनी सेवाएं दी हैं। इसके अलावा वो बांग्लादेश में भारत के उप उच्चायुक्त के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। बर्लिन (जर्मनी) में भारतीय दूतावास, म्यूनिख में भारत के महावाणिज्य दूतावास और बैंकॉक (थाईलैंड) में भारतीय दूतावास में भी तैनात रह चुके हैं। अनुभवी राजनयिक ने यूएनईएससीएपी (एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र का आर्थिक और सामाजिक आयोग) में भारत के वैकल्पिक उप स्थायी प्रतिनिधि (डीपीआर) के तौर पर देश का प्रतिनिधित्व किया है।

वहीं, बात करें भारत और उरुग्वे के आपसी संबंधों की तो पारंपरिक रूप से ये बेहद मैत्रीपूर्ण और मजबूत रहे हैं। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध साल 1960 में स्थापित हुए थे। दोनों देशों ने हाल ही में राजनयिक संबंधों के 75 साल का जश्न मनाया था। ब्यूनस आयर्स स्थित भारतीय दूतावास के अनुसार, उरुग्वे में भारतीय संस्कृति, योग और आध्यात्मिक संगठनों की अच्छी मौजूदगी है। देश में साईं बाबा, इस्कॉन, आर्ट ऑफ लिविंग और ब्रह्माकुमारी जैसे समूहों के सैकड़ों अनुयायी हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) को यहां हर साल बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है, जिसमें 2025 में 20 से अधिक योग स्कूलों और सैकड़ों लोगों की भागीदारी रही।

दक्षिण कोरिया-भारत के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठकों ने साझेदारी को नई दिशा दी : एस जयशंकर

सोल। दो दिवसीय दौरे पर दक्षिण कोरिया पहुंचे विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून संग बैठक की। जिसमें दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह बैठक सटीक समय पर हो रही है, क्योंकि हाल ही में हुई उच्च-स्तरीय राष्ट्रपति यात्रा के बाद वैश्विक परिस्थितियों में द्विपक्षीय साझेदारी का महत्व और बढ़ गया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार इस दौरान जयशंकर ने कहा, 'जब से चो ह्यून ने पद संभाला है, उनकी मुलाकात न्यूयॉर्क, कुआलालंपुर, वाशिंगटन, जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक और हाल ही में राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान हो चुकी है। विदेश मंत्रियों के रूप में दोनों की जिम्मेदारी है कि वे इस रिश्ते को आगे बढ़ाएं और विभिन्न सरकारी तथा

आर्थिक क्षेत्रों के बीच सहयोग को बेहतर तरीके से समन्वित करें।

जयशंकर ने वर्तमान समय में इन संबंधों की अहमियत समझाई। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में समान विचारधारा वाले, साझा मूल्यों वाले और आपसी विश्वास रखने वाले देशों के बीच सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

भारत के विदेश मंत्री ने द्विपक्षीय रिश्तों में आई गति की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, 'हाल की उच्च-स्तरीय बैठकों में राष्ट्रपति यात्रा और जी7 जैसे मंच शामिल हैंने इस साझेदारी को आगे ले जाने के लिए दिशा प्रदान की है। उन्होंने भारत की ओर से यह भरोसा दिलाया कि दोनों देशों के रिश्तों की पूरी संभावनाओं को साकार करने के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे।

विदेश मंत्री ने चो ह्यून की व्यक्तिगत प्रतिबद्धता की भी सराहना की और कहा कि उन्होंने इस संबंध को शुरू से ही मजबूत करने का स्पष्ट संकेत दिया है, जिसे भारत भी समान रूप से महत्व देता है।

गृह मंत्री अमित शाह करेंगे नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर की 10वीं शीर्ष स्तरीय बैठक की अध्यक्षता

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर की 10वीं शीर्ष-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा आयोजित यह बैठक, प्रधानमंत्री मोदी के नशामुक्त भारत के विज़न को साकार करने के सरकार के प्रयासों को और मज़बूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। यह बैठक हाइब्रिड मोड में 44 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के प्रमुख हितधारकों के साथ-साथ राज्य सरकारों और ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसियों के 108 प्रतिनिधियों को एक सालाएगी ।गी

इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री 'मादक पदार्थ नियंत्रण पर विज़न डॉक्यूमेंट (2026-2029)' जारी करेंगे। केंद्र सरकार के संबंधित विभागों, मादक पदार्थ प्रवर्तन एजेंसियों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया यह विज़न डॉक्यूमेंट, ड्रग की समस्या से निपटने के लिए मांग कम करने, आपूर्ति कम करने और नुकसान कम करने के पहलुओं पर एक साझा रोडमैप प्रदान करेगा। इस रोडमैप में नेटवर्क-केंद्रित प्रवर्तन अप्रोच की परिकल्पना की गई है। साथ ही, इसमें अगले तीन वर्षों के दौरान सिंथेटिक ड्रग्स और डार्कनेट के ज़रिए होने वाली तस्करी की चुनौतियों से निपटने, युवाओं को ड्रग्स से दूर रखने, और ड्रग्स का इस्तेमाल करने वालों के लिए इलाज व पुनर्वास केंद्रों की पहुंच बढ़ाने जैसे उपाय भी शामिल हैं, जिन्हें समन्वित और निरंतर तरीके से लागू किया जाएगा। यह दस्तावेज़ सभी हितधारकों की जिम्मेदारियों, समय-सीमाओं एवं लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करते हुए, प्रवर्तन, मांग में कमी, पुनर्वास, जन-जागरूकता, क्षमता निर्माण और अंतर-एजेंसी समन्वय को एकीकृत करता है। यह विज़न डॉक्यूमेंट देश भर में ड्रग्स की समस्या से निपटने के लिए नीति बनाने, उसे लागू करने और संस्थागत मज़बूती लाने के काम में एक मार्गदर्शक रूपरेखा के तौर पर काम करेगा।

इस अवसर पर गृह मंत्री अमित शाह एनसीबी वार्षिक रिपोर्ट- 20255 जारी करेंगे और जम्मू एवं गुवाहाटी में नवनिर्मित एनसीबीआंचलिक कार्यालयों का उद्घाटन करेंगे। 'ड्रग डिस्पोज़ल फोर्टनाइट कैंपेन' नशीले पदार्थों को नष्ट करने का एक विशेष अभियान है। इस पखवाड़े के दौरान, देशभर में अलग-अलकेंद्रीयय और राज्य कानून-प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा कानून के अनुसार लगभग 2,09,500 किलोग्राम नशीले पदार्थ नष्ट किए जाने की उम्मीद है, जिनकी कीमत 6,000 करोड़ रुपए है। यह बैठक देश में मादक पदार्थों की समस्या से निपटने के लिए सभी सम्बन्धित हितधारकों द्वारा किए गए सामूहिक प्रयासों की व्यापक समीक्षा एवं मूल्यांकन के लिए एक मंच प्रदान करेगी। इस कार्यक्रम के माध्यम से सहभागी राज्यों, विभागों एवं एजेंसियों को नशीले पदार्थों पर प्रभावी नियंत्रण का लक्ष्य हासिल करने के लिए नए उत्साह एवं प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने में सहायता मिलेगी। देश में मादक पदार्थों की समस्या से प्रभावी ढंग से लड़ने के लिए 'सरकार का समग्र दृष्टिकोण' की आवश्यकता पर बल देते हुए, यह उच्च-स्तरीय बैठक आगामी तीन वर्षों में देशभर में मादक पदार्थ तस्करी एवं मादक पदार्थों के दुरुपयोग से प्रभावी ढंग से निपटने से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श करेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध अपनाई गई 'जीरो टॉलरेंस नीति' को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण बैठक साबित होगी।

सीएम मोहन यादव ने जबलपुर एयरपोर्ट का नाम बदलने का वादा किया, विपक्ष ने देरी पर सवाल उठाए

विश्व केसरी

जबलपुर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को गोंडवाना की रानी और आदिवासी समाज का प्रमुख चेहरा रहीं रानी दुर्गावती के सम्मान के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने घोषणा की कि वह जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट का नाम इस महान योद्धा रानी के नाम पर रखने के प्रस्ताव को केंद्र के समक्ष व्यक्तिगत रूप से आगे बढ़ाएंगे।

यह घोषणा जबलपुर में रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों के दौरान की गई। रानी दुर्गावती ने 24 जून, 1564 को आसफ खान के नेतृत्व वाली मुगल सेना से लड़ते हुए अपनी जान दे दी थी।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, 'मैं व्यक्तिगत रूप से केंद्र सरकार के पास यह प्रस्ताव ले जाऊंगा ताकि डुमना एयरपोर्ट का नाम बदलकर रानी दुर्गावती पर रखा जा सके। हमारी सरकार ने हमेशा उनके सम्मान में काम किया है, और पिछले साल हमने जबलपुर में एक बड़े फ्लाईओवर का नाम उनके नाम पर रखा था। यह मुद्दा लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश सिंह ने उठाया। उन्होंने मुख्यमंत्री को याद दिलाया कि मध्य प्रदेश विधानसभा ने पिछले साल ही डुमना एयरपोर्ट का नाम रानी दुर्गावती पर रखने का प्रस्ताव पारित किया था और इसे मंजूरी के लिए केंद्र को भेजा था।

राकेश सिंह ने कहा, 'विधानसभा ने प्रस्ताव पारित कर दिल्ली भेज दिया है। अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है, इसलिए मैं मुख्यमंत्री से अनुरोध करता हूं कि वे सुनिश्चित करें कि केंद्र जल्द से जल्द इसे मंजूरी दे ताकि महाकौशल के लोगों की लंबे समय से चली आ रही यह मांग पूरी हो सके। इस मांग को सभी दलों का समर्थन मिल रहा है। वहीं, विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने प्रस्ताव को लागू करने में हो रही देरी पर सवाल उठाए हैं।

सिंघार ने निशाना साधते हुए कहा, 'जब मध्य प्रदेश और केंद्र दोनों जगह भाजपा की सरकार है, तो प्रस्ताव अभी तक लागू क्यों नहीं हुआ? मुख्यमंत्री को सिर्फ घोषणाएं नहीं करनी चाहिए। उन्हें लोगों को बताना चाहिए कि एयरपोर्ट का नाम असल में कब रानी दुर्गावती के नाम पर रखा जाएगा।

डुमना एयरपोर्ट, जिसे आधिकारिक तौर पर जबलपुर एयरपोर्ट के नाम से जाना जाता है, मध्य प्रदेश के प्रमुख एविएशन हब में से एक है और महाकौशल क्षेत्र को सेवा देता है। जबलपुर शहर से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित इस एयरपोर्ट का हाल के वर्षों में काफी विस्तार हुआ है, जिसमें एक आधुनिक टर्मिनल बिल्डिंग का निर्माण और यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं शामिल हैं।

यह एयरपोर्ट अभी भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के तहत काम करता है और जबलपुर को दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहरों से जोड़ता है।

संक्षिप्त खबर

एएमएमए का विवाद जल्द सुलझेगा, उम्मीद है: ममूट्टी

कोच्चि। मलयालम फिल्म कलाकारों के संगठन एएमएमए (मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन) में जारी विवाद के बीच दिग्गज अभिनेता और पद्म भूषण सम्मानित ममूट्टी ने उम्मीद जताई है कि संगठन में पैदा हुआ संकट जल्द समाप्त हो जाएगा।बुधवार को ममूट्टी ने कहा, 'बिल्कुल, एएमएमए में सब कुछ ठीक हो जाएगा। इसे ठीक होना ही है।' उनके इस बयान को ऐसे समय में सकारात्मक संकेत माना जा रहा है, जब संगठन के भीतर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। ताजा विवाद की शुरुआत एएमएमए की पूर्व अध्यक्ष श्वेता मेनन के इस्तीफे के बाद हुई। श्वेता मेनन ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि वह किसी की कठपुतली बनकर काम करने को तैयार नहीं थीं। बुधवार को सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक तीखे बयान में उन्होंने आरोप लगाया कि पद संभालने से पहले ही उनके चरित्र हनन की कोशिशें शुरू हो गई थीं और कार्यकाल के दौरान भी यह सिलसिला जारी रहा। गौरतलब है कि रविवार को श्वेता मेनन के नेतृत्व वाली पूरी कार्यकारिणी ने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद कांग्रेस विधायक रमेश पिशारोडी की अध्यक्षता में नौ सदस्यीय एड-हॉक समिति गठित की गई है, जो अगले चार महीनों में नए कार्यकारी निकाय के चुनाव कराने सहित संगठन के कामकाज की देखरेख करेगी। श्वेता मेनन ने आरोप लगाया कि उन्हें पूर्व पदाधिकारियों द्वारा लिए गए संदिग्ध फैसलों की जांच करने से रोका गया। उन्होंने पिछले दो कार्यकालों की वित्तीय गतिविधियों की व्यापक फोरेंसिक ऑडिट कराने की मांग भी उठाई। उनका कहना है कि संगठन की कार्यप्रणाली में विश्वास बहाल करने के लिए खातों की वैज्ञानिक और निष्पक्ष जांच जरूरी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका किसी राजनीतिक विचारधारा या संगठन से कोई संबंध नहीं है और न ही वह संघ परिवार या वामपंथी आंदोलन के साथ जुड़ी हुई हैं।

री-इवैल्यूएशन के बाद बदली किस्मत, अहमदाबाद का छात्र बना सीबीएसई 12वीं टॉपर

अहमदाबाद। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने 21 जून को कक्षा 12वीं के री-इवैल्यूएशन और वेरिफिकेशन के नतीजे घोषित किए। री-इवैल्यूएशन के नतीजे आने के बाद, गुजरात के अहमदाबाद के छात्र कृष अच्युत दानी ने सीबीएसई क्लास 12 की परीक्षा में 500 में से 499 अंक हासिल करके इतिहास रच दिया। इस शानदार उपलब्धि के साथ, उन्होंने देश में टॉप रैंक हासिल की और अपने बेहतरीन एकेडमिक प्रदर्शन के लिए खूब तारीफ बटोरी। इसी को लेकर कृष अच्युत दानी ने बुधवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि मैं अपने रिजल्ट से बहुत ज्यादा खुश हूं। उन्होंने बताया कि वह बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए प्रतिदिन 2 से 3 घंटे की सेल्फ स्टडी करते थे। इसके अतिरिक्त वह रोजाना सीए फाउंडेशन परीक्षा की भी तैयारी करते थे, जिसका एग्जाम उन्होंने मई में दिया है।बिना किसी कोचिंग और क्लास के कृष अच्युत ने इतना बेहतरीन परिणाम हासिल किया, इस पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने यह सुनिश्चित किया था कि मैं हर रोज कम से कम 2 से 3 घंटे की पढ़ाई करूं। इसी के साथ बोर्ड परीक्षा के दौरान, मैं जिस भी विषय की परीक्षा के लिए जाता था। इससे पहले मैं उस विषय को एक से दो बार पूरी तरह रिवाइज जरूर करता था। उन्होंने 12वीं में अपने विषय के बारे में बताते हुए कहा कि उसमें अकाउंटेंसी, अंग्रेजी, आंत्रप्रेन्योरशिप, बिजनेस स्टडीज और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) थे। वहीं, रीचेक के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा कि पहले मुझे 12वीं बोर्ड में 481 अंक प्राप्त हुए थे और बिजनेस स्टडीज में मात्र 83 अंक मिले थे।

सिंडिकेट मामले में गिरफ्तार पूर्व कोलकाता पुलिस डीसी के करीबी तीन पुलिसकर्मियों को ईडी का समन

विश्व केसरी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आपराधिक सिंडिकेट से जुड़े मामले में गिरफ्तार पूर्व कोलकाता पुलिस उपायुक्त शांतनु सिन्हा बिस्वास के करीबी तीन पुलिस अधिकारियों को पूछताछ के लिए तलब किया है।

केंद्रीय जांच एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि जिन तीन पुलिसकर्मियों को समन जारी किया गया है, उनमें दक्षिण कोलकाता के एक थाने में तैनात एक सब-इंस्पेक्टर भी शामिल है।

इसके अलावा, ईडी ने गिरफ्तार सिंडिकेट संचालक बिस्वजीत पोद्दार उर्फ सोना पप्पू के परिवार के सदस्यों को भी पूछताछ के लिए बुलाया है। उनकी पत्नी सोमा पोद्दार सहित परिवार के कई सदस्यों को इस सप्ताह ईडी कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।

दक्षिण कोलकाता के बालीगंज निवासी सोना पप्पू पर जमीन कब्जाने, जबरन वसूली और अवैध हथियार रखने समेत कई गंभीर आरोप हैं। उनके खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज है।

ईडी ने इन्हीं आरोपों के आधार पर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान कारोबारी जॉय कामदार का नाम भी सामने आया, जिसके बाद एजेंसी ने उन्हें भी इसी मामले में गिरफ्तार किया था।

जांच के सिलसिले में ईडी ने दक्षिण कोलकाता के फर्न रोड स्थित शांतनु सिन्हा बिस्वास के आवास पर भी छापेमारी की थी। तलाशी अभियान के अगले दिन एजेंसी ने शांतनु और उनके दो बेटों सायंतन तथा मनीष को साल्ट लेक स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स कार्यालय में पूछताछ के लिए तलब किया था, लेकिन उस दिन वे ईडी कार्यालय नहीं पहुंचे। अप्रैल में भी ईडी ने रेत तस्करी मामले की जांच के तहत शांतनु को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन उन्होंने समन की अनदेखी की थी। बाद में उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया गया। कई बार समन से बचने के बाद जब शंतनु ईडी कार्यालय पहुंचे, तो लंबी पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि उस समय तक सोना पप्पू फरार था।

पिछले महीने सोना पप्पू अचानक अपनी पत्नी के साथ सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित ईडी कार्यालय पहुंचा था। वहां लंबी पूछताछ के बाद उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया।

फिलहाल शांतनु सिन्हा बिस्वास, सोना पप्पू और जॉय कामदार तीनों न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी अब सोना पप्पू की पत्नी और अन्य पारिवारिक सदस्यों से पूछताछ कर मामले के वित्तीय और आपराधिक पहलुओं की गहन जांच करना चाहती है।

सूखे की मार से जूझते हिमाचल में फटा बादल

विश्व केसरी

चंडीगढ़। पर्वतीय राज्य हिमाचल प्रदेश इस सगय प्रकृति की दोहरी गार होल रहा है। जहाँ एक तरफ गानसून की देरी से किसान परेशान हैं, तो दूसरी तरफ अचानक हो रही फटने जैसी घटनाओं ने लोगों को डरा दिया है। आज सुबह तड़के 4 बजे जब लोग गहरी नींद सो रहे थे उस दौरान ही किन्नौर के निचार इलाके में अचानक बादल फट गया। देखते ही देखते कचरंग नाले का जलस्तर खतरनाक तरीके से बढ़ गया और इलाके में बाढ़ जैसे हालात बन गये। बारिश के पानी के तेज बहाव में इलाके को जोड़ने वाली एक गुख्य सड़क पूरी तरह बह गई है। हालांकि, किन्नौर के डिप्टी कमिश्नर अमित शर्मा ने साफ किया है कि किसी भी जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। आपदा सिर्फ किन्नौर तक सीमित नहीं है। राजधानी शिमला में भी मौसम का मिजाज पलक झपकते ही बदल गया। सुबह साढ़े दस बजे तक जहाँ सुहानी धूप खिली थी, वहीं ठीक 11 बजे दिन में ही अंधेरा छा गया और तेज बारिश शुरू हो गई। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि शिमला, किन्नौर और लाहौल-स्पीति में हल्की से मध्यम बारिश जारी रहेगी। इसके अलावा सिरमौर, कांगड़ा, सोलन, कुल्लू

और मंडी जैसे बड़े जिलों में तेज आंधी-तूफान के साथ ओलावृष्टि की भी आशंका है। इन सब के बीच राज्य पर सूखे का खतरा भी मंडरा रहा है। प्रदेश में मानसून की एंट्री की तारीख 22 जून थी, जो अब बीत चुकी है। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो अगले पूरे हफ्ते तक मानसून आने की उम्मीद बेहद कम है। मानसून में हो रही इस देरी की वजह से राज्य में अब तक सामान्य से 25 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। 1 से 23 जून के बीच जहाँ 66.7 मिलीमीटर पानी बरस जाना चाहिए था, वहाँ सिर्फ 49.9 मिलीमीटर बारिश ही रिकॉर्ड की गई है। सोलन को छोड़ दें तो हिमाचल के बाकी सभी जिले बूंद-बूंद को तरस रहे हैं। गौसग विभाग ने चेतावनी दी है कि 25 और 28. जून को ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। स्थानीय निवासियों और पर्यटकों को भी सावधान रहने की सलाह दी गयी है।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में खाई में गिरी मिनीबस, 23 श्रद्धालु घायल, दो की हालत गंभीर

विश्व केसरी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में बुधवार को एक सड़क हादसे में कम से कम 23 श्रद्धालु घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, इनमें से दो श्रद्धालुओं की हालत गंभीर बताई जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि बिलावर कस्बे के निकट स्थित प्रसिद्ध सुकराला माता मंदिर जा रही श्रद्धालुओं से भरी एक मिनीबस सिम्बली क्षेत्र में नियंत्रण खोने के बाद गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के समय बस मंदिर की ओर जा रही थी।

अधिकारियों के मुताबिक, चालक के नियंत्रण खोने के बाद यह दुर्घटना हुई। हादसे में घायल सभी श्रद्धालुओं को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। इलाज कर रहे डॉक्टरों ने बताया कि दो श्रद्धालुओं को गंभीर चोटें आई हैं और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

अधिकारियों ने बताया, 'बचाव अभियान पुलिस, नागरिक प्रशासन और स्थानीय लोगों ने संयुक्त रूप से चलाया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही सभी राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए और घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया।

उन्होंने कहा कि पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है, ताकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। सुकराला माता मंदिर कठुआ जिले के बिलावर क्षेत्र के निकट स्थित एक अत्यंत श्रद्धेय हिंदू तीर्थस्थल है। यह मंदिर देवी माल देवी को समर्पित है, जिन्हें शारदा देवी का अवतार माना जाता है। लगभग 3,500 फीट ऊंची पहाड़ी पर स्थित सफेद गुंबद वाला यह मंदिर विशेष रूप से नवरात्रि के दौरान हजारों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। मंदिर में देवी की पूजा पीतल के सिंह पर विराजमान एक पवित्र शिला के रूप में की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, देवी को माता वैष्णो देवी की बड़ी बहन माना जाता है।

स्थानीय लोककथाओं के अनुसार, इस मंदिर की स्थापना हिमाचल प्रदेश के चंबा के निर्वासित राजकुमार मदहो सिंह ने कराई थी। यह मंदिर जम्मू से लगभग 125 किलोमीटर और कठुआ शहर से करीब 75 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को पहाड़ी के आधार से सीढ़ियों का लंबा मार्ग तय करना पड़ता है।

4.39 करोड़ का सोना बरामद होने के अगले ही दिन तृणमूल नेता और उसके पति लापता, जांच में जुटी पुलिस

कोलकाता। पुलिस ने बुधवार को बताया कि नादिया जिला परिषद की सदस्य और तृणमूल कांग्रेस नेता टीना भौमिक साहा और उनके पति लापता हो गए हैं। उनके घर से 4.39 करोड़ रुपए से ज्यादा की कीमत के तीन किलोग्राम से ज्यादा सोने के गहने बरामद होने के एक दिन बाद यह घटना हुई है।

पुलिस टीना भौमिक साहा की तलाश कर रही है, जो गिरफ्तार तृणमूल कांग्रेस नेता और बिधाननगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के पूर्व मेयर सब्यसाची दत्ता की करीबी दोस्त हैं। पुलिस ने बताया कि सोमवार रात शुरू हुई और बुधवार शाम तक चली तलाशी के दौरान टीना भौमिक साहा और उनके पति नादिया जिले के तेहट्टा में स्थित अपने घर पर मौजूद नहीं थे। पुलिस ने उनके माता-पिता और ससुरालवालों के घरों की भी तलाशी ली थी। उनकी बुजुर्ग सास ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि यह जोड़ा सोमवार को एक

साथ काम पर गया था और तबसे उनकी अपने बेटे और बहू से कोई बात नहीं हुई है।

पड़ोसियों ने बताया कि दोनों को अपनी कार में जाते हुए देखा गया था। सवाल उठ रहे हैं कि क्या उन्हें अपने घर पर तलाशी की खबर मिल गई थी और उन्होंने घर न लौटने का फैसला किया। आशंका है कि भारी मात्रा में सोने के गहने मिलने के बाद यह जोड़ा कहीं छिप गया है। दूसरी ओर, बिधाननगर साउथ पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने उन्हें बुधवार को पूछताछ के लिए बुलाया है। गौरतलब है कि बिधाननगर के गिरफ्तार पूर्व मेयर और कभी प्रभावशाली नेता रहे सब्यसाची दत्ता से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने उनकी करीबी दोस्त टीना भौमिक साहा के घर तलाशी ली और 3 किलोग्राम से ज्यादा सोने के गहने बरामद किए, जिनकी कीमत 4.39 करोड़ रुपए से ज्यादा है।

पुलिस ने मंगलवार को बताया कि तेहट्टा में नादिया जिला परिषद सदस्य के घर रात भर चली तलाशी के बाद यह सोना बरामद हुआ।

पंजाब एससी आयोग केसामने पेश हुये केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू

चार तीर्थ स्थलों पर मतमस्तक होने का मिला आदेश: पुलिस पर अभद्र टिप्पणी का मामला

विश्व केसरी

चंडीगढ़। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवीनीत सिंह बिट्टू को पंजाब अनुसूचित जाति आयोग ने धार्मिक स्थलों पर नतमस्तक होने का दंड दिया है। बिट्टू आज राजधानी चंडीगढ़ में राज्य अनुसूचित जाति आयोग के समक्ष पेश हुए थे। सुनवाई के बाद आयोग ने उन्हें चार स्थानों पर सर झुकाकर क्षमा-प्रार्थना करने का निर्देश दिया। यह कार्रवाई आयोग ने पुलिस के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियाँ करने के मामले में की है। पंजाब निकाय चुनाव में मतदान के दिन धुरी में बीजेपी नेता ओंकार सिंह को छुड़ाने के सिलसिले में रवनीत बिट्टू की पुलिस अधिकारियों से तीखी बहस हुई थी। बिट्टू को जिन चार स्थानों पर सर झुकाना है, उनमें श्री दरबार साहिब, फिलौर में डेरा ब्रह्मदास, भगवान वाल्मीकि जी का डेरा (राम तीर्थ, अमृतसर) और डेरा बल्लां शामिल हैं, जहाँ वे माथा टेककर आशीर्वाद लेंगे।

पहले आयोग के समक्ष जाने से इंकार कर चुके बिट्टू ने पेशी के बाद मिले फ़ैसले पर कहा कि जो लोग जिद करते हैं उन्हें हार का सामना करना पड़ता है, जबकि बातचीत करने वालों को माफी और सम्मान मिलता है। उन्होंने कहा कि आयोग ने उन्हें आशीर्वाद लेने का आदेश दिया, जो उनकी नियति है। उन्होंने कहा कि उन्हें झील में डुबकी लगाने और लंगर में भाग लेने का अवसर भी मिला। केंद्रीय कैबिनेट में अपने मंत्री पद के संदर्भ में उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले ही स्पष्ट कह दिया है कि यदि मैं मंत्री बना रहूँगा तो पंजाब को समय नहीं दे पाऊँगा,. केंद्र में मंत्री का पद होने के कारण समय निकालना कठिन है। अब पार्टी निर्णय करेगी। अभी यह तय नहीं हुआ कि मैं पद जारी रखूँगा या नहीं। गौरतलब है कि भाजपा ने राज्य सभा सदस्य के रूप में रवनीत बिट्टू को दोबारा नामित नहीं किया है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने एफपीओ को बताया किसानों की समृद्धि की कुंजी

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कृषि क्षेत्र में शोध और नवाचारों को सीधे किसानों तक पहुंचाने पर जोर देते हुए कहा कि केवल शोधपत्रों और व्याख्यानों से कृषि की चुनौतियों का समाधान नहीं होगा। नई तकनीक, उपकरण और वैज्ञानिक शोध का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब उन्हें किसानों के खेतों तक पहुंचाकर व्यवहारिक रूप से लागू किया जाएगा। उन्होंने किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को सशक्त बनाकर किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने का आह्वान किया।

नाबार्ड, लखनऊ में आयोजित 'एफपीओ स्तरीय कृषि चुनौतियों पर चर्चा' कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और किसान उत्पादक

संगठनों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन, जल संरक्षण, भूमि की उर्वरता, फसल विविधीकरण और विपणन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना समय की मांग है। राज्यपाल ने कृषि विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने शोध और तकनीकों के प्रभाव का ठोस आंकड़ा तैयार करें। यह स्पष्ट होना चाहिए कि नई तकनीकों के प्रयोग से उत्पादन में कितनी वृद्धि हुई, कितने किसानों को लाभ मिला और उनकी आय में कितना सुधार आया। उन्होंने विद्यार्थियों को भी अपने खेतों में जैविक खेती अपनाने और किसानों को इसके लिए प्रेरित करने का सुझाव दिया। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने विभिन्न एफपीओ द्वारा प्रदर्शित कृषि उत्पादों, फलों और मूल्य संवर्धित वस्तुओं का अवलोकन किया। उन्होंने महिला किसानों और छोटे उत्पादकों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने, प्रसंस्करण सुविधाओं को मजबूत करने और उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक योजना और कार्यक्रम के केंद्र में किसान और आम जनता होनी चाहिए। विश्वविद्यालयों को दिए जाने वाले उत्पादन लक्ष्यों के साथ उनके उत्पादों की खरीद सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि शोध और उत्पादन का सीधा लाभ किसानों तक पहुंच सके। उन्होंने भारत सरकार की योजनाओं और संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने तथा विभागीय स्तर पर जवाबदेही तय करने की भी आवश्यकता बताई। राज्यपाल ने अपने गुजरात के अनुभव साझा करते हुए कहा कि जनभागीदारी, महिला सशक्तीकरण और प्रशासनिक समन्वय के बल पर बड़े बदलाव संभव हैं। उन्होंने आदिवासी महिला किसानों को बाजार से जोड़ने और शिक्षा के क्षेत्र में चलाए गए अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही विकास का मॉडल तैयार होता है।

राज्यपाल ने अधिकारियों से सकारात्मक सोच और परिणामोन्मुखी कार्यशैली अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कृषि क्षेत्र की चुनौतियों पर समय-समय पर सरकार को सुझाव देने और संकल्प के साथ एफपीओ की समस्याओं के समाधान के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

नीति आयोग समर्थित इनोवेशन चैलेंज में छह स्टार्टअप बने विजेता, सस्टेनेबिलिटी और नवाचार के क्षेत्र में मिली बड़ी पहचान

विश्व केसरी

नई दिल्ली। देश भर के युवाओं द्वारा संचालित छह स्टार्टअप्स को 8वें यूथ को:लैब नेशनल इनोवेशन चैलेंज 2026 का विजेता चुना गया है। सरकार ने बुधवार को बताया कि इन सभी स्टार्टअप्स को सीड फंडिंग के साथ-साथ क्षमता विकास (कैपेसिटी बिल्डिंग) सहायता भी प्रदान की गई है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इन स्टार्टअप्स को ऐसे नवाचारी समाधान विकसित करने के लिए चुना गया, जो सर्कुलर इकोनॉमी, टिकाऊ वस्त्र एवं फैशन, टिकाऊ खाद्य प्रणालियों और जल संरक्षण के माध्यम से सतत विकास को बढ़ावा देते हैं।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) इंडिया और सिटी फाउंडेशन के संयुक्त नेतृत्व में आयोजित इस चैलेंज को अटल इनोवेशन मिशन के सहयोग से संचालित किया गया, जबकि इसका क्रियान्वयन टी-हब फाउंडेशन ने किया।

इस प्रतियोगिता में 28 राज्यों से 350 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 50 संभावनाशील स्टार्टअप्स को तीन महीने के नेशनल स्प्रिंगबोर्ड प्रोग्राम में शामिल किया गया।

नीति आयोग के एक बयान में कहा गया है कि तीन विजेता स्टार्टअप्स को 3.5 लाख रुपए की सीड ग्रांट के साथ क्षमता विकास और इकोसिस्टम से जुड़ने के अवसर प्रदान किए गए। वहीं, तीन उपविजेता स्टार्टअप्स को 2.2 लाख रुपए की राशि दी गई।

तीन महीने का नेशनल स्प्रिंगबोर्ड प्रोग्राम एक वर्चुअल क्षमता विकास यात्रा थी, जिसमें 16 उद्योग विशेषज्ञों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों का सहयोग लिया गया।

सभी 50 स्टार्टअप्स ने नेशनल इनोवेशन डायलॉग के दौरान प्रतिष्ठित जूरी के सामने अपने विचार और मॉडल प्रस्तुत किए। इनमें से शीर्ष 20 स्टार्टअप्स को हैदराबाद स्थित टी-हब में आयोजित रीजनल इमर्शन बूटकैंप के लिए चुना गया।

पांच दिनों तक चले इस विशेष कार्यक्रम में स्टार्टअप्स को उद्योग जगत के नेताओं, सस्टेनेबिलिटी विशेषज्ञों, निवेशकों, सरकारी प्रतिनिधियों और उद्यमियों के साथ जुड़ने का अवसर मिला।

कार्यक्रम में मास्टरक्लास, मेंटरशिप सत्र, औद्योगिक भ्रमण और आपसी सीखने की गतिविधियों के माध्यम से स्टार्टअप्स के बिजनेस मॉडल को मजबूत बनाने और उनके प्रभाव को बढ़ाने पर जोर दिया गया।

तेलंगाना सरकार के तेलंगाना इनोवेशन सेल (टीजीआईसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मेराज फहीम ने कहा कि यूथ को:लैब जैसी पहलें नवाचार, सहयोग और युवा नेतृत्व की ताकत को मजबूत करती हैं और समाज की कई बड़ी चुनौतियों का समाधान खोजने में मदद करती हैं।

नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन के प्रोग्राम डायरेक्टर प्रतीक देशमुख ने कहा कि भारत में स्टार्टअप्स की कोई कमी नहीं है, बल्कि असली चुनौती अवसरों और संसाधनों के समान वितरण की है।

उन्होंने कहा, 'भारत में पूंजी का वितरण अभी भी बेंगलुरु और दिल्ली जैसे शहरों तक सीमित है। मेंटरशिप टियर-3 शहरों और पूर्वोत्तर राज्यों तक पर्याप्त रूप से नहीं पहुंच पा रही है।

महिलाओं, दिव्यांग व्यक्तियों और सामाजिक रूप से वंचित वर्गों से आने वाले उद्यमियों के लिए अवसर अभी भी सीमित हैं।

भारत को जेनेरिक दवाओं से आगे बढ़कर हाई-वैल्यू फार्मा उत्पादों और एपीआई निर्माण में बड़ी छलांग लगाने की जरूरतः अर्थशास्त्री

नई दिल्ली। भारत दुनिया में जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता और वैक्सीन तथा आवश्यक दवाओं का प्रमुख उत्पादक है। हालांकि, अर्थशास्त्रियों का मानना है कि अब भारत को उच्च मूल्य वाली फार्मास्युटिकल दवाओं और एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स (एपीआई) के निर्माण में बड़ी छलांग लगाने की जरूरत है। इसके लिए मजबूत प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजनाओं की आवश्यकता होगी।

मंगलवार को जारी नीति आयोग की फार्मास्युटिकल व्यापार रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए अर्थशास्त्री वेद जैन ने आईएएनएस से कहा कि अब भारत के लिए उच्च मूल्य वाली दवाओं के निर्यात में आगे बढ़ने का सही समय है।

उन्होंने कहा, 'हमें मूल दवाओं और उनसे जुड़ी सुविधाओं के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार पर निवेश करना चाहिए। मेरा मानना है कि उच्च मूल्य वाली दवाओं और एपीआई उत्पादों के लिए एक मजबूत पीएलआई योजना होनी चाहिए।'

नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त अभी मुख्य रूप से फार्मूलेशन, रिटेल दवाओं और जेनेरिक मेडिसिन के क्षेत्र में केंद्रित है।

भारत अमेरिका और यूरोप जैसे सख्त नियामकीय मानकों वाले बाजारों में भी जेनेरिक दवाओं के क्षेत्र में मजबूत प्रतिस्पर्धा बनाए हुए है। वेद जैन ने कहा कि भारत को नियामकीय बाधाओं को और कम करना होगा, उत्पादन क्षमता बढ़ानी होगी और साथ ही उच्च मूल्य वाली फार्मास्युटिकल दवाओं का उत्पादन बढ़ाना होगा ताकि उनका निर्यात किया जा सके।

उन्होंने कहा कि भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) इस दिशा में मददगार साबित होंगे, बशर्ते कुछ नियामकीय प्रतिबंधों को दूर किया जाए। फार्मास्युटिकल क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना बायोफार्मास्युटिकल्स, जटिल जेनेरिक दवाओं, पेटेंट और ऑफ-पेटेंट दवाओं, दुर्लभ बीमारियों की दवाओं तथा ऑटोइम्यून रोगों की दवाओं जैसे उच्च मूल्य वाले उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा देती है। सितंबर 2025 तक इस योजना के तहत कुल 3,08,408.60 करोड़ रुपए की बिक्री दर्ज की गई, जिसमें 1,98,509.49 करोड़ रुपए का निर्यात शामिल है।

योजना के तहत सितंबर 2025 तक कुल 40,294 करोड़ रुपए का निवेश किया गया, जो निर्धारित लक्ष्य 17,275 करोड़ रुपए से काफी अधिक है।

घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली पीएलआई योजना ने बल्क ड्रग्स के आयात पर भारत की निर्भरता कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक फार्मास्युटिकल उद्योग अब तेजी से उच्च मूल्य वाले क्षेत्रों जैसे बायोलॉजिक्स, वैक्सीन, इम्यूनोलॉजिकल्स और एडवांस्ड थेरेप्यूटिक्स की ओर बढ़ रहा है।

गर्मियों में पसीना बन रहा बाल झड़ने और डैंड्रफ की बड़ी वजह, जानें स्कैल्प को ठंडा रखने के आसान तरीके

विश्व केसरी

नई दिल्ली। गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने के लिए पसीना आना एक सामान्य बात है, लेकिन जब यह पसीना स्कैल्प में ज्यादा देर तक जमा रहता है, तो यह बालों के लिए कई तरह की परेशानियां पैदा करने लगता है। बहुत से लोगों को इस मौसम में खुजली, डैंड्रफ और बाल झड़ने की शिकायत बढ़ जाती है। इसकी बड़ी वजह यही होती है कि स्कैल्प का पसीना जल्दी सूख नहीं पाता और वहां नमी बनी रहती है। यह नमी, तेल और गंदगी मिलकर स्कैल्प को नुकसान पहुंचाते हैं।

वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो पसीने में पानी के साथ थोड़ा सा नमक और लैक्टिक एसिड होता है। जब यह पसीना सिर पर लंबे समय तक रहता है, तो स्कैल्प का बैलेंस बिगड़ जाता है। हमारे सिर की त्वचा में छोटे-छोटे छेद होते हैं, जिन्हें रोमछिद्र कहते हैं। इनसे बालों की जड़ें जुड़ी होती हैं। जब पसीना और तेल मिलकर इन रोमछिद्रों को बंद कर देते हैं, तो बालों तक सही

पोषण नहीं पहुंच पाता। इसी वजह से बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं।

पसीने में मौजूद लैक्टिक एसिड बालों की बाहरी परत को कमजोर करता है। इससे बाल रूखे और बेजान दिखने लगते हैं। जब यह समस्या लंबे समय तक रहती है, तो बालों की जड़ें भी कमजोर हो जाती हैं और बाल ज्यादा झड़ने लगते हैं। कई बार सिर से बदबू आने की समस्या भी देखी जाती है, क्योंकि पसीना और बैक्टीरिया मिलकर गंध पैदा करते हैं।

इन समस्याओं से बचने के लिए सबसे जरूरी है कि स्कैल्प को साफ और ठंडा रखा जाए। हल्की तेल मालिश इसमें मदद कर सकती है; यह ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाती है, जिससे बालों की जड़ों तक ऑक्सीजन और पोषक तत्व बेहतर तरीके से पहुंचते हैं। आंवला जैसे प्राकृतिक तेल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन सी स्कैल्प की कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाते हैं और बालों की मजबूती को बनाए रखते हैं।

हाइड्रेशन यानी पर्याप्त पानी पीना भी बेहद जरूरी है। शरीर में पानी की कमी होने पर स्कैल्प भी सूखा और असंतुलित हो सकता है। इसलिए रोज पर्याप्त पानी पीना जरूरी है। पानी शरीर से गंदगी बाहर निकालने में मदद करता है और स्कैल्प को साफ रखने में भी सहायक होता है।

एलोवेरा भी इस समस्या में बहुत उपयोगी है। यह सिर की त्वचा को ठंडक देता है और नमी को संतुलित करता है। इसे सीधे जेल के रूप में स्कैल्प पर लगाया जा सकता है। इससे खुजली कम होती है और सिर हल्का महसूस होता है। यह बैक्टीरिया को भी बढ़ने से रोकता है। ऐप्पल साइडर विनेगर का इस्तेमाल भी फायदेमंद माना जाता है। इसे पानी में मिलाकर लगाने से स्कैल्प का बैलेंस ठीक रहता है और अतिरिक्त तेल कम होता है। इससे डैंड्रफ की समस्या भी धीरे-धीरे कम हो सकती है।

डीआरसी में इबोला संक्रमण के 1,094 मामले दर्ज, 277 की मौत

विश्व केसरी

किंशासा । डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला अब तक 277 लोगों की जान ले चुका है। वहीं 1,094 के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। 15 मई को इबोला प्रकोप की घोषणा की गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसे पहले महीने में दर्ज सबसे अधिक मामलों का रिकॉर्ड बताया है।

मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 387 मरीज क्वारंटीन में हैं या उपचार प्राप्त कर रहे हैं, जबकि 115 लोग ठीक हो चुके हैं। इसके अलावा, 131 संदिग्ध मामले भी सामने आए हैं, जिनमें 44 संदिग्ध मौतें शामिल हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय की दैनिक महामारी रिपोर्ट के अनुसार, साप्ताहिक आधार पर पुष्ट मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है, जो समुदाय में संक्रमण के फैलाव को दर्शाता है।

सिंहुआ न्यूज एजेंसी ने मंत्रालय के हवाले से बताया कि सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों को तेज किया गया है, जिसमें महामारी विज्ञान और प्रयोगशाला निगरानी को मजबूत करना तथा जांच क्षमता का विकेंद्रीकरण शामिल है। इससे समय रहते मामलों की पहचान संभव हो रही है और यह समुदाय स्तर पर फैलाव की पुष्टि करता है।

जिनेवा में मंगलवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में डब्ल्यूएचओ के हेल्थ इमरजेंसी अलर्ट एंड रिस्पॉन्स ऑपरेशंस निदेशक अब्दिरहमान महमूद ने कहा कि यह अफ्रीका में किसी भी इबोला प्रकोप के पहले महीने में दर्ज सबसे अधिक मामले हैं।

उन्होंने बताया कि प्रतिक्रिया क्षमता में सुधार के संकेत मिले हैं और हाल के दो हफ्तों में उपचार सुविधाएं बढ़ी हैं। अब यह क्षमता कुछ ही बेड से बढ़कर 19 स्वास्थ्य क्षेत्रों में 500 से अधिक बेड तक पहुंच गई है।

प्रयोगशाला क्षमता भी तेजी से बढ़ाई गई है। शुरुआत में राजधानी किंशासा में प्रतिदिन लगभग 30 परीक्षण होते थे तो अब ये 2000 से अधिक तक पहुंच गया है। इतुरी, नॉर्थ किवु और साउथ किवु प्रांतों में फैली आठ प्रयोगशालाओं के नेटवर्क के जरिए ये संभव हुआ है।

डीआरसी के राष्ट्रपति फेलिक्स त्शिसेकेदी ने मंगलवार को कहा कि वे जल्द ही इतुरी प्रांत का दौरा करेंगे, जो इस प्रकोप का केंद्र है, ताकि जमीनी स्तर पर राहत और नियंत्रण कार्यों की समीक्षा की जा सके।किंशासा में आयोजित एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने यह बात बुरुंडी के राष्ट्रपति इवेरिस्टे नदायिशिमिये के साथ कही, जिनका देश वर्तमान में अफ्रीकी संघ की रोटेशन आधारित अध्यक्षता कर रहा है।

कहीं आप भी तो नहीं लेते खाली पेट चाय की चुस्की? इस छोटे उपाय से मिलेगी पेट की समस्या से राहत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सुबह उठते ही चाय पीना कई लोगों की दिनचर्या का हिस्सा है। कई लोग दिन की शुरुआत बिना चाय के करने की कल्पना भी नहीं कर सकते। हालांकि, हेल्थ एक्सपर्ट का मानना है कि खाली पेट चाय पीने की आदत पेट से जुड़ी कई समस्याओं को जन्म दे सकती है। ऐसे में छोटे से उपाय को अपनाकर इन समस्याओं से निजात पाया जा सकता है।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) ने लोगों को इस आदत के प्रति सचेत करते हुए एक आसान लेकिन महत्वपूर्ण सलाह दी है कि सुबह उठने के बाद सबसे पहले एक गिलास पानी पिएं और उसके बाद ही चाय का सेवन करें।

एनएचएम के अनुसार, खाली पेट चाय पीने से पेट में एसिड का स्तर बढ़ सकता है, जिससे एसिडिटी और गैस की समस्या होने की आशंका रहती है। इसके अलावा, यह आदत पेट में जलन और असहजता का कारण भी बन सकती है। कई लोगों को सुबह-सुबह पेट भारी लगना, खट्टी डकारें आना या पेट में बेचैनी महसूस होना जैसी समस्याएं भी इसी वजह से हो सकती हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि रातभर सोने के दौरान शरीर कई घंटों तक बिना पानी के रहता है। ऐसे में सुबह उठते ही पानी पीना शरीर को हाइड्रेट करने में मदद करता है। यह पाचन तंत्र को सक्रिय करता है और पेट को दिनभर के भोजन के लिए तैयार करता है। इसके बाद चाय पीने से उसके दुष्प्रभावों की संभावना भी काफी हद तक कम हो जाती है।

एनएचएम ने बताया कि खाली पेट चाय का सेवन दिनभर की ऊर्जा पर भी असर डाल सकता है। कई बार चाय से मिलने वाली ताजगी कुछ समय बाद थकान या सुस्ती में बदल सकती है। इसके विपरीत, यदि व्यक्ति पहले पानी पीता है या हल्का पौष्टिक आहार लेता है, तो शरीर को बेहतर ऊर्जा मिलती है और पाचन प्रक्रिया भी सुचारु बनी रहती है।

योगाभ्यास के लाभ बढ़ाने के लिए प्रार्थना जरूरी, आयुष मंत्रालय ने बताया सही तरीका

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 (21जून) के आयोजन में अब केवल एक सप्ताह का समय शेष रह गया है। ऐसे में आयुष मंत्रालय लोगों को योग के प्रति जागरूक करने और योगाभ्यास की सही विधियों की जानकारी देने के लिए लगातार संदेश जारी कर रहा है। मंत्रालय ने कहा है कि योग की हर यात्रा शांति और सकारात्मकता के साथ शुरू होनी चाहिए। इसके लिए योगाभ्यास की शुरुआत प्रार्थना के साथ करना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने की एक संपूर्ण प्रक्रिया है। योग का पूरा लाभ तभी प्राप्त किया जा सकता है जब अभ्यास की शुरुआत सही मानसिक अवस्था के साथ की जाए। मंत्रालय का कहना है कि प्रार्थना मन को शांत करने, विचारों को केंद्रित करने और शरीर को योगाभ्यास के लिए तैयार करने में मदद करती है।

मंत्रालय ने अपने संदेश में कहा कि योग सत्र शुरू करने से पहले कुछ क्षणों के लिए मन को स्थिर करना और कृतज्ञता का भाव अपनाना चाहिए। इससे व्यक्ति का ध्यान वर्तमान क्षण पर केंद्रित होता है और योगाभ्यास अधिक प्रभावी बनता है।

प्रार्थना के साथ शुरुआत करने से मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जो पूरे अभ्यास के दौरान एकाग्रता और सामंजस्य बनाए रखने में सहायक होती है।

योगाभ्यास से पहले किसी शांत और आरामदायक स्थान पर बैठें, जहां मन भटकने के बजाय पूरी तरह केंद्रित हो सके। प्रार्थना की शुरुआत आभार व्यक्त करते हुए करें। जीवन, परिवार, अच्छे स्वास्थ्य और जीवन में मिले अवसरों के लिए ईश्वर और प्रकृति के प्रति धन्यवाद का भाव रखें। यह सकारात्मक सोच मन को शांति और स्थिरता देती है।

ऑस्ट्रेलिया में बढ़ा मोटापे का खतरा, 32.8 प्रतिशत वयस्क मोटापे से ग्रस्त : रिपोर्ट

विश्व केसरी

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया में मोटापा तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य समस्या बनता जा रहा है। सरकार की ओर से जारी एक नई रिपोर्ट में सामने आया है कि देश में लगभग एक-तिहाई वयस्क अब मोटापे का शिकार है।

बुधवार को जारी ऑस्ट्रेलियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड वेलफेयर (एआईएचडब्ल्यू) की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022-24 के दौरान 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के 32.8 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई वयस्क मोटापे से ग्रस्त पाए गए। यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। वर्ष

2017-18 में यह 31.3 प्रतिशत था, जबकि 2014-15 में 27.9 प्रतिशत दर्ज किया गया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2022-24 में 67.1 प्रतिशत वयस्क या तो मोटापे से ग्रस्त थे या फिर उनका वजन सामान्य से अधिक था। वहीं, गंभीर मोटापे की श्रेणी में आने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ी है। 2022-24 में 13 प्रतिशत वयस्क गंभीर मोटापे से पीड़ित पाए गए, जबकि 2017-18 में यह आंकड़ा 11.7 प्रतिशत था।

अध्ययन में यह भी सामने आया कि पुरुषों में अधिक वजन या मोटापे की संभावना महिलाओं की तुलना में ज्यादा है। हालांकि, गंभीर मोटापे की समस्या महिलाओं में अधिक देखी गई।

एआईएचडब्ल्यू की प्रवक्ता एमी यंग ने कहा कि मोटापा और अधिक वजन ऑस्ट्रेलिया के सामने एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बन चुके हैं।

फीफा वर्ल्ड कपः कोलंबिया ने बनाई नॉकआउट स्टेज में जगह, डीआर कांगो को 1-0 से हराया

विश्व केसरी ■

गुआडालाहारा। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप के मुकाबले में कोलंबिया ने डीआर कांगो को 1-0 से हराया। ग्वाडालाहारा स्टेडियम में मिली इस जीत के साथ ही कोलंबिया ने एक मैच बाकी रहते हुए ही राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह बना ली है।

मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल दूसरे हाफ में डेनियल मुनोज ने किया। मुनोज ने एक डिफ्लेक्टेड शॉट पर गोल दागकर कांगो के मजबूत डिफेंस को भेदा। इससे पहले, मैच में डीआर कांगो के गोलकीपर लियोनेल मपासी ने कई शानदार बचाव किए और कोलंबिया के कई शॉट्स गोल पोस्ट में जाने से रोके। पहले हाफ में कोलंबिया ने लगातार दबाव बनाया। जेम्स रोड्रिगेज, लुइस डियाज, और गुस्तावो पुएर्ता के शॉट्स को मपासी ने बेहतरीन बचाव करते हुए गोल में तब्दील नहीं होने दिया। डेनियल मुनोज ने भी कई मौके बनाए, लेकिन शुरुआती हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी।

डीआर कांगो के पास भी गोल करने के कई मौके आए, लेकिन टीम इन्हें भुनाने में नाकाम रही। एडो कायम्बे का एक लंबी दूरी का शॉट बाहर चला गया। वहीं, योएन विसा का हेडर भी गोल पोस्ट में नहीं पहुंच सका। दूसरे हाफ में कोलंबिया ने आक्रामक खेल दिखाया और डीआर कांगो के डिफेंस पर दबाव बनाने का प्रयास किया। लुइस डियाज ने गोल करने का शानदार मौका बनाया, लेकिन एक बार फिर डीआर कांगो के गोलकीपर मपासी उनके सामने चट्टान की तरह खड़े रहे।

डीआर कांगो के मजबूत डिफेंस को देखकर एक समय पर लग रहा था कि यह मुकाबला ड्रॉ रहेगा, लेकिन मैच के 76वें मिनट में आखिरकार मुनोज को सफलता मिली और उन्होंने कोलंबिया को 1-0 की बढ़त दिलाई। मैच में लुइस डियाज के दो गोल ऑफसाइड करार दिए गए, जिससे कोलंबिया की बढ़त और बड़ी नहीं हो सकी। इसके बावजूद टीम ने अपनी लीड को बनाए रखा और डीआर कांगो को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया।

IANS

झारखंड प्रीमियर लीगः छोटा नागपुर रॉयल्स बनी चैंपियन, फाइनल मुकाबले में जमशेदपुर स्टीलर्स को 7 विकेट से हराया

विश्व केसरी ■

रांची। छोटा नागपुर रॉयल्स ने झारखंड प्रीमियर लीग के पहले संस्करण का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच में छोटा नागपुर ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जमशेदपुर स्टीलर्स को 7 विकेट से हराया।

जमशेदपुर स्टीलर्स से मिले 181 रनों के लक्ष्य को छोटा नागपुर रॉयल्स ने 3 विकेट खोकर 17.2 ओवर में हासिल किया। हालांकि, टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और विराट सिंह महज एक रन बनाकर अमन कुमार का शिकार बने। इसके बाद कुमार कुशाग्र और नाजिम सिद्दीकी ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 48 रन जोड़े। सिद्दीकी ने 24 गेंदों का सामना करते हुए 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 38 रन बनाए। वहीं, कुशाग्र ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 39 गेंदों में 78 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में कुशाग्र ने 3 चौके और 8 छक्के लगाए।

वहीं, हिमांशु द्विवेदी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों में 51 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। अपनी इस पारी में हिमांशु ने 4 चौके और 3 छक्के लगाए। वहीं, चंदन 4 गेंदों में 7 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में जमशेदपुर स्टीलर्स की तरफ से अमन कुमार ने 24 रन देकर सर्वाधिक 2 विकेट चटकाए। वहीं, अनुराग ने एक विकेट निकाला।

इससे पहले, जमशेदपुर स्टीलर्स को कुमार करन और कप्तान कुमार देवब्रत ने सधी हुई शुरुआत दी। करन ने 13 गेंदों में एक चौके और 4 छक्कों की मदद से 28 रन बनाए। वहीं, देवब्रत ने 30 गेंदों में 39 रनों की दमदार पारी खेली। अनुराग सेंगर ने 11 रन बनाए। नीतेश रेड्डी भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 6 रन ही बना सके।

रवि शर्मा का बल्ला भी खामोश रहा।

हालांकि, हर्ष राणा ने अंत के ओवरों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 26 गेंदों में 64 रनों की विस्फोटक पारी खेली। हर्ष ने अपनी इस पारी में 5 चौके और 5 छक्के लगाए।

गेंदबाजी में छोटा नागपुर रॉयल्स की तरफ से विकास सिंह, राहुल, चंदन मुखी और दुर्गेश कुमार ने एक-एक विकेट निकाला।

'वह खेल को बदलने की क्षमता रखते हैं',ओयारजाबल ने की लामिन यामल की प्रशंसा

विश्व केसरी ■

न्यूयॉर्क । फीफा वर्ल्ड कप 2026 में स्पेन को सऊदी अरब के खिलाफ मिली 4-0 की जीत में टीम के स्ट्राइकर मिकेल ओयारजाबल ने 2 गोल करते हुए अहम भूमिका निभाई थी। इन दो गोलों के बूते वह गोल्डन बूट की रेस में शामिल हो गए हैं। हालांकि, ओयारजाबल का कहना है कि उन्हें अपनी लोकप्रियता से ज्यादा चिंता टीम के प्रदर्शन और जीत की रहती है। उन्होंने युवा खिलाड़ी यामल की भी जमकर प्रशंसा की।

ओयारजाबल ने कहा कि वे बड़े खिलाड़ियों जैसे काइलियन एम्बाप्पे, एर्लिंग हालैंड और हैरी केन की तुलना में कम चर्चा में रहते हैं, लेकिन इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने साफ कहा, 'मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं। मैं अपना समय ऐसी बातों पर बर्बाद नहीं करता। मेरे लिए सबसे जरूरी टीम, कोच और स्टाफ का भरोसा है। सऊदी अरब के खिलाफ मिली जीत में युवा खिलाड़ी लामिन यामल का भी अहम योगदान रहा था। यामल ने मैच में शानदार खेल दिखाया और पहले हाफ में एक गोल भी किया। ओयारजाबल ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि यामल जैसे खिलाड़ी विपक्षी टीम के लिए काफी परेशानी पैदा करते हैं और उनकी मौजूदगी से स्पेन को बड़ा फायदा मिलता है।

हॉकी इंडिया ने यूके दौरे के लिए भारतीय जूनियर महिला टीम का किया ऐलान, शिलेमा चानू बनीं कप्तान

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने 5 से 14 जुलाई तक यूनाइटेड किंगडम (यूके) में होने वाले एक्सपोजर टूर के लिए 24 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। टीम नए मुख्य कोच टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में स्कॉटलैंड और इंग्लैंड में कुल सात मैच खेलेगी।

यह दौरा जूनियर एशिया कप और अन्य आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की तैयारियों का अहम हिस्सा है। इस दौरान खिलाड़ियों को विदेशी परिस्थितियों में खेलने का अनुभव मिलेगा, जिससे उनके खेल और आत्मविश्वास में सुधार होगा। युवा भारतीय टीम की अगुवाई कप्तान खैदेम शिलेमा चानू करेंगी, जबकि निधि और एंगिल हर्षा रानी मिंज दो गोलकीपर होंगी। डिफेंसिव यूनिट में पूजा साहू, सुप्रिया, मधु, एफ. लालबी अक्सियामी, लालनेइहपुई और पार्वती टोपनो शामिल हैं। मिडफील्ड में कप्तान चानू, तनुजा टोप्पो, सुप्रिया कुजूर, पूजा मलिक, बिनिमा धन, गीता यादव, रोशनी आइंद और तनुश्री दिनेश कडू शामिल हैं।

फॉरवर्ड लाइन में सुखवीर कौर, शशि खासा, लालरिनपुई, निशा मिंज, पूर्णिमा यादव, काजल, सनिका चंद्रकांत माने और कृष्णा शर्मा को जगह दी गई है। 9 दिन का यह एक्सपोजर टूर यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग में स्कॉटलैंड सीनियर महिला टीम के खिलाफ दो मैचों से शुरू होगा, इसके बाद लिलेशॉल नेशनल स्पोर्ट्स सेंटर में यूनाइटेड स्टेट्स, इंग्लैंड और बेल्जियम की साथी जूनियर टीमों के खिलाफ मैच होंगे। इस प्रतिस्पर्धी अनुभव के जरिए कोच व्हाइट आगे के टूर्नामेंट्स की तैयारी के लिए कॉम्बिनेशन और रणनीति को बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे। व्हाइट ने स्क्वाड और दौरे की अहमियत पर बयान देते हुए कहा, 'यूके का दौरा हमारे जूनियर स्क्वाड के विकास की प्रक्रिया का एक जरूरी हिस्सा है। हमने एक रोमांचक युवा ग्रुप चुना है, जिनमें से कई को विदेशी टीमों के साथ खेलने का मौका नहीं मिला है, इसलिए यह अकेले लोगों और एक टीम के तौर पर ग्रुप के लिए सीखने का एक शानदार मौका होगा। कोच ने आगे कहा, 'हम बहुत कड़े मुकाबले वाले खिलाड़ियों के खिलाफ खेलेंगे, इसलिए हमें उम्मीद है कि हमें चुनौती मिलेगी। हालांकि, हम हर मैच को सीखने के मौके के तौर पर लेंगे और साथ ही पिछले 10 हफ्तों से जिस तरह से खेलने पर काम कर रहे हैं, उसे भी अपनाएंगे। मुझे यकीन है कि यह आने वाले एशिया कप के लिए बहुत अच्छी तैयारी होगी, क्योंकि हम इस दौरे का इस्तेमाल एक टीम के तौर पर अपनी ताकत और उन खास एरिया को पक्का करने के लिए करेंगे जिनमें हमें सुधार करने की जरूरत है।'

यूके दौरे के लिए भारतीय जूनियर महिला टीम:

गोलकीपरः निधि, एंगिल हर्षा रानी मिंज

डिफेंडरः पूजा साहू, सुप्रिया, मधु, एफ. लालबी अक्सियामी, लालनेइहपुई, पार्वती टोपनो

मिडफील्डरः खैदेम शिलेमा चानू (कप्तान), तनुजा टोप्पो, सुप्रिया कुजूर, पूजा मलिक, बिनिमा धन, गीता यादव, रोशनी आइंद, तनुश्री दिनेश कडू।

सूर्यांश को रास आएगी आयरलैंड-इंग्लैंड की परिस्थितियां, लंबा रहेगा इंटरनेशनल करियर : जतिन परांजपे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। नीतीश कुमार रेड्डी के आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए घोषित टी20 टीम से बाहर होने के बाद सूर्यांश शेडगे को पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारत के पूर्व क्रिकेटर और पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता जतिन परांजपे का मानना है कि सूर्यांश शेडगे का अंतरराष्ट्रीय करियर लंबा रहेगा।

परांजपे का कहना है कि सूर्यांश के पास अगले दस वर्षों तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए जरूरी कौशल और मानसिक मजबूती दोनों हैं। उन्होंने बुधवार को आईएएनएस से विशेष बातचीत में कहा, 'वह एक स्वाभाविक टी20 खिलाड़ी हैं और यह उनके लिए फायदेमंद रहेगा। उन्हें यह समझ आएगा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आईपीएल की तुलना में अधिक दबाव और तेजी होती है। इसलिए उन्हें इस माहौल में ढलने में तीन-चार मैच लग सकते हैं। हालांकि, मुझे पूरा भरोसा है कि उनके पास अगले 10 वर्षों तक भारत के लिए खेलने की क्षमता और मानसिक दृढ़ता है।'

शेडगे एक आक्रामक बल्लेबाज हैं और मध्यम गति की गेंदबाजी भी करते हैं। हालिया शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली है। उन्होंने आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के लिए सात पारियों में 39.50 की औसत और 175.55 के स्ट्राइक रेट से 158 रन बनाए। इसके बाद श्रीलंका के दांबुला में इंडिया ए की 50 ओवरों की त्रिकोणीय श्रृंखला जीत में भी बल्ले से महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने पांच पारियों में 120.49 के स्ट्राइक रेट से 147 रन बनाए और 23 ओवर गेंदबाजी भी की।

पिछले दो वर्षों से मुंबई के वासु परांजपे क्रिकेट सेंटर में सूर्यांश शेडगे को प्रशिक्षण दे रहे जतिन परांजपे का मानना है कि भारतीय टीम में पहली बार चयन के लिए इससे बेहतर समय और अवसर नहीं हो सकता था।

उन्होंने कहा, 'जाहिर है कि मैं उनके लिए बेहद खुश हूं। आयरलैंड और इंग्लैंड का दौरा सूर्यांश जैसे ऑलराउंडर के लिए बिल्कुल उपयुक्त है।

फीफा वर्ल्ड कपः मोड्रिक के 200वें इंटरनेशनल मैच में क्रोएशिया का दमदार प्रदर्शन, पनामा को 1-0 से हराया

विश्व केसरी ■

टोरंटो । फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप एल मुकाबले में क्रोएशिया ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पनामा को 1-0 से हराया। टोरंटो स्टेडियम में मिली इस जीत के साथ ही क्रोएशिया ने तीन अहम अंक भी हासिल किए।

क्रोएशिया के खिलाफ मिली हार के साथ ही पनामा के अगले राउंड में पहुंचने की उम्मीदें भी खत्म हो गई हैं। क्रोएशिया ने यह अहम जीत टीम के स्टार खिलाड़ी लुका मोड्रिक के 200वें मैच में हासिल की। लुका मोड्रिक फीफा वर्ल्ड कप में क्रोएशिया के पिछले 21 मैचों में लगातार टीम का हिस्सा रहे हैं। यह शानदार सिलसिला 2006 में जापान के खिलाफ खेले गए उनके दूसरे ग्रुप स्टेज मैच से शुरू हुआ था और तब से वे हर मुकाबले में क्रोएशिया के लिए योगदान दे रहे हैं।

टोरंटो स्टेडियम में पहले हाफ में पनामा ने क्रोएशिया के मुकाबले ज्यादा बेहतर खेल दिखाया। 23वें मिनट में पनामा को गोल करने का एक शानदार मौका मिला, जब जोस लुइस रोड्रिगेज ने जोरदार हेडर लगाया। हालांकि, क्रोएशिया के गोलकीपर डोमिनिक लिवाकोविच ने शानदार बचाव करते हुए गेंद को क्रॉसबार पर टिप कर दिया और गोल होने से बचाया।

हालांकि, दूसरे हाफ के बाद क्रोएशिया ने मैच में अपनी पकड़ मजबूत की। मुकाबले के 54वें मिनट में क्रोएशिया 1-0 की बढ़त हासिल करने में सफल रही। जोसिप स्टैनिसिक के दाईं ओर से आए शानदार लो क्रॉस को सब्सटीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर आए एंटे बुदिमिर ने गोल में तब्दील किया।

तीन मिनट बाद मार्को पासालिक के पास अपनी टीम की बढ़त को दोगुना करने का शानदार मौका था, लेकिन पहले पनामा के गोलकीपर ऑरलैंडो मॉस्केरा ने उन्हें रोक दिया और फिर रिबाउंड पर वह गोल करने से चूक गए। पनामा ने भी मैच में कुछ मौके बनाए, लेकिन क्रोएशिया के गोलकीपर डोमिनिक लिवाकोविच शानदार फॉर्म में दिखे और उन्होंने कई अहम बचाव किए। इसी वजह से पनामा वर्ल्ड कप में अपना पहला अंक हासिल करने के लिए जरूरी गोल करने में नाकाम रहा। दूसरी ओर, क्रोएशिया और अपना 200वां मैच खेल रहे टीम के कप्तान लुका मोड्रिक के लिए यह मुकाबला यादगार रहा।

'संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो कानूनी मदद लूंगी', एशियन गेम्स के स्क्वॉड से बाहर किए जाने पर बोलीं मनिका बत्रा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने के बाद भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा चर्चा में हैं। मनिका ने हाल ही में टीम से बाहर किए जाने पर सवाल उठाए थे और इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप की अपील भी की थी। अब उन्होंने उन आरोपों का जवाब दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि वह टीम में शामिल किए जाने या अपने लिए विशेष व्यवस्था की मांग कर रही हैं।

मनिका ने स्पष्ट किया कि वह किसी विशेष सुविधा या रियायत की मांग नहीं कर रही हैं, बल्कि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता चाहती हैं। उन्होंने टीम से बाहर किए जाने के फैसले को मनमाना बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया से हस्तक्षेप की अपील की है। साथ ही

चेतावनी दी है कि यदि उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो वह कानूनी कार्रवाई का रास्ता अपना सकती हैं।

मनिका ने एक बयान में कहा, 'पिछले दो दशकों से मुझे सर्वोच्च स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। अपने पूरे करियर में मैंने जीत, हार, चयन और चयन न होने, सभी परिस्थितियों को स्वीकार किया है। यह खेल का हिस्सा है। लेकिन जिस बात को स्वीकार करना मुश्किल है, वह है पारदर्शिता की कमी और मनमानी।

'उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ दिनों में मैंने कई लोगों को यह कहते हुए देखा है कि मैं एशियन गेम्स टीम में जगह चाहती हूं या विशेष विचार की मांग कर रही हूं। मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि मैं चयन की मांग नहीं कर रही हूं और न ही किसी से फैसला बदलने को कह रही हूं। मैं सिर्फ जवाब मांग रही हूं। मुझे यह नहीं बताया गया कि मेरा चयन क्यों नहीं किया गया।

यदि मुझे इस फैसले के आधार के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं मिलता, तो मेरे पास कानूनी विकल्प अपनाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा।

मैं यह इसलिए नहीं कर रही हूं कि मुझे टीम में जगह या कोई विशेष व्यवस्था चाहिए, बल्कि इसलिए कि मेरा मानना है कि हर खिलाड़ी को चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता, निरंतरता और जवाबदेही मिलनी चाहिए।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415